जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 124 प्रभात अजमेर, मंगलवार 3 दिसम्बर, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

साउथ इण्डिया से मांग उठी, अब संसद की कुछ बैठक दक्षिण भारत में भी हों

वाय.एस.आर. कांग्रेस के तिरुपति से सांसद ने संसदीय मामलों के मंत्री किरण रिजीजू को पत्र लिखर कर यह मांग की

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। अब दक्षिण भारत से मांग उठ रही है कि दक्षिण भारत में संसद की मीटिंग करवाई जाए जैसे कर्नाटक विधानसभा की बैठक बेलागावी में भी होती है।

दक्षिण भारत से संसदीय बैठकों का विकेन्द्रीकरण करने की बात की जा रही है।

इस तरह के विचार का समर्थन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने भी किया था।

वाय.एस.आर.सी.पी. के तिरुपति के सांसद एम. गुरुमूर्ति ने संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू को इस बारे में पत्र लिखा है, जिसका समर्थन तमिलनाडु के सांसद कार्ति चिदम्बरम व अन्य सांसदों ने भी किया।

तिरुपति सांसद ने इस मांग के पीछे तर्क और एतिहासिक परिप्रेक्ष्य पेश किया और कहा कि ऐसा करने से राष्ट्रीय एकता को बल मिलेगा और दिल्ली के खराब मौसम से सांसदों को आवागमन से राहत मिलेगी और काम बेहतर ढंग से हो सकेगा। एतिहासिक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि अम्बेडकर और वाजपेयी जी ने संसद के सत्रों के विकेन्द्रीकरण की बात की थी जिसमें एकता व सबको साथ लेकर चलने की भावना को बल मिलेगा तथा संसद सभी क्षेत्र के लोगों के करीब लाया जा सकेगा।

- तमिलनाडु से निर्वाचित सांसद कार्ति चिदम्बरम सहित कई दक्षिण भारत के सांसदों ने इस मांग का समर्थन किया।
- इन सांसदों के अनुसार, अम्बेडकर व वाजपेयी ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। वाजपेयी का कहना था, यह प्रशासनिक कदम देश में एकता का भाव और मजबूत करेगा, तथा संसद को जनता के नज़दीक लायेगा।
- इस मांग के समर्थक सांसदों का यह भी कहना था, इस कदम से सभी सांसदों को दिल्ली की भीषण सर्दी के मौसम से राहत मिलेगी और कार्यकुशलता बढ़ेगी।
- एतिहासिक दृष्टि से यह सच है कि, 1988 में भी ऐसा एक प्रस्ताव प्राइवेट मैम्बर बिल के मार्फत लोकसभा में उठाया गया था, पर अन्य प्राइवेट मेम्बर्स बिल की भांति, यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ पाया था। पर, अब शायद इस प्रस्ताव को गंभीरता से लेने का समय आ गया है, तथा इससे यह मैसेज जायेगा कि संसद वाकई में पूरे देश की राष्ट्रीय संस्था है।

अपने पत्र में केन्द्रीय मंत्री एम. गुरुमूर्ति ने हर साल संसद की दो बैठके दक्षिण भारत में करवाने का सुझाव दिया और उम्मीद जताई कि सरकार इस सार्थक सुझाव पर सकारात्मक तरीके से विचार करेगी।

इसी तरह का विचार 1968 में एक सदस्य ने निजी बिल के मार्फत पेश किया था पर विधेयक पारित नहीं हो सका, पर अब समय आ गया है कि ऐसा कदम उठाया जाए अगर संसद की बैठकों का विकेन्द्रीकरण कर दिया जाए तो जनता को लगेगा कि संसद उनके ज्यादा करीब आ गई हैं।

इससे यह साबित करने में भी मदद मिलेगी कि संसद राष्ट्रीय निकाय है और सिर्फ नई दिल्ली का नहीं बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करती है।

'पूर्व सी.जे.आई. ने पूजा स्थल सम्बंधी विवादों को जन्म दिया'

नई दिल्ली, 02 दिसंबर। कांग्रेस ने सोमवार को उपासना स्थल अधिनियम- 1991 को पूरी तरह से लागू करने की मांग उठाई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अफसोस की बात है कि 20 मई 2022 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश ने कुछ मौखिक "ऑब्जर्वेशन्स" दी थी, जिसने मंदिर-मस्जिद वाली याचिकाओं का रास्ता साफ किया है। भाजपा उसका भरपूर राजनीतिक फायदा उठा रही है।

- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा 20 मई 2022 को पूर्व सी.जे.आई. चंद्रचूड ने जो मौखिक टिप्पणी की थी उसके बाद से ही मस्जिदों व दरगाहों पर दावेदारी जताने की याचिकाओं की बाढ़ आ गई है।

हर जगह साम्प्रदायिक तनाव फैलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मगर 1991 में बने कानून को लागू करना अनिवार्य है। जयराम रमेश ने कहा कि हाल ही में सामने आए विभिन्न विवाद जैसे कि संभल में एक मस्जिद और अजमेर में सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर दावा करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अडानी की मुश्किलें संसद तक ही सीमित नहीं

बांग्लादेश ने भी अडानी पावर कम्पनी से अपनी बिजली की खरीद आधी की

-श्रीनन्द झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। जहाँ गौतम अडानी विवाद के कारण संसद में गतिरोध बना हुआ है, वहीं, इस दिग्गज व्यवसायी को पड़ोसी बाँग्लादेश में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बाँग्लादेश ने "अडानी पावर" से की जाने वाली बिजली की माँग आधी कम कर दी है।

यह तनातनी पिछले महीने उस समय शुरू हुई, जब "अडानी पावर" ने भुगतान में विलम्ब होने के कारण, बाँग्लादेश को होने वाली सप्लाई घटाकर आधी कर दी थी।

बताया जाता है कि इसके बाद, बाँग्लादेश ने अडानी से कह दिया कि वे अब केवल आधी सप्लाई ही करें।

अडानी ग्रुप, 25 साल के अनुबन्ध के तहत, बाँग्लादेश को पावर-सप्लाई कर रहा है। यह अनुबन्ध 2017 में हुआ था, जब बाँग्लादेश में शेख हसीना प्रधानमंत्री थीं। पावर-सप्लाई "अडानी पावर" द्वारा झारखंड में स्थापित की गई दो इकाइयों से की जा रही थी। इनमें से प्रत्येक की क्षमता करीब 800 मेगावॉट थी। रिपोर्टों के अनुसार, यह प्लांट नवम्बर में केवल 41 प्रतिशत क्षमता के साथ चला। पिछली सर्दियों तक, बाँग्लादेश करीब 1000 मेगावॉट बिजली प्रतिमाह खरीद रहा था। "अडानी पावर" के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह फर्म बाँग्लादेश को बिजली की सप्लाई करती आ रही है, हालाँकि बढ़ाता जा रहा उधार एक बड़ी चिन्ता का विषय है। इसके कारण प्लान्ट का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अडानी पावर कम्पनी, अपने झारखण्ड स्थित पावर प्लान्ट की दो इकाइयों से, जिनकी पावर जनरैशन की क्षमता 16 सौ मेगावाट थी, से बांग्लादेश को नियमित बिजली सप्लाई कर रही थी, अब नवम्बर यह प्लान्ट 41 प्रतिशत क्षमता पर ही काम कर रहे हैं। क्योंकि, बांग्लादेश ने अडानी से बिजली खरीद आधी कर दी है।
- झगड़ा शुरू हुआ गत माह से, जब अडानी की कम्पनी ने बांग्लादेश को दी जा रही सप्लाई को आधा कर दिया था, भुगतान देरी से मिलने का बहाना करके। जवाबी कार्यवाही में बांग्लादेश ने अडानी की कम्पनी को पत्र लिख कर कहा, "अब आप बांग्लादेश को बिजली सप्लाई आगे के लिए आधी ही कर दें।"
- अपुष्ट खबरों के अनुसार बांग्लादेश चाहता है कि अडानी अपनी बिजली सप्लाई की दर में भारी कमी करे, क्योंकि, भारत की अन्य पावर सप्लाई कम्पनियां लगभग औसतन 9.57 टका प्रति यूनिट की दर से बिजली सप्लाई कर रही हैं, जबकि, अडानी पावर कम्पनी 14.87 टन प्रति यूनिट की दर से बांग्लादेश को बिजली बेच रही है।

मोदी सरकार ने संविधान पर चर्चा की विपक्ष की मांग मानी

संभावना है कि मंगलवार से संसद के दोनों सदनों में सुचारू रूप से काम होगा

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। संसद के दोनों सदनों का काम-काज मंगलवार से शुरू हो सकता है क्योंकि मोदी सरकार ने कांग्रेस की इस माँग को स्वीकार कर लिया है कि संविधान पर दो दिन की विशेष चर्चा हो।

राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस प्रकार की चर्चा कराने के लिये सदन के सभापति को पत्र लिखा था। इसी प्रकार का एक पत्र 26 नवम्बर को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को लिखा था।

संविधान पर चर्चा लोकसभा में 13 तथा 14 दिसम्बर को तथा राज्य सभा में 16 एवं 17 दिसम्बर को होगी।

सरकार, संसद के निरन्तर गतिरोध के समाधान की खातिर, संविधान पर बहस कराने की विपक्ष की माँग पर सहमत हो गई है। ज्ञातव्य है कि शीतकालीन सत्र की शुरूआत, अर्थात 25 नवम्बर से ही संसद ठप्प पड़ी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के कार्यालय में सदन के सभी नेताओं की मीटिंग हुई तथा यह तय हुआ कि मंगलवार से सदन की कार्यवाही निर्विघ्न रूप से शुरू हो जायेगी तथा उस दिन सदन में पहला विधेयक पेश एवं पारित हो जायेगा।

इस घटना क्रम पर बयान देते हुये, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा "ऐसी आशा है कि मोदी सरकार दोनों सदनों में कल (मंगलवार) से काम होने देगी।"

शीतकालीन सत्र के आरम्भ से ही, दोनों सदनों में कोई काम-काज नहीं हो पा रहा था, क्योंकि विपक्ष आसनों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- लोकसभा में 13 और 14 दिसम्बर को तथा राज्यसभा में 16 व 17 दिसम्बर को संविधान पर चर्चा होगी।
- लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस बारे में स्पीकर ओम बिड़ला को चिट्ठी लिखी थी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा के सभापति को पत्र भेजा ता।
- शुरू में सरकार ने संविधान पर चर्चा कराने से इन्कार कर दिया था, इस वजह से 25 नवम्बर से शीतकालीन सत्र शुरू होने के बाद संसद में एक दिन भी काम नहीं हुआ।

सन् 2000 के मालपुरा दंगों में आठ को आजीवन कारावास

जयपुर, 2 दिसंबर। सांप्रदायिक दंगा मामलों की विशेष अदालत ने 24 साल पहले टोंक के मालपुरा में हुए सांप्रदायिक दंगे के दौरान, हत्या करने वाले अभियुक्तों इस्लाम, मोहम्मद इशाक, अब्दुल रज्जाक, इरशाद, मोहम्मद जफर, साजिद अली, बिलाल अहमद और मोहम्मद हबीब को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। इसके साथ ही, अदालत की पीठासीन अधिकारी श्वेता गुप्ता ने अभियुक्तों पर जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि अभियुक्तों ने धारदार हथियारों से निर्ममतापूर्ण इस घटना को अंजाम दिया है। ऐसे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अदालत ने कहा कि अभियुक्तों ने धारदार हथियारों से इस निर्ममता पूर्ण घटना को अंजाम दिया। ऐसे में उनके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

आज होगी महाराष्ट्र के भाजपा विधायक दल की बैठक

पहले यह बैठक सोमवार 2 दिसम्बर को होने वाली थी

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। महाराष्ट्र में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों की मीटिंग, जो 2 दिसम्बर को होनी थी, 3 दिसम्बर तक के लिये टाल दी गई है। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तथा गुजरात के पूर्व मुख्य मंत्री विजय रूपानी को महाराष्ट्र भाजपा के विधायक दल के नेता के चुनाव में पर्यवेक्षक बनाया गया है।

रूपानी ने कहा कि दोनों पर्यवेक्षक जाकर, प्रत्येक विधायक से मिलेंगे तथा सम्बन्धित जानकारी पार्टी हाईकमान को देंगे। इसके बाद, हाईकमान के निर्देशानुसार, पार्टी नेता की घोषणा कर दी जायेगी।

इस बीच, शिव सेना नेता संजय शिरसत ने कहा है कि उनके नेता तथा निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वे महायुति सरकार के गठन में बाधा नहीं हैं तथा पार्टी की भी कोई माँग नहीं है।

शिन्दे के नज़दीकी साथी शिरसत ने कहा, "सब कुछ इतनी स्पष्टता के साथ कह देने के बाद, मेरे खयाल से उन (शिन्दे) पर आरोप लगाना ठीक नहीं है। वरिष्ठ नेता जो कुछ भी कहेंगे, वह हमें स्वीकार होगा। महायुति में कोई मतभेद नहीं है..मेरे खयाल से, नेताओं एकनाथ शिन्दे, देवेन्द्र फड़नवीस तथा अजित पवार की विभागों के सम्बन्ध में मीटिंग होगी तथा सारी उलझनें दूर हो जायेंगी।"

"एक्स" पर की गई एक पोस्ट में, एकनाथ शिन्दे के पुत्र ने इन अफवाहों का खंडन किया है कि वे नई महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री चुने जा रहे हैं। अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा, "मुझे सत्ता में पद पाने की कोई इच्छा नहीं है। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर दूँ कि मैं राज्य मंत्रिमण्डल के किसी पद की दौड़ में नहीं हूँ।"

अस्वस्थ होने के कारण, थोडे से समय के लिये अपने गृहनगर में ठहरने के बाद, एकनाथ शिन्दे ने कहा कि महायुति के सभी मित्र एक-दूसरे के साथ हैं तथा नये मुख्यमंत्री की घोषणा जल्दी ही हो जायेगी।

उन्होंने कहा, "हमारी सरकार का पिछले ढाई साल का काम इतिहास में याद किया जायेगा। यही कारण है कि लोगों ने हमें जनादेश दिया तथा विपक्ष को नकार दिया, यहाँ तक कि उसे विपक्ष का नेता चुनने का अवसर भी नहीं दिया। महायुति के तीनों दलों के बीच अच्छी समझ-बूझ है।"

लेकिन उनकी पार्टी के विधायकों ने सोमवार को एक बार पुनः यह माँग की कि शिन्दे के नेतृत्व में राज्य में हुये विकास-कार्यों के आधार पर, उन्हें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी को पर्यवेक्षक बनाया गया है, वे सभी विधायकों से व्यक्तिगत रूप से बात करेंगे।
- शिवसेना और एकनाथ शिंदे के करीबी संजय शिरसाट ने साफ कर दिया कि एकनाथ शिंदे सरकार गठन में बाधा नहीं है और उनकी पार्टी की कोई मांग नहीं है।
- असल में शिंदे व उनकी पार्टी को लेकर भारी अटकलें लगाई जा रही हैं पर शिंदे ने अपने गांव से लौटने के बाद स्पष्ट कर दिया कि महायुति पूरी तरह से एक जुट है।
- इधर शिंदे के पुत्र को लेकर भी कई अटकलें चल रही हैं, जिनका उन्होंने खंडन किया और कहा कि वे किसी भी पद की दौड़ में नहीं हैं।

सरकारी कर्मचारी को एक पद पर रहने का अधिकार नहीं

जयपुर, 2 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि सरकारी कर्मचारी को एक ही जगह पद पर बने रहने का अधिकार नहीं होता है। सक्षम अधिकारी नियमों की बिना अवहेलना किए उसका दूसरी जगह तबादला कर सकता है। इसके अलावा, अदालत को प्रशासनिक और जनहित में किए गए तबादला आदेश पर दखल नहीं देना चाहिए, जब तक कि उसमें नियमों की अवहेलना नहीं हुई हो। अदालत ने कहा कि यदि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाईकोर्ट ने कहा, जब तक नियमों की अवहेलना नहीं हो अदालत को तबादला आदेशों में दखल नहीं देना चाहिए।

पहली बार बांग्लादेश के कूटनीतिक संस्थानों पर तोड़फोड़ हुई

शेख हसीना के पलायन के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ लगातार जारी हिंसा पर अब भारत में उत्तेजनात्मक प्रतिक्रिया होने लगी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। बांग्लादेश में हिंदुओं व हिंदुओं के संस्थापनों पर लगातार हो रहे हमलों के निशान भारत के पूर्वी भाग व पूर्वोतर भाग की राजनीति पर भी दिखने लगे हैं। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला के बांग्लादेश कॉउन्सलर ऑफिस पर हमला होना तथा पश्चिम बंगाल के कुछ राजनैतिक घटनाक्रम बांग्लादेश की हिंसा का प्रत्यक्ष परिणाम हैं।

यह एक संकेत है कि भारत और बांग्लादेश के सम्बंधों में भारी बदलाव आ गया है और अगरतला में बांग्लादेश के कार्यालयों पर प्रदर्शनकारियों ने जमकर तोड़फोड़ की।

अगरतला में एक बड़ी भीड़ ने बांग्लादेशी कान्सुलेट पर हमला कर दिया। विदेश मंत्रालय ने तुरंत इस विरोध प्रदर्शन की निंदा की और जब से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश छोड़ा है, वहां हिंदुओं के खिलाफ हिंसा बढ़ गई है, इस पर भारत में भारी गुस्सा है तथा उसी की वजह से यह अगरतला वाली घटना हुई है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ साम्प्रदायिक हिंसा हो रही है।

अभी तक हिंसा बांग्लादेश में ही हो रही थी, भारत में इस पर कोई खास प्रतिक्रिया नहीं देखी गई, खासकर पश्चिम बंगाल में।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी अंतरिम सरकार से कहा कि अपने नागरिकों की सुरक्षा करना उनकी जिम्मेवारी है, पर प.बंगाल में सब कुछ सामान्य था।

पर इस बार त्रिपुरा का रुख अलग था। अगरतला से चलने वाली एक बस पर बांग्लादेश में हमला हुआ और इस घटना की जानकारी मिलने के साथ ही त्रिपुरा में उत्तेजक प्रतिक्रिया हो रही है।

इसके विपरीत, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बहुत हल्की टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि हमलों को अनावश्यक रुप से उछाला जा रहा है। ममता बनर्जी के इस रुख का लक्ष्य सिर्फ अपने वोट बैंक (पश्चिम बंगाल के मुस्लिम) को संतुष्ट रखना है।

उस समय बड़ी अटपटी स्थिति हो गई, जब पश्चिम बंगाल के एक इस्लामिक राजनैतिक दल ने विरोध प्रदर्शन किया और बांग्लादेश में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पूर्वोत्तर के राज्य त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में बांग्लादेशी काउन्सलर ऑफिस पर गुस्साई भीड़ ने हमला किया और भारी तोड़-फोड़ की।
- अगरतला की एक बस पर बांग्लादेश में हुए हमले की खबर ने लोगों में भारी नाराज़गी पैदा कर दी।
- जहां जनता की उत्तेजना बढ़ रही है, वहीं प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया बेहद अटपटी है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा को बढ़ा चढ़ाकर बताया जा रहा है, स्पष्ट है ममता बनर्जी ने बयान अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए दिया था।
- इसके विपरीत प. बंगाल की एक इस्लामिक पार्टी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।
- बांग्लादेश में जब तक अवामी लीग का राज था तब तक कट्टरपंथियों पर अंकुश था पर अब कट्टरपंथी मनमानी कर रहे हैं और अंतरिम सरकार कुछ नहीं कर रही है।

अनूप बरतरिया का गिरफ्तारी वारन्ट जमानती में बदलने से इंकार

जयपुर, 2 दिसंबर। चेक अनादरण मामलों की विशेष अदालत क्रम-8 महानगर प्रथम ने लोन के पेटे जमा कराए गए करीब 2.59 करोड़ रुपए राशि के चेक बाउंस होने के मामले में डब्ल्यू.टी.पी. के प्रबंध निदेशक अनूप बरतरिया, रुचि बरतरिया, विरेन्द्र बरतरिया और सरोजनी बरतरिया के गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अदालत ने कहा कि अदालती आदेश की जानकारी होने के बाद भी चारों आरोपी अदालत में पेश नहीं हुए। गिरफ्तारी वारन्ट जमानती में नहीं बदला जा सकता।

विचार बिन्दु

अज्ञान जैसा शत्रु दूसरा नहीं। –चाणक्य

राजस्थान में निवेश कैसे बढ़े?

प्रत्येक सरकार यह चाहती है कि उसके प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश बढ़ाया जाए ताकि न केवल राज्य को विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को संचालित करने हेतु राजस्व प्राप्त हो अपितु नागरिकों को रोजगार भी मिले । गत कुछ वर्षों से बेरोजगारी चरम पर है, जिसके कारण उद्योगों में निवेश का महत्व पहले की अपेक्षा बढ़ा है ।

निवेश कई प्रकार के हो सकते हैं, जैसे स्थानीय उद्यमियों द्वारा, अन्य राज्यों के निवेशकों द्वारा एवं विदेशी निवेश। जहां विदेशी निवेश को आकर्षित करने का महत्व है वहीं स्थानीय स्तर पर निवेश के द्वारा भी रोजगार की विपुल संभावना बढ़ाई जा सकती है।

राज्य में निवेश को तीव्र गति से बढ़ाने की आवश्यकता को अनुभव करते हुए ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नेतृत्व संभालते ही इस क्षेत्र को अत्यधिक महत्व दिया है। इसी दृष्टिकोण से ''राइजिंग राजस्थान, इन्वेस्टमेंट सम्मिट'' का आयोजन जयपुर में 9 से 11 दिसंबर, 2024 तक किया जा रहा है। इसकी तैयारी के सिलसिले में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के कई दल विभिन्न देशों जैसे जापान, कोरिया, सिंगापुर, यू ए ई, अमेरिका, जर्मनी, इंग्लैंड आदि देशों का दौरा कर चुके हैं। इन्होंने वहां के प्रमुख उद्योगपतियों से चर्चा की। विदेशी निवेश बढ़ाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है। जहां तक निवेश का प्रश्न है, वह विदेश के अलावा, भारत के विभिन्न राज्यों से भी आमंत्रित किया जा सकता है। यह उल्लेखनीय है कि राजस्थान के उद्यमियों ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यहां से निकले हुए प्रमुख उद्योगपतियों में एल एन मित्तल, बिरला, बांगड़, सिंघानिया पिरामल, बजाज सम्मिलित हैं।

निवेश सम्मिट के लिए कुछ दिनों से जयपुर शहर को सजाया जा रहा है। विभिन्न स्थानों पर पौधों के गमले रखे जा रहे हैं। जो अच्छी-खासी सड़के हैं, उन पर भी दोबारा कारपेटिंग किया जा रहा है। सड़क के आसपास के क्षेत्र से अतिक्रमण को हटाया जाकर उन्हें साफ-सुथरा करने का प्रयास किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यह काम विशेषकर उन्हीं स्थानों पर किया जा रहा है, जहां से 'राइजिंग राजस्थान' में भाग लेने वाले विदेशी एवं भारतीय निवेशकों को ले जाया जाएगा। सरकार को यह पता होना चाहिए कि आज के मीडिया के युग में विश्व के किसी भी कोने में रहने वाले व्यक्ति को जयपुर की वास्तविक स्थिति की जानकारी है । इस आलेख में हम यह प्रयास करेंगे कि निवेश के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण मापदंड क्या हैं?

सम्मेलन आयोजित करना और सम्मेलन के दिनों में जयपुर शहर को रंग रोगन कर चमका देने से विदेशी मेहमान, अल्प समय के लिए प्रभावित भले ही हो जाएं, किंतु इससे निवेश नहीं आता है । यदि केवल एम ओ यू करने से राज्य में निवेश आना होता तो अब तक कई सौ लाख करोड़ का निवेश, राजस्थान में हो चुका होता। सरकार को यह जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए कि अब तक हुए निवेश सम्मेलनों में कुल कितनी राशि के एम ओ यू हुए और उनमें से कितने वास्तव में धरातल पर उतरे?

''राइजिंग राजस्थान, इन्वेस्टमेंट सम्मिट'' से पूर्व, देश-विदेश में कई प्री सम्मिट आयोजित हो चुकी हैं जिनमें 5 लाख करोड़ से अधिक के एम ओ यू पहले ही हो चुके हैं। वास्तव में, निवेशकों के साथ किस प्रकार का व्यवहार होता है एवं छोटे-छोटे कार्यों के लिए कितना परेशान होना पड़ता है, उस पर निर्भर करता है कि वे राज्य में निवेश करेंगे अथवा नहीं? इस हेतु वे वर्तमान में कार्यरत उद्यमियों के अनुभव को भी दृष्टिगत रखते हैं। सरकार के विभाग जहां एक और देश-विदेश से नया निवेश आमंत्रित करने के लिए प्रयासरत हैं, वहीं पूर्व में जो निवेशक उद्योग लगा चुके हैं, उनके साथ ''घर की मुर्गी दाल बराबर'' जैसा व्यवहार करते हैं। सरकार को यह समझना होगा कि निवेश चाहे राज्य के अंदर से आए, अन्य राज्यों से अथवा विदेश से, सबके साथ समान रूप से गरिमा पूर्ण व्यवहार होना चाहिए ।

सरकार ने हाल ही में निवेश आकर्षित करने हेतु कई नीतियां जारी की हैं। एक और जहां नए उद्योगों को विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है, वहीं वर्तमान में कार्यरत उद्योगों के लिए भी काम करना, सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता है।

नीतियों में निरंतरता भी, निवेश को आमंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण है। सत्ताधारी दल के बदलने से दीर्घकालीन नीतियों में किसी प्रकार का अंतर न आए, यह सुनिश्चित करना होगा। अन्यथा, निवेशक, निवेश करने के पश्चात, स्वयं को ठगा सा महसूस करेंगे।

राज्य की नौकरशाही को, उद्यमियों के प्रति मित्रवत व्यवहार की संस्कृति अपनाने की जरूरत है। सरकार के सब संबंधित विभागों का एक ही सूत्र वाक्य होना चाहिए, ''अच्छा व्यवहार, तत्पर काम''। उद्यमियों के काम, तत्काल, बिना किसी परेशानी के करने की आवश्यकता है ।

नियमों का सरलीकरण भी किया जाना आवश्यक है। सभी सरकारें, समय-समय पर 'सिंगल विंडो सिस्टम' की बात करती रही हैं, किंतु वास्तविकता में इसे धरातल पर लागू होते हुए बहुत कम ही देखा गया है। सिंगल विंडो का अर्थ ही यह है कि निवेशक को, अलग-अलग सरकारी कार्यालयों में चक्कर नहीं लगाने पड़ें और उनकी ओर से यह काम राज्य सरकार का मनोनीत अधिकारी करे।

सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जयपुर में जिस प्रकार के सुधार कार्य एवं शहर को बेहतर बनाने के कार्य राइजिंग राजस्थान सम्मिट के लिए किए जा रहे हैं, वैसे ही लगातार होते रहें । यदि सम्मिट के बाद पुनः हालात पहले जैसे ही हो जाएं, तो यह निवेशकों के साथ एक प्रकार से धोखा ही होगा और इससे राज्य की छवि पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

इस बार सरकार ने एक अच्छा कदम यह उठाया है कि प्रत्येक देश एवं अन्य प्रदेश से निवेश को आकर्षित करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। इनकी जिम्मेदारी होगी कि वे एम ओ यू करवाने से लेकर संबंधित उद्योग में उत्पादन प्रारंभ होने तक की सारी बाधाओं को दूर करने का कार्य करें। यह अच्छी पहल है । आशा की जानी चाहिए कि अधिकारी गण पूरे मनोयोग से अपने दायित्व को निभाएंगे। इन अधिकारियों की यह भी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे वर्तमान में कार्यरत उद्योगों की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करवाएं।

निवेश इस पर भी निर्भर करता कि राज्य में कानून- व्यवस्था की स्थिति कैसी है एवं 'ईज़ऑफ लिविंग' कितना है ? जयपुर शहर में, यदि कोई पूरा भ्रमण कर ले, तो उसे स्पष्ट हो जाएगा कि सार्वजनिक मार्गों पर विभिन्न प्रकार के अतिक्रमण और अनधिकृत वाहनों के कारण कितनी कठिनाई होती है? जिस प्रकार, विभिन्न क्षेत्रों में गंदगी के देर लगे रहते हैं, उन्हें देखकर कोई भी निवेशक बार-बार राज्य में निवेश करने से पहले सोचेगा । उद्योगों में कार्य करने वाले अधिकारी, कई बार अलग-अलग राज्यों से आते हैं एवं रहने के लिए उपयुक्त वातावरण यदि नहीं पाते हैं, तो वे यहां काम नहीं करना चाहते हैं। उपयुक्त विशेषज्ञों का अभाव निवेशकों को हतोत्साहित करता है ।

सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जयपुर में जिस प्रकार के सुधार कार्य एवं शहर को बेहतर बनाने के कार्य राइजिंग राजस्थान सम्मिट के लिए किए जा रहे हैं, वैसे ही लगातार होते रहें । यदि सम्मिट के बाद पुनः हालात पहले जैसे ही हो जाएं, तो यह निवेशकों के साथ एक प्रकार से धोखा ही होगा और इससे राज्य की छवि पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तत्काल काम करने और अच्छे व्यवहार की संस्कृति ऊपर से लेकर नीचे तक प्रत्येक अधिकारी में परिलक्षित होनी चाहिए । वर्तमान में जो लोग यहां पर उद्योग चला रहे हैं, उनकी समस्याओं का तत्काल निवारण किया जाए तो वे राज्य के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण करने में अपनी महती भूमिका निभा सकते हैं । प्रबंध निदेशक, रीको के रूप में कार्य करते हुए मैंने यह अनुभव किया कि बहुत छोटे-छोटे कामों के लिए यदि अधिकारी, तत्परता से सहयोग करें तो उद्यमी बहुत राहत महसूस करते हैं।

राजस्थान में निवेश लाते समय, इस बात पर भी ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है कि केवल बहुत बड़ी पूंजी के निवेश से ही रोजगार उत्पन्न नहीं होता। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि जितनी भूमि राज्य द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है, उस पर प्रति एकड़ कितना रोजगार उपलब्ध होगा? सबसे प्रमुख समस्या, राज्य के समक्ष बेरोजगारी की है, और उसे दूर करने में वही उद्योग अधिक सहायक सिद्ध हो सकते हैं, जहां पर रोजगार की अधिक संभावनाएं हैं। हजारों करोड़ निवेश करके भी यदि नाम मात्र का रोजगार मिले, तो उससे, निवेश के आंकड़ों में तो वृद्धि हो सकती है, लेकिन इसे रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण नहीं माना जा सकता। एक समीकरण बनाना होगा, जिसमें भूमि, पूंजी एवं रोजगार तीनों अवयवों का ध्यान रखते हुए निर्णय लेना होगा । राज्य को सस्ती भूमि उपलब्ध कराना आवश्यक है। उद्यान लगाने में भूमि की लागत कम होनी चाहिए। उन लोगों को हतोत्साहित करना होगा जो केवल भूमि में निवेश करना चाहते हैं और जिनकी रुचि उद्योग लगाने में नहीं है।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यभार संभालते ही औद्योगीकरण में तेजी लाने के महत्व को समझा है और इस हेतु उन्होंने सघन प्रयास प्रारंभ किए हैं । इन प्रयासों को फलीभूत करने के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि नौकरशाही, उद्योगपतियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए। पत्रावली पर कुछ भी निर्णय लेते समय, यह प्रश्न पूछना, अधिकारियों को छोड़ना पड़ेगा कि ''इससे मुझे क्या लाभ होगा?'' जो अधिकारी इस आधार पर निर्णय लेते हैं, वे प्रकरणों को तब तक लंबित रखते हैं जब तक कि उनसे कोई संपर्क न कर ले और उनकी 'इच्छाओं' की पूर्ति न कर दे। अधिकारियों द्वारा फाइल पर कुछ भी निर्णय लेते समय केवल एक ही प्रश्न पूछा जाना चाहिए कि ''इससे राज्य और राज्य की जनता को किस प्रकार से लाभ मिलेगा?''

जो अधिकारी 'अच्छा व्यवहार, तत्पर काम' के सिद्धांत पर कार्य करते हैं, उन्हें निवेशकों से सार्वजनिक रूप से सराहना मिलती है। इसका अनुभव मैने, स्वयं ने, रीको के प्रबंध निदेशक पद पर 3 वर्ष तक कार्य करते समय किया था। आज भी, मैने जापानी उद्योगों के शीर्ष पदों पर बैठे लोगों तथा स्थानीय उद्योग संघों द्वारा लिखे गए, उन सराहना वाले पत्रों को सम्हाल रखा है, जो उन्होंने बहुत समय से लंबित महत्त्व पूर्ण समस्याओं के तत्काल निस्तारण होने पर लिखे थे।

आशा है, नौकरशाही की सकारात्मक सोच और सहायता करने की मानसिकता से, मुख्यमंत्री जी के प्रयास अवश्य ही फलीभूत होंगे। सरकार से यह भी अपेक्षा है कि वह समय-समय पर एक रिपोर्ट राज्य के समक्ष प्रस्तुत करे कि जितने एम ओ यू हुए, उनमें से कितने वास्तव में धरातल पर उतरे और कितने लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ?

''राइजिंग राजस्थान, इन्वेस्टमेंट सम्मिट'' के सफल आयोजन हेतु राज्य सरकार को शुभकामनाएं। आशा है, इसके परिणाम स्वरुप, राज्य की जनता को दीर्घकालीन लाभ प्राप्त होंगे एवं वे तीव्रता के साथ प्रगति के पथ पर बढ़ सकेंगे। यह संभव है, यदि इस आलेख में दिए गए कुछ सुझावों पर ध्यान दिया जा सके।

–राजेन्द्र भाणावत,
पूर्व आई.ए.एस.
पूर्व प्रबंध निदेशक, रीको

कार्य प्रणाली व निर्णय प्रक्रिया बताती है, सत्ता की आकांक्षी कांग्रेस गलतियों से कुछ सीखना चाहती नहीं– (भाग–1)

महावीर सिंह

13 से 15 मई 2022 तक, कांग्रेस नें एक बड़ा चिंतन कार्यक्रम उदयपुर में रखा था। उस चिंतन में निकली चिंताओं व आगे के रॉड मैप के बारे में काफी चर्चाएं हुई।

इसी प्रकार से 2022 में राहुल गांधी नें भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी । इस पर भी खूब चर्चाएं हुई।

इन दोनों ही घटनाक्रमों के सम्बंध में 12मई 2022 व 16 दिसम्बर 2022 के राष्ट्रदूत में इस लेखक के दो लेख छपे थे। इन लेखों के कुछ अंश, कांग्रेस की स्थिति के सम्बंध में आज भी उतने ही प्रसांगिक है।

(12 मई 2022 के राष्ट्रदुत में प्रकाशित---कांग्रेस का चिंताओं पर चिंतन-नव संकल्प शिविर) लेख के कुछ अंश:–

13 से 15 मई को भारत की ग्रन्डओल्ड पार्टी का एक चिंतन शिविर, राजस्थान के सुंदर शहर उदयपुर में आयोजित होगा, जिसमें देश भर के 500 के करीब बड़े कांग्रेसी नेता भाग लेंगे।

---राज व्यवस्था की लोकतांत्रिक प्रणाली में सत्ता पक्ष के साथ साथ एक मजबूत विपक्ष होना चाहिए,तभी सरकारों की मनमानियों, गलत जन विरोधी नीतियों पर अंकुश लगने की संभावनाएं बनती हैं। लोकतंत्र की मूल अवधारणाओं में विश्वास करने वाले सत्ता पक्ष के भी बहुत से बड़े नेता मानते है कि एक सशक्त विपक्ष बहुत आवश्यक है किंतु यह काम सत्ता पक्ष को तो नहीं करना है न?

---वर्तमान में विपक्ष, बिना समन्वय के एक पूर्णत: निष्क्रिय, कांतिविहीन, दिशाविहीन जमावड़ा सा लगता है-- स्वर्गीय राजीव गांधी व कांग्रेस के प्रयासों से संवैधानिक संसोधनों के जरिये सत्ता नीचे गांवों, पँचायत समितियों-मंडलों, जिला परिषदों, स्थानीय निकायों तक पहुंचाने का रास्ता खुला।-- राज्यों में बड़े मठाधीस नेता इस प्रयास को पूर्ण रूप से सफल नहीं होने दे रहे।--

--- स्वतंत्रता आंदोलन के समय के बड़े नेताओं ने अपने कथनी और करनी से लोगों को हर प्रकार से विश्वास दिलाया कि सरकार उनकी है और उनके लिए है।

--- कांग्रेस नें अनेक क्रांतिकारी, जन हितकारी नीतिया अपनायी और जनता नें उन पर विश्वास किया और लंबे समय तक कांग्रेस देश को चलाने का दायित्व सौंपा

---राजस्थान की बात करें तो-- जागीरों की समाप्ति, --कृषि कार्य कर रहे थे उन्हें खातेदार मालिक बना दिया। एस सी,एस टी के-, गरीबों के- - उत्थान की नीतियां, कार्यक्रम व कानून बनाये।-- न्यूनतम आवश्यकताओं-रोटी, कपड़ा और मकान- को केंद्र में रख कर मिनिमम नीड प्रोग्राम-- -सिंचाई-सड़क-कृषि विकास-विद्युत परियोजनाएं बनाई, पूर्ण की, उद्योगीकरण की मजबूत नीव रखी, डेजर्ट डेवलोपमेन्ट, एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम के चलाए। बैंकों से ग्रामीणों को -- आवश्यकताओं के लिए ऋण उपलब्धता बढ़ी। बंधक श्रमिक उन्मुक्ति-कृषि जोतों पर सीलिंग के तथा शिक्षा का-सूचना का- खाद्य सुरक्षा के अधिकार-मनरेगा कानून बनाये और लागू किये। यह कांग्रेस राज के बिखरे हुए बेनेफिसियरी ग्रुप थे।

---किन्तु कांग्रेस नें बड़ी गलतियां भी की, जनता नें सजा दी, पुनः सत्ता भी दी। कांग्रेस नें पुन: कुछ गम्भीर गलतिया की और उनकी जो सजा जनता ने दी, वह अभी कांग्रेस भुगत रही है। 2014 से कांग्रेस केंद्र की सत्ता से बाहर है और राज्यों में भी जनाधार लगातार सिकुड़ रहा है। --भाजपा नें चतुराई से बड़े भिन्न लाभार्थी ग्रुप बना दिये, यह उसके नेतृत्व कुशलता का प्रतीक है। --

कांग्रेस एक राजनीतिक दल है। वर्तमानं में वह विपक्ष का दायित्व निभाये। सत्ता प्राप्ति के लिए जनता के समक्ष, गांव-मोहल्ले तक अपनी नीतियां, कार्यक्रम पहुंचाये।

(क्या ऐसा होता दिख रहा है??

----कांग्रेस की सबसे बड़ी कमी थी कि उसने अपनी योजनाओं, कार्यक्रमों, कानूनों का प्रचार-प्रसार व सही क्रियान्वयन नहीं किया और उनका यथोचित श्रेय नहीं ले पाई।

----वर्तमानं सत्ता पक्ष जिस सिद्धत से अपने कार्यक्रमों के सम्बंध में ऐसा करता है, कांग्रेस या अन्य दलों को सीखना चाहिए।

---कांग्रेस को-- हमें न सिखाये, हमे उनसे सीखने की जरूरत नही -की मनसिकता को त्यागने की आवश्यकता है।

---कांग्रेस को जनता को यह बताना, समझना होगा कि कांग्रेस सत्ता पक्ष से ज्यादा अच्छे प्रकार से जनता की कठीनाइयों को समझती है और समाधान की बेहतर योजनाएं, कार्क्रम चलाएगी।

---जनता उस पर क्यों, कैसे विश्वास करे?? इसके लिए कांग्रेस के नेता अपने अचार-व्यवहार से, अहंकार त्याग कर-राजशाही लाइफ स्टाइल छोड़ कर और जनता के मध्य जाकर, छोटी-छोटी सभाएं, संगोष्टियाँ कर, समझाइस कर जनता के गले यह बात उतारें।

---कुछ ऐसे ही उदाहरण दिए जा रहे, जिन पर स्पष्ट नीतियों, कमिटमेंट की आवश्यकता हैं: अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली फसलों से हटा कर कृषि का विविधि करण और किसान द्वारा उसे अपनाए जाने पर कुछ समय के लिए उन्हें होने वाले नुकसान की भरपाई की नीति, एमएसपी को विधिक अधिकार बनाने और क्रियान्वयन।

गत 20 वर्षों में एमएसपी नहीं मिलने से देश के किसानों को लगभग 45 लाख करोड़ रु का नुकसान हुआ है । इस कारण उन पर कर्जा बढ़ा है, इसके सम्बन्ध में स्पष्ट नीति किसानों को बताएं--कृषि इनपुट्स की कोस्ट्स का, कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स की तरह त्रैमासिक आधार प्राकलन व तदनुसार एमएसपी का रेगुलर पुनरावलोकन--

कृषि बीमा योजना की समीक्षा, सरलीकरण --

सेटेलाइट इमेजरीज के आधार पर त्वरित आकलन व भुगतान

श्रमिक कल्याण व सामाजिक सुरक्षा नीतियां

राजकीय उपक्रमों में भले ही सरकारी शेयर होल्डिंग कम करके उन्हें चलाने का दायित्व प्राइवेट हाथों में दे दे किन्तु उनकी स्थायी भूसंपदा पर 100 प्रतिशत स्वामित्व सरकारी रहे,

सेनाओं और अन्य शस्त्र बलों की भूमियों का, निजी व्यवसायिक, आवासीय, उद्योगिक कार्यों हेतु उपयोग निषेध हो।

सेनाओं में भर्ती प्रक्रिया यथावत जारी रखी जाए---लघु उद्योगों के सम्बंध में नीति--

लीनियर प्रोजेक्ट्स को छोड़कर यदि, राज्य प्राइवेट कंपनियों के लिए भूमि अधिग्रहण करे तो भूमिधारकों की मांग पर मुआवजे के नकद भुगतान की एवज में मुआवजे की कुछ हिस्से के मूल मूल्य पर कम्पनी शेयर प्राप्त करने का हक--

न्यायिक प्रक्रियों में सुधार-निर्णयों में तीव्रता, आस्था के आधार पर न्यायिक निर्णयों पर रोक के लिए संवैधानिक संसोधन हो।

जिन आपराधिक विचाराधीन मामलों में 2,4,5 साल की अधिकतम सजा का प्रावधान हो तथा बंदी आधी सजा भुगत चुके उन्हें रिहा करने व अन्य प्रकार से जेलों की दशा सुधारने के सम्बंध मे --बिना कारण बताए, निर्दोष सिद्ध करने का दायित्व निरुद्ध व्यक्ति पर डालने के अनेक केंद्रीय, राज्यों के कानून बना रखे है, बहुत से निर्दिषों को सालों निरुद्ध रखा जाता है

--एक न्यायोचित केंद्रीय कानून बने जिसमें आतंकी, राष्ट्र सुरक्षा के विरुद्ध गतिविधियों व गैंगस्टर्स की असामाजिक गतिविधियों पर रोक भी लगे और त्वरित जांच, फैसले भी हों।

--नई शिक्षा नीति की समीक्षा कर सुधार--स्वास्थ्य का मूल अधिकार-- मंहगाई पर नियंत्रण की नीति--पेट्रोल, डीजल, गैस, शराब व अन्य आइटम्स को जीएसटी के अंतर्गत लाने-- जलवायु परिवर्तन पर सुधारों सम्बन्धी एकीकृत नीति--

सवैधानिक संस्थओं व राष्ट्रीय स्तर की कानून-व्यवस्था -अपराधों की जांच एजेंसीज के जीरो दुरुपयोग की जनता द्वारा विश्वास करने योग्य नीति-

पुलिस रिफॉर्म्स के जरिये पुलिस पर से राजनीतिक नेताओं का शिकंजा समाप्त करने (तेरी पुलिस-मेरी पुलिस का खेल समाप्त हो)।

--धार्मिक स्थलों तथा विभिन्न प्रकार के धार्मिक, सामाजिक जुलूसों सार्वजनिक स्थलों पर करने के सम्बंध में समान-स्पष्ट नीति--यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड पर सार्वजनिक बहस चालू करवा दी गई है, कांग्रेस को उस पर भी अपनी समन्वित नीति साफ करनी होगी--लोककपाल संस्था को सशक्त करने--भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस--कुछ उदाहरण प्रस्तुत कर जिस से जनता विश्वास करे --धंदे के लिए राजनीति करने वालों से पीछा छुड़ाओ-महिलाओं को निर्वाचन वाली संस्थाओं और सरकारी नोकरियों में 50 प्रतिशत आरक्षण

--मध्यम जातियां---:: किसी समय यह कांग्रेस की रीढ़ हुआ करती थी किन्तु कांग्रेस में निहित स्वार्थियों नें इन जातियों को सत्ता में सम्मानपूर्ण भागीदारी नही दी और शनैः शनैः यह जातीयां कांग्रेस से विमुख हो गई। यूपी में चौधरी चरण सिंह के कांग्रेस छोड़ने के उपरांत व जिसकी जितनी भागीदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी तथा वोट हमारा राज तुम्हारा नहीं चलेगा के नारे जनता के मानस पर छा गए और उतरी भारत में कांग्रेस का पतन प्रारम्भ हो गया।

इन जातियों को, राज में पर्याप्त-सम्मान पूर्ण भागीदारी के, केवल सिबोलिज्म के आधार पर कोई पार्टी, अब अपने साथ नही रख सकती।

ऐसी ही गलतियां अब भी दोहराई जा रही है। जिन जातीयों का विधान सभा में 0.5 प्रतिशत से 5,7 प्रतिशत तक ही प्रतिनिधित्व सत्ता पक्ष में हो उसको 100 प्रतिशत सत्ता कैसे?

मीडिया प्रबन्धन:-

कांग्रेस के लिए यह उसके हित में होगा कि विशुद्ध धार्मिक मुद्दों पर व विशिष्ट प्रायोजित नैरेटिव्स पर बहसों नें भाग नही ले। आज अधिसंख्य मीडिया पर्चेजेबल, मैनेजेबल है, जहां लाभ दिखेगा, उनकी बात की बीन बजाएगा।

बहुत से अन्य मुद्दों पर भी, कई बार ऐसा प्रतीत होता है, जैसे कि सत्ता पक्ष द्वारा बिछाई चौसर पर, कांग्रेस उनके ही चक्रव्यूह में नादानी से फंसती है।

इन सब व अन्य जनता से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस की क्या नीतियां है, किसी भी स्वघोषित बड़े नेता को बोलते सुना? कांग्रेस को यह भ्रम छोड़ देना चाहये कि जनता उन्हें बाई डिफ़ॉल्ट सत्ता सौंप देगी।

ऐसा नहीं होगा क्योंकि सत्ता पक्ष के शीर्ष नेतृत्व का प्रबंधन ऐसा है कि इसकी योजनाओं के प्रचार-प्रसार व क्रियान्वयन से जनता सन्तुष्ट दिखती है और अभी तक उस पर सीधे सीधे भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे हैं। इसके अतिरिक्त सत्ता पक्ष का शीर्ष नेतृत्व गली-मौहल्लों, छोटे कस्बों से आया है, उनमें आम आदमी से जुड़ने की अदभुत क्षमता है और हाल फिलहाल विपक्ष के पास इसका तोड़ नहीं।

मोदी जी तो किसी भी सभा में खड़े होकर एक्सटेम्पोर 10,20 उपस्थितों के नाम गिना कर सीधे जन समूह से जुड़ जाते हैं, कांग्रेस में किस नेता में यह क्षमता है???

वर्तमानं में सत्ता पक्ष नें धर्म आधारित विभाजनकारी नैरेटिव्स चला रखे है, उनकी स्टीम कम होने में समय लगेगा बशर्ते भाजपा चल कर कोई बहुत बड़ी गलती न करे। इस दौरान कांग्रेस को उस से जुड़े आम आदमीयों को जोड़े रखने होगा।

कांग्रेस 5,7 साल में एक आधी बार नुमाइसी चिन्तन शिविर न करके, वर्ष भर बूथ से लेकर उपर तक सभाएं, संगोष्टियाँ करे, विचार-विमर्श करे, आवश्यकता के अनुसार नीतियों में परिवर्तन-संशोधन करे, नई नीतिया बनाये। नीति-, कार्यक्रम बनाने का अधिकार जनाधारविहीन नेताओं का विशेषधिकार न हो।

सदस्यता लेने की प्रक्रिया सतत रूप से चालू रखे, जो 3-4 साल तक लगातार सदस्य रहे उसे सक्रिय सदस्यता का एसईसीसी का कार्ड दें, 8-10 साल के सक्रिय सभी सदस्यों को राज्य स्तरीय कमेटी का सदस्य बनाया जाए। वर्तमानं में चलने वाली मेरे सदस्य-तेरे सदस्य और कुछ नेताओं के कहने मात्र से ब्लॉक जिला, प्रदेश पदाधिकारी नियुक्त करने की परिपाटी पर पुनर्विचार करे। एक निश्चित समयावधि तक सक्रिय सदस्य रहने वालों को ही पदाधिकारी बनाए।वर्तमानं में डिजिटल युग में इस प्रकार का डेटा संधारण व उसका समुचित उपयोग सम्भव है। कांग्रेस हर स्तर पर अपने संगठन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाये, 50 प्रतिशत की ओर ले जाती दिखे।

कांग्रेस को विचारों के आदान-प्रदान का खुला मंच बनाएं। बुनियादी मुद्दों पर, संयमित भाषा में विचार प्रगट करने को नेतृत्व की आलोचना नहीं मानी जाए और कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही न हो।

कांग्रेस अपनी वर्किंग कमेटी को विस्तृत करे, उसमें समाज के विभिन्न वर्गों यथा लेखक, कलाकार, वकील, वरिष्ठ नागरिक, डॉक्टर्स, इंजिनीयर्स, वैज्ञानिक, विभिन्न समदायों के लोगों को शामिल करें। इसकी यदा-कदा बैठके न करके, नीति निर्माण -सतत समीक्षा की सक्रिय सर्वोच्च संस्था बनाये।

----अगर दूसरी पार्टियों नीतियां कार्यक्रम अच्छे है, उन का संगठन सक्रिय, मजबूत है तो कांग्रेस उनसे कुछ सीख ले-हमे सीखने की जरूरत नहीं, यह एटीट्ययूड नहीं होना चाहिए। किसी पार्टी की ताकत उसके ग्राम-,मोहल्ले स्तर के कार्यकर्ता है। उन्हें सम्मान दें।

भजपा का तो बुथ स्तर तक संगठन सक्रिय है, कांग्रेस का बूथ स्तर पर है कोई संगठन? कार्यकर्ताओं को सुनना, सम्मान देना, उनके काम करना, यह तो, अब कांठोस के अहंकारी नेताओं को भाजपा से सीखना ही पड़ेगा।??

12 मई के लेख में जो बिन्दु उठाए थे, उस दिशा में से शायद ही किसी पर कोई कार्यवाही हुई हो। आज भी अधिकांस बूथों पर कांग्रेस का मजबूत संगठन नही। ब्लॉक, जिला, राज्य स्तर पर स्थापित नेताओं के मरजिदनों के अलावा, ऊर्जावान, निष्ठावान कार्यकर्ताओं को जगह नहीं मिलती। एक परिवार एक पद का सिद्धांत दिखावा मात्र। कांग्रेस गांव, मोहल्ला, ब्लॉक, जिला स्तर पर जन हित के मुद्दों पर कोई बड़ा आंदोलन करती दिखी नहीं। खानापूर्ति के लिए जिला स्तर पर या राजधानियों में यदाकदा 100, 50 आदमियों को झुंड में देखा जा सकता है। केवल सोशल मीडिया व चुनाव घोषणा पत्रों से आम आदमी को प्रभावित नहीं किया जा सकता।

क्रमशः----

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

डी.एल.एड. प्रथम वर्ष का रिजल्ट 15 दिसम्बर तक आने की उम्मीद

बीकानेर, (निसं)। राज्य के 377 डीएलएड कॉलेजों में पढ़ने वाले 25 हजार अभ्यर्थियों की प्रथम वर्ष की परीक्षाएं 30 नवंबर को खत्म हो चुकी है। परीक्षा खत्म होने के साथ ही पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर ने रिजल्ट जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है। उम्मीद है दिसंबर के दूसरे सप्ताह तक डीएलएड प्रथम वर्ष के अभ्यर्थियों की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। 25 हजार अभ्यर्थियों की कॉपियां जांचने के लिए शिक्षा विभाग ने परीक्षकों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

डीएलएड प्रथम वर्ष के क्रियात्मक एवं सैद्धांतिक परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए शिक्षा विभाग ने एनसीटीई की मान्यता के अनुसार योग्यताधारी पात्र परीक्षकों से 4 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। सरकारी और निजी डीएलएड कॉलेजों में कार्यरत एमएड व एमए इन एजुकेशन योग्यताधारी शिक्षक रजिस्ट्रेशन के लिए पात्र होंगे। इन संस्थाओं से रिटायर्ड शिक्षक भी आवेदन कर सकेंगे। वहीं डीएलएड प्रथम वर्ष के उत्तीर्ण अभ्यर्थी रीट पात्रता परीक्षा में ऑनलाइन आवेदन करने के पात्र होंगे।

राजस्थान की बेटियों ने शूटिंग बॉल में इतिहास रचा

भीलवाड़ा, (निसं)। शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले 43वीं राष्ट्रीय सब जूनियर नेशनल शूंटिंगबॉल चैंपियनशिप बालिका वर्ग अंडर-17 बोधगया बिहार में आयोजित की गई, जिसमें राजस्थान की बेटियों ने रजत पदक अपने नाम किया। वहीं बालक वर्ग में राजस्थान चौथे पायदान पर रही। शूटिंग बॉल संघ के महासचिव ओपी माचरा, संरक्षक शिवराज सिंह, जयपुर संघ के सचिव संग्राम सिंह ओ पी ओबेरॉय ने खुशी जताई। जिला शूटिंग बॉल संघ भीलवाड़ा के अध्यक्ष मुकेश शर्मा सचिव परमवीर सिंह बल्ला ने बताया कि संघ के पदाधिकारी श्रवण खटीक, अर्जुन रेगर, अविनाश खटीक, हनुमान सिंह गोखरू, रोहित, दिनेश, विजय धाबाई, लक्ष्मण, राजेंद्र आदि ने टीम कोच, मैनेजर और सभी को बधाई प्रेषित की।

राशिफल मंगलवार 3 दिसम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र सायं 4:42 तक, शूल योग दिन 3:08 तक, कौलव करण दिन 1:10 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सायं 4:42 से आरम्भ होगा। आज से जमादि-उलमानि मु.मास 6 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:40 से 10:58 तक, लाभ-अमृत 10:58 से 1:35 तक, शुभ 2:53 से 4:11 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:04, सूर्यास्त 5:29

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा सफल रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कन्या
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

संक्षिप्त

श्रीमद् भागवत कथा पांचवें दिन जारी

नागौर। संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान, अमरपुरा नागौर के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा व नानी बाई का मायरा पांचवें दिवस पर भी जारी रहा। प्रीतम दास जी महाराज का रामद्वारा मेड़ता रोड के रामस्नेही संत गोवर्धन दास महाराज के मुखारविंद से इस कथा श्रवण का लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। भव्य स्मारक व देव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के आठवें पाटोसव पर यह कार्यक्रम किया जा रहा है।अपने मुखारविंद से महाराज श्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में खाना नहीं भोजन प्रसाद होता है। कोई भी पदार्थ भगवान के चढ़ने पर प्रसाद बन जाता है। यदि आप किसी कार्यक्रम में भोजन प्रसाद करने जाएं तो कभी यह नहीं बोले कि खाना खाने गए हैं। खाना शब्द का मतलब नॉनवेज खाना होता है। उसकी जगह भोजन प्रसाद या प्रीतिभोज आदि शब्दों का प्रयोग करना चाहिए। घर में भी भोजन करने से पहले गौमाता व भगवान को भोग लगाकर ही उसको ग्रहण करना चाहिए।

मंडी टैक्स लगाने का विरोध

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। प्रदेश दाल मिल महासंघ समिति के आ ान पर आयातित माल पर मंडी टैक्स लगाने के विरोध स्वरूप किशनगढ़ कृषि उपज मंडी में 4 दिसंबर को सांकेतिक हड़ताल का निर्णय लिया। इस संबंध में तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर बाहर से आने वाले माल पर 1.6 प्रतिशत मंडी टैक्स व. 50 कृषक कल्याण फीस हटाने की मांग की है। दाल मिल महासंघ प्रदेशाध्यक्ष विमल बड़जात्या ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा टैक्स लगाने से दाल मिल उद्योग पर संकट के बादल मंडराने लगे है। व्यापारियों ने इसका पुरजोर तरीके से विरोध कर राहत की मांग की है। राहत नहीं मिलने पर प्रदेश दाल मिल महासंघ समिति के बैनर चले 4 दिसंबर को सांकेतिक हड़ताल का निर्णय लिया गया। हड़ताल से मंडी में नीलामी कार्य भी नहीं होगा। शिष्टमंडल में प्रांतीय अध्यक्ष विमल बड़जात्या, सुभाष मित्तल, नंदू राठी, रवि शर्मा, संजय छापरवाल, कमल गोधा, महेंद्र सिंघवी, महेश माहेश्वरी, घनश्याम साहू सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

समूह नृत्य से बांधा समा

ब्यावर (निसं) श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु चल रहे ''झंकार'' कार्यक्रम के अन्तर्गत आज पांचवें दिन प्राचार्य डॉ. आर.सी.लोढ़ा के निर्देशन में एकल गायन, समूह गायन व समूह नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें छात्राओं द्वारा मीरां बाई के भजन, राजस्थानी लोक गीतों सहित विभिन्न प्रकार के गानों की प्रस्तुतियां दी गई ।समूह नृत्य प्रतियोगिता में छात्राओं ने धूम मचाते हुए जोधा अकबर, महिषासुर वध, चरी नृत्य, राजस्थानी लोक नृत्य एवं भारत की विविधता में एकता का रंग भरते हुए विभिन्न राज्यों की नृत्यशैलियों को शामिल करते हुए भारतीय सांस्कृतिक परम्परा को जीवंत किया ।अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि - एकल गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पिंका रावत द्वितीय स्थान पर अश्विता पारीक़, तन्वी अठावाल, शिम्पी साहू तथा तृतीय स्थान पर सेजल भट्ट, सुगना रावत रही ।समूह गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रेशमा कुमावत एवं समूह, द्वितीय स्थान पर दो समूह क्रमशः संजना गुप्ता एवं समूह, तन्वी अठावाल एवं समूह तथा तृतीय स्थान पर किरण वैष्णव एवं समूह रही ।समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर खुशी बिहानी एवं समूह. द्वितीय स्थान पर किरण वैष्णव एवं समूह तथा तृतीय स्थान पर ज्योति एवं समूह रही ।आज की प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका मोहित पाराशर, अनुसूर्या पंवार, माधुरी शर्मा एवं विधि त्रिपाठी ने निभाई ।

बैठक में दिए निर्देश

नागौर । वर्तमान राज्य सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर नागौर में आगामी 12 से 15 दिसम्बर तक विभिन्न आयोजन होंगे। इसकी तैयारियां व्यापक स्तर पर जारी हैं। जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने सोमवार को जिलास्तरीय अधिकारियों की बैठक में इस चार दिवसीय आयोजन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए और इन्हें आशातीत सफल बनाने के लिए हर स्तर पर बेहतर तैयारियां पर जोर दिया।। जिला कलक्टर ने जिलाधिकारियों तथा कार्यक्रम के नोडल अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए समीक्षा की।

समायोजित शिक्षकों ने की पुरानी पेंशन की मांग , कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

राजस्थान समायोजित शिक्षाकर्मी संघ ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

- राज्य सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में दायर एसएलपी को भी 13 सितम्बर 2018 को निरस्त कर दिया गया था।

अजमेर (कासं)। राजस्थान स्वैच्छा ग्रामीण शिक्षा सेवा नियम 2010 के अंतर्गत समायोजित शिक्षकों ने सोमवार को जिला कलेक्टर लोक बंधु को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंप कर प्रथम नियुक्ति तिथि से पुरानी पेंशन की मांग की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर खंडपीठ ने आदेश भी जारी किए हैं। राजस्थान समायोजित शिक्षाकर्मी संघ, राजस्थान के प्रांतीय प्रवक्ता नवीन कुमार शर्मा ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय की जोधपुर खंडपीठ ने 1 फरवरी 2018 को आदेश पारित किया था कि इन शिक्षकों को 2004 से पहले नियुक्त कर्मचारी मानते हुए पुरानी पेंशन दी जाए।

राज्य सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में दायर एसएलपी को भी 13 सितम्बर 2018 को निरस्त कर दिया गया था। इसके बावजूद शिक्षकों को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है। शिक्षकों का कहना है कि वे 2005 से पहले नियुक्त किए गए हैं और उन्हें पुरानी पेंशन मिलनी चाहिए। राज्य सरकार ने 2005 के बाद नियुक्त सेवाकर्मियों पर भी पुरानी पेंशन लागू कर दी है, लेकिन इन शिक्षकों को अभी तक इसका लाभ नहीं मिल पाया है। ज्ञापन में मांग की गई है कि मुख्यमंत्री राज्य के लोक कल्याणकारी नीति के अंतर्गत समायोजित शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ देने के आदेश जल्द से जल्द जारी करें। शर्मा ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में समायोजित शिक्षाकर्मियों को पूर्ववर्ती अनुदानित शिक्षण संस्थाओं से प्राप्त भविष्य निधि की राशि प्राप्ति तिथि से 6 प्रतिशत ब्याज के साथ जमा करने के आदेश भी दिए हैं। उन्होंने मांग की कि इस निर्णय को जल्द लागू किया जाए ताकि सीनियर सिटीजन शिक्षकों को न्याय मिल सके।

चुनाव को लेकर यूनियनों के पदाधिकारिों ने अपनी-अपनी रणनीति तय कर दी है

फाउण्डेशन ने भेंट किए छह हीटर

नागौर। सेवन डोर फाउण्डेशन की ओर से की जा रही समाजसेवा के क्षेत्र में एक और अध्याय जोड़ा गया है। संस्थान की ओर से सोमवार को सेठ श्री वल्लभ रामदेव पित्ती, पुराना अस्पताल परिसर में स्थित राजकीय मातृ एवं शिशु केन्द्र में नागौर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगलकिशोर सैनी के सानिध्य में चिकित्सा अधिकारी को छह हीटर भेंट किए गये। राजकीय मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र के लिए यह हीटर संस्थान के चेयरमैन सुखदेव मनिहार व अध्यक्ष रामधन सुथार ने भेंट किए। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी ने कहा कि मरीजों के लिए सेवा सबसे बड़ा पुण्य है।

उन्होंने सेवन डोर फाउण्डेशन की ओर से समाजसेवा के क्षेत्र में जरूरतमंदों को भोजन खिलाने, वस्त्र व जूत इत्यादि मुहैया करवाने जैसे किए जा रहे कार्यों की सराहना की। डॉ. सैनी ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र के वार्ड में हीटर लगने से यहां उपचार के लिए भर्ती होने वाली महिलाओं को राहत मिलेगी।

सार-समाचार

10 लाख की आर्थिक मदद की

भीलवाड़ा। स्थानीय सांगानेरी गेट पर निर्माणाधीन दाई हलीमा हॉस्पिटल के तामीरी काम के लिए शास्त्री नगर निवासी मरहूम एफ.एम. शेख के पुत्र मोहम्मद एजाज शेख ने रविवार को अपने परिवार सहित अस्पताल के निर्माण कार्य का जायजा लिया और अपने मरहूम वालिदे मोहतरम फकीर मोहम्मद शेख मरहूम वालिदा सबीहा शेख, मरहूम मनकद हुसैन उर्फ असद और मरहूम मुज्जकिर हुसैन उर्फ गुड्डू के इसाले सवाब (पुण्य प्रताप) के लिए 10 लाख रुपए की आर्थिक मदद प्रदान की है, शेख परिवार के इस योगदान पर हॉस्पिटल ट्रस्ट की ओर से एजाज शेख , लतीफ शेख को साफा, शाल और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया।उल्लेखनीय है कि एजाज शेख हिंदुस्तान जिंक आगूचा के असिस्टेंट फोरमैन के पद से कल ही रिटायर्ड हुए हैं और आज उन्होंने मानवीय दृष्टिकोण से अपने मरहूम माता-पिता के नाम को चिकित्सा की सेवा से जोड़ते हुए दाई हलीमा हॉस्पिटल को 10 लाख रू की इमदाद की है, उनके साथ आए खनिज विभाग उदयपुर के रिटायर्ड डिप्टी डायरेक्टर अब्दुल लतीफ शेख ने अस्पताल के निर्माण कार्य की जमकर तारीफ की और भीलवाड़ा में बन रहे इस हॉस्पिटल को पूरे राजस्थान के लिए बेमिसाल बताया , शेख परिवार ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और ट्रस्ट की कार्य योजना पर खुशी भी जाहिर की। इस मौके पर शेख परिवार के प्रमुख सदस्य अशफाक शेख, नीमच से आए नासिर खान, पुत्र मोहम्मद शादाब डबोक एयरपोर्ट पर मैनेजर ऑपरेशन के पद पर कार्यरत पुत्रवधू जैबा शेख के साथ हॉस्पिटल ट्रस्ट के चेयरमैन मोहम्मद रफीक अंसारी, वाइस चेयरमैन अब्बास अली बोहरा, सेक्रेटरी मोहम्मद असलम, जॉइंट सेक्रेटरी अरविंद मसीह, ट्रस्टी एवं सलाहकार शब्बीर अहमद शेख, पत्रकार शहजाद खान, मुकीम खान आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

चुनाव की रणनीति तय की

अजमेर (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे कर्मचारी संघ ने 4 व 5 दिसंबर को होने वाले चुनाव को लेकर यूनियनों के पदाधिकारिों ने अपनी-अपनी रणनीति तय कर दी है। सोमवार को आयोजित पत्रकारों वार्ता में संघ के कारखाना मंडल मंत्री तरुण वर्मा और शशि महावर ने बताया कि करीब 11 साल बाद हो रहे हैं। इस चुनाव में संघ ने रेलवे कर्मियों के हित में कई मुद्दे उठाए हैं। रेलवे कर्मचारी संघ का सबसे बड़ा मुद्दा रेलवे कर्मचारियों को ओपीएस का लाभ दिलाना है। उन्होंने कहा कि पदोन्नति, कारखाना समय, डीए सहित अन्य मुद्दों को लेकर चुनाव में उतर रहे है। संघ के नेताओं का आरोप है कि दोनों मान्यता प्राप्त संगठनों ने कर्मचारी हित में कोई कार्य नहीं किया है। इस मौके पर संजय काकड़ा, निरंजन वर्मा, प्रवीण यादव, चन्दन सिंह, मुकेश सिंह रावत, करण सिंह यादव मौजूद रहे।

पशु परिचर परीक्षा के जिले के 23 केंद्र बनाये

भीलवाड़ा। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित पशु परिचर में सीधी भर्ती परीक्षा 3 दिन में 6 पारियों में आयोजित की जा रही है जिसके जिले में 23 सेंटर बनाए गए हैं । परीक्षा के सभी केंद्र शहर में ही स्थित है प्रतिदिन दो पारियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी । सुबह कुल 7176 परीक्षार्थी ओर दिन में 7192 ने परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं दोनों पारियों में जिले के 14368 परीक्षार्थी भाग ले रहे हे। परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों के साथ पूरी चेकिंग ओर राज्य सरकार से मिली गाइड लाइन के अनुरूप परीक्षा प्रभारियों द्वारा पूरी मुस्तैदी के साथ नियम की पालना की जा रही हे सभी छात्र छात्राओं को गाइड लाइन के साथ सेंटर में प्रवेश दिया जा रहा है ।

सेंदरिया बाई पास की सडक़ बनी हादसों का सबब

अजमेर (कासं)। सेंदरिया बाई पास पर टाइल्स से भरी ट्रेक्टर ट्रॉली पटल गई। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ हैजानकारी के अनुसार हाईवे ओथरिटी द्वारा सर्विस रोड़ निर्माण का कार्य चल रहा है। सम्पर्क सडक़ की ओर हाईवे के बीच अधिक चढ़ाई होने से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व सरपंच घनश्याम जांगिड़ ने दस दिन पहले परियोजना अधिकारी गौरव ठाकुर अवगत कराते हुए कहा गया था कि संपर्क सडक़ की ढलान तकनीकी रूप से सही नहीं होने से आए दिन हादसे हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि सडक़ के मोड़ पर बिजली का ट्रांसफार्मर लगा होने से बड़े हादसे ही आशंका बनी हुई है। टाटा पावर के अधिकारियों को मौके पर बुलाया तो उन्होंने कहा कि की ट्रासंफार्मर शिफ्टिंग के डिमांड नोट की बात कही। इस पर संबंधित फर्म के अधिकारियों को जानकारी दी गई।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज में जागरूकता रैली का आयोजन

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एड्स जागरूकता रैली का आयोजन हुआ।

- 500 से अधिक मेडिकल स्टाफ ने लिया हिस्सा

अजमेर, (कासं)। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज के तत्वावधान में सोमवार को एड्स जागरूकता रैली का आयोजन हुआ। रैली में जेएलएन मेडिकल कॉलेज सहित जेएलएन अस्पताल के नर्सिंग कर्मियों के साथ अन्य स्टाफ व कर्मचारियों ने भाग लिया। रैली का मुख्य उद्देश्य जन जागरूकता फैलाना और आमजन को एचआईवी से सतर्क रहने का संदेश देना रहा।जेएलएन मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली जेएलएन अस्पताल के प्रांगण शुरू हुई जो विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः कॉलेज परिसर में समाप्त हुई। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने एड्स से डरे नहीं, बचाव ही उपचार है जैसे नारों के साथ पोस्टर और बैनर भी लेकर चले।

एड्स से डरने की आवश्यकता नहीं, इसका उपचार संभव है - मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर अनिल सामरिया ने कहा कि एड्स से डरने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इसका उपचार संभव है। उन्होंने कहा कि खास कर हम जागरूक रहें और बचाव के उपाय अपनाएं। एड्स संक्रमित सुई और असुरक्षित यौन संबंधों से फैलता है, इसलिए समाज में जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। डॉक्टर सामरिया ने एड्स के प्रसार और उससे बचाव के तरीकों पर जानकारी देते हुए बताया कि नियमित जांच और सुरक्षित यौन संबंधों का पालन करके इस बीमारी से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एड्स संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव करना गलत है और हमें उन्हें सामाजिक सहयोग देना चाहिए।जेएलएन अस्पताल के अन्य चिकित्सकों ने अपने विचार रखे और कहा कि एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों को सही समय पर इलाज और परामर्श उपलब्ध कराना जरूरी है। रैली के माध्यम से समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने और एड्स के प्रति जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आमजन तक जागरूकता का संदेश दिया।

सेन क्षोरकार वेलफेयर सोसायटी भीलवाड़ा की कार्यकारिणी गठित

- सभी नवनियुक्त कार्यकारिणी को ईमानदारी एवं निष्ठा से कार्य करने के निर्देश दिये गये

भीलवाड़ा। सेन क्षोरकार वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष गोविन्द सेन ने सचिव जितेन्द्र सेन, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सेन, संस्थापक लादूलाल सेन एवं संरक्षक कमेटी की सहमति से अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया गया।

अध्यक्ष गोविन्द सेन ने बताया कि कार्यकारिणी में अध्यक्ष गोविन्द सेन, सचिव जितेन्द्र सेन, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सेन, संस्था संस्थापक लादुलाल सेन, संरक्षक भैरूलाल सेन, राजेश सेन, रामप्रसाद सेन, जसराज सेन, सत्यनारायण सेन, सतीश सेन, बंशीलाल सेन, सुरेश सेन, कैलाश सेन, चन्दू सेन, उदयलाल सेन (बेमाली), युवा संरक्षक महेश सेन (सावरिया), महावीर सेन (बच्छखेड़ा), घनश्याम सेन, दिलखुश सेन, सह-सचिव दीपेश सेन, सह-कोषाध्यक्ष दीपक सेन, मण्डल अध्यक्ष संजय सेन (शास्त्रीनगर), प्रदीप सेन (आजाद नगर), बबलु सेन (आर.सी. व्यास), प्रवीण सेन (काशीपुरी), दिनेश सेन (पुलिस लाईन), किशन सेन (मालोला), पवन सेन (सुभाषनगर), ईश्वर सेन पुर (ड्रीम लूक सैलून), महावीर सेन (बापूनगर), वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम मारोठिया, राजेश सेन, रमेश सेन, गोपाल सेन, राजू सेन, किशन सेन, उपाध्यक्ष दिनेश सेन साईवाल, महावीर सेन, कमलेश सेन, संजय सेन, प्रदीप सेन, सांवर सेन, बजरंग सेन, भैरूलाल सेन, संगठन मंत्री कन्हैयालाल सेन, दिनेश सेन, नीतेश सेन, भैरूलाल सेन, राधेश्याम सेन, महेन्द्र सेन, प्रहलाद सेन, कैलाश सेन, जगदीश सेन, सदस्य दिनेश सेन, कैलाश सेन, प्रकाश सेन, पवन सेन, सोनू सेन, राधाकिशन सेन, राजू सेन, कपिल सेन, सुभाष सेन, जयप्रकाश सेन, भारत सेन, नवीन सेन, सुरेश सेन को नियुक्त किया गया। सभी नवनियुक्त कार्यकारिणी का मुंह मिठाकर करा बधाई दी गई एवं संगठन के सहित पूर्ण ईमानदारी एवं निष्ठा से कार्य करने के निर्देश दिये गये।

100 बेड के ईएसआईसी अस्पताल की घोषणा

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। केंद्र सरकार द्वारा बीमित श्रमिकों की बेहतरी के लिए 100 बेड के ईएसआईसी अस्पताल की घोषणा किये जाने के बाद राज्य सरकार ने कैबिनेट बैठक में भूमि आवंटन को मंजूरी दिये जाने पर शीघ्र ही अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा। केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के सार्थक प्रयास से किशनगढ़ को बड़ी सौगात मिल सकी। इस अस्पताल से मार्बल व पावरलूम सहित अन्य उद्योगो में कार्यरत बीमित श्रमिकों का उपचार हो सकेगा। ऐतिहासिक अस्पताल करीब 20 हजार 300 सौ वर्गमीटर भूमि पर बनेगा, जिससे क्षेत्र के 20 हजार से अधिक बीमित श्रमिकों और कर्मचारियों को सीधा लाभ मिलेगा। पिछले कार्यकाल के दौरान सांसद भागीरथ चौधरी द्वारा किये गये प्रयासों के परिणाम स्वरुप केंद्र सरकार ने अस्पताल की घोषणा की, लेकिन भूमि आवंटन में आ रही अड़चनों के चलते कार्य प्रारंभ नहीं हो सका। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद भागीरथ चौधरी के दृढ़ संकल्प और अनुशंसा पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कैबिनेट बैठक में भूमि आवंटन को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री चौधरी ने कहा की किशनगढ़ व अजमेर क्षेत्र के नागरिकों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा होते देख में गर्वित हूं।

16 सहायक अभियंता व 15 अधिशासी अभियंता हुए पदोन्नत

- अजमेर डिस्कॉम की अभियंता विंग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कठिन मेहनत और समर्पण से अजमेर डिस्कॉम को देश के शीर्ष डिस्कॉमों में स्थान दिलाया है

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा अभियंता विंग के 31 अधिकारियों की डीपीसी डिपार्टमेंटल प्रमोशन कमेटी कर उन्हें पदोन्नति का तोहफा दिया गया है। इस पदोन्नति के अंतर्गत 16 कनिष्ठ अभियंताओं को सहायक अभियंता के पद पर तथा 15 सहायक अभियंताओं को अधिशासी अभियंता के पद पर पदोन्नत किया गया है। निगम के प्रबंध निदेशक केपी वर्मा ने बताया कि डीपीसी एक प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके तहत ये आदेश जारी किए गए हैं और पदोन्नत अभियंताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उन्होंने कहा कि अजमेर डिस्कॉम की अभियंता विंग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कठिन मेहनत और समर्पण से अजमेर डिस्कॉम को देश के शीर्ष डिस्कॉमों में स्थान दिलाया है। इस अवसर पर 31 कर्मचारियों को पदोन्नति प्राप्त हुई है।डीपीसी की विस्तृत जानकारी देते हुए सचिव प्रशासन, सीमा शर्मा ने बताया कि डीपीसी की अनुशंसा के आधार पर 16 कनिष्ठ अभियंताओं को सहायक अभियंता के पद पर और 15 सहायक अभियंताओं को अधिशासी अभियंता के पद पर पदोन्नति दी गई है।इस अवसर पर प्रबंध निदेशक केपी वर्मा ने पदोन्नत हुए सभी अधिकारियों को बधाई दी और कहा कि यह पदोन्नति न केवल आपके लिए, बल्कि आपके परिवार के लिए भी एक गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा, आपकी मेहनत और समर्पण की वजह से ही अजमेर डिस्कॉम आज देश के शीर्ष डिस्कॉमों में शामिल है। हमें पूरा विश्वास है कि आप अपनी नई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और मेहनत से निभाएंगे। पदोन्नत सभी अधिकारियों व कर्मचारी संगठनों ने प्रबंध निदेशक केपी वर्मा और समस्त प्रबंधन का आभार व्यक्त किया है।

जागरूकता शिविर गुरूवार को

गंगापुर सिटी । दक्ष प्रजापति विकास समिति गंगापुर सिटी के तत्वाधान में गुरुवार को सैनी मैरिज गार्डन, ईदगाह मोड मे श्रीयादे माटी कला बोर्ड राजस्थान सरकार की टीम द्वारा मिट्टी के बर्तनों के कारीगरों के लिए एक जागरूकता शिविर दोपहर 12 बजे से आयोजित किया जाएगा।

खोया पाया

सर्व साधारण को सूचित किया जाता कि है कि मेरे द्वारा जो आबादी मौहल्ला सेसमल बोहरा कॉलोनी, नेहरू नगर ब्यावर का प्लाट नम्बर 22 पर बना मकान म्यू नं. 21 गली नम्बर 06 में पूर्वी भाग का हक परित्याग पत्र दिनांक 09.10.2015 मेरे द्वारा कहीं पर गिर गया है तथा काफी ढूंढने से भी नहीं मिल पाया है, जिस किसी को मिले कृपया सूचित करे। इस हक परित्याग पत्र दिनांक 09.10.2015 को मैंने कहीं भी उपयोग में नहीं लिया है।

-प्रतिभा गांधी पुत्री हीरालाल गाँधी पत्नि रतनचन्द जैन निवासी 36, ब्रह्मपुरी कॉलोनी, आबू रोड, सिरोही (राज.)

आधार कार्ड नम्बर- 530542664675

मोबाइल नम्बर-91-66749687

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक -न.प.बि/निर्माण.स्वी./2024/4358 **आम सूचना** दिनांक : 2.12.2024

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाइल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
123	लोकेश कुमार माली पुत्र रमेशचन्द माली	रघुनाथ कॉलोनी बिजयनगर ख.सं. 380 से 384 व 386 से 391 भू.सं. 137	111.48 SQ.MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डलः अजमेर

क्रमांक: 1264 दिनांक: 2-12-2024

जाहिर आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3-ग-26, आनासागर सरक्यूलर रोड, अजमेर क्षेत्रफल 162.00 व.मी मूल आवंटी श्री उगमसिंह पुत्र स्व. श्री भंवर सिंह को आवंटित कर दिनांक 30.04.1986 को मकान का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री उगमसिंह पुत्र स्व. श्री भंवर सिंह ने आवास का बैचान श्री मोहन लाल शर्मा पुत्र श्री गुलाब चंद शर्मा को कर दिया गया। नियमितिकरण करने के पश्चात् श्री मोहन लाल शर्मा पुत्र श्री गुलाब चंद शर्मा द्वारा दिनांक 28.12.1994 को उप-पंजीयक कार्यालय द्वारा पंजीयन करवा लिया गया है। श्री मोहन लाल शर्मा की मृत्यु दिनांक 17.07.1998 को हो जाने के कारण मण्डल द्वारा दिनांक 14.12.2020 को श्री प्रकाश चन्द्र शर्मा, श्री कैलाश चन्द्र शर्मा, श्री सुरेश चन्द्र शर्मा, श्री रमेश चन्द्र शर्मा एवं श्रीमती हेमलता शर्मा के पक्ष में मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण के आदेश जारी किये गये। श्री प्रकाश चन्द्र शर्मा, श्री कैलाश चन्द्र शर्मा, श्री सुरेश चन्द्र शर्मा, श्री रमेश चन्द्र शर्मा एवं श्रीमती हेमलता शर्मा द्वारा आवास का बैचान श्री नरेन्द्र आसुदानी पुत्र स्व0 श्री पूरन आसुदानी व श्री नितेश आसुदानी पुत्र श्री सुरेन्द्र आसुदानी को किया गया जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 2088 में पृष्ठ संख्या 191 क्रम संख्या 202103001103741 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 5347 के पृष्ठ संख्या 509 से 521 पर दिनांक 06.08.2021 को चस्पा किया गया है। अब श्री नरेन्द्र आसुदानी व श्री नितेश आसुदानी ने उक्त आवास से संबंधित उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री नरेन्द्र आसुदानी व श्री नितेश आसुदानी का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन हैं। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। आवासीय अभियंता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डलः अजमेर

क्रमांक: 1266 दिनांक: 2-12-2024

जाहिर आम सूचना

आवास संख्या 2-ख-24, शास्त्रीनगर, अजमेर क्षेत्रफल 263.00 व गज. मूल आवंटी श्री हरी मोहन भार्गव पुत्र श्री चन्द्रभान भार्गव को आवंटित कर दिनांक 27.02.1975 को मकान का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। उक्त आवास श्री हरी मोहन भार्गव पुत्र श्री चन्द्रभान भार्गव के नाम पर आवंटित हुआ था। तदन्तर उक्त आवास श्री प्रभुदयाल पुत्र श्री नाथूमल के नाम हस्तान्तरित होने के पश्चात् उनके नाम से मण्डल द्वारा पंजीयन किया गया। श्री प्रभुदयाल पुत्र श्री नाथूमल द्वारा दिनांक 07.09.1990 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा आवास का पंजीयन करवा लिया गया है। पंजीयन पश्चात् श्री प्रभुदयाल शिहानी पुत्र स्व. श्री नाथूमल शिहानी द्वारा उपहार पत्र (गिफ्ट डीड) श्री ईश्वर शिहानी, श्री महेश कुमार व श्री राजेश शिहानी पुत्रगण स्व. श्री नाथूमल शिहानी (नत्थूमल) को दिनांक 29.08.2024 को कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 926 में पृष्ठ संख्या 144 क्रम संख्या 202403002109597 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 3704 के पृष्ठ संख्या 176 से 187 पर दिनांक 29.08.2024 को चस्पा किया गया है। अब श्री ईश्वर शिहानी, श्री महेश कुमार व श्री राजेश शिहानी पुत्रगण स्व. श्री नाथूमल शिहानी (नत्थूमल) ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री ईश्वर शिहानी, श्री महेश कुमार व श्री राजेश शिहानी पुत्रगण स्व0 श्री नाथूमल शिहानी (नत्थूमल) का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। आवासीय अभियंता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डलः अजमेर

क्रमांक: 1267 दिनांक: 2-12-2024

जाहिर आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 1-क-32, अजयनगर, अजमेर क्षेत्रफल 228.00 व.गज मूल आवंटी श्रीमती पार्वती पत्नि श्री जेठानन्द को को आवंटित कर दिनांक 06.02.1978 को मकान का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्रीमती पार्वती पत्नि श्री जेठानन्द द्वारा दिनांक 29.08.1990 को आवास का पंजीयन करवा लिया गया। श्रीमती पार्वती पत्नि श्री जेठानन्द की मृत्यु दिनांक 09. 01.1999 एवं श्री जेठानन्द की मृत्यु 12.06.1992 को हो जाने के कारण उनकी पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार राघानी पुत्र स्व. श्री जेठानन्द राघानी द्वारा हकत्याग पत्र (रजिस्टर्ड) प्रस्तुत कर मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। श्री नरेन्द्र कुमार राघानी के पक्ष में श्री नरेश कुमार राघानी व श्री किशोर कुमार राघानी पुत्रगण स्व. श्री जेठानन्द राघानी, श्रीमती जानकी देवी पत्नि श्री महिंदर पाल, श्रीमती कविता खुराना पत्नि श्री सुरेश कुमार श्रीमती ज्योति पंजाबी पत्नि श्री प्रकाश पंजाबी पुत्रियां स्व0 श्री जेठानन्द राघानी द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र प्रस्तुत किया गया है। अब श्री नरेन्द्र कुमार राघानी पुत्र स्व. श्री जेठानन्द राघानी ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री नरेन्द्र कुमार राघानी पुत्र स्व. श्री जेठानन्द राघानी का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। आवासीय अभियंता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड अजमेर

पी.एच.सी नोखा चांदावतान का औचक निरीक्षण करने पहुंचे सी.एम.एच.ओ

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नोखा चाँदावतान का औचक निरीक्षण किया।

- प्रभारी चिकित्सा अधिकारी व अस्पताल स्टॉफ की ली विशेष बैठक

नागौर / मेड़ता सिटी (निसं)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर जुगल किशोर सैनी ने सोमवार को राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नोखा चाँदावतान का औचक निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जुगल किशोर सैनी सोमवार को सुबह राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नोखा चाँदावतान पहुंचे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सैनी ने यहां पर नियुक्त स्टॉफ का उपस्थिति रजिस्टर जांचा। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को स्टॉफ की संख्या के बारे में जानकारी दी। इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सहित समस्त स्टाफ की मिटिंग लेते हुए उन्हें ताकीद किया कि चिकित्सा अधिकारी सहित समस्त स्टॉफ ड्यूटी समय पर आए और निर्धारित समय में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में मौजूद रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी ने निर्देश दिए कि अस्पताल का कोई भी स्टॉफ बिना अनुमति के अवकाश पर न जाए। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में यह सुनिश्चित किया जाए कि ठामीणों को बेहत्तर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो। यहां निर्धारित मात्रा में दवाईयां तथा गुणवत्तापरक जांच सुविधा मरीजों के लिए हर समय उपलब्ध हो। यदि किसी मरीज, उसके परिजन व गांव के गणमान्य को चिकित्सा संस्थान में व्यवस्थाओं व मेडिकल स्टॉफ के व्यवहार को लेकर शिकायत हो तो प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा उसका तत्काल निराकरण किया जाए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने यहां पर नोखा चाँदावतान गांव के गणमान्य नागरिकों से भी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में सुविधाओं के विस्तार को लेकर चर्चा की। इस दौरान ठामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने नोखा चाँदावतान के बड़े क्षेत्रफल और जनसंख्या को देखते हुए यहां सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत करवाने की मांग रखी, जिस पर उन्होंने ठाम पंचायत से प्रस्ताव तैयार करवाकर खण्ड मुख्यालय के माध्यम से जिला स्तर पर भेजने की बात कही। डॉ. सैनी ने यहां टीकाकरण कक्ष, प्रयोगशाला, आईपीडी वार्ड, प्रसूति कक्ष व दवा वितरण केन्द्र का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इससे पहले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर जुगल किशोर सैनी गागुड़ा उप स्वास्थ्य केंद्र भी पहुचे. यहां गांव के वयोवृद्ध समाजसेवी राम प्रताप सिंह चांदावत ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से गांव की उपशास्त्र केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कमोन्नत करने की मांग रखी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी ने सोमवार को दोपहर में राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेड़ता सिटी का भी निरीक्षण औचक निरीक्षण करते हुए यहां आमजन को मिल रही चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने सीएचसी के प्रभारी डॉ रामेश्वर बेनीवाल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सैनी ने यहां टीकाकरण कक्ष, प्रयोगशाला, आईपीडी वार्ड, प्रसूति कक्ष व दवा वितरण केन्द्र का अवलोकन किया।

तेज रफ्तार थार गाड़ी छह लोगों को रौंदते हुए दुकान में घुसी, एक की मौत

हादसे में छह लोग घायल हो गए, इनमें तीन को गंभीर हालत में जयपुर रैफर किया

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं में सोमवार को एक तेज रफ्तार थार जीप दुकान में जा घुसी। हादसे में छह लोग घायल हो गए। इनमें तीन को गंभीर हालत में जयपुर रैफर किया गया, जहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। घटना झुंझुनूं के सदर थाना इलाके के नयासर गांव में सोमवार सुबह 8.30 बजे हुई। हादसे में पांच जने घायल हो गए और एक युवक की मौत हो गई।

सदर थाना इंचार्ज अशोक चौधरी ने बताया कि सोमवार सुबह 8.30 बजे सूचना मिली कि थाना इलाके के नयासर गांव के चौक पर थार कार किराना दुकान में घुस गई। कार की चपेट में आकर दुकान मालिक देवकरण कस्वां (68), अखबार पढ़ रहे दो स्थानीय व्यक्ति राकेश कस्वां (50) रणवीर कस्वां (55) और दुकान पर सामान खरीदने रुके बाइक सवार मनोज मेघवाल (45) और उसके दो बेटे पुष्पेंद्र (23) व आर्यन (18) घायल हो गए। घायलों को राजकीय बीडीके हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां से गंभीर घायल राकेश कस्वां पुत्र विद्याधर, रणवीर कस्वां पुत्र रामकुमार और पुष्पेंद्र को जयपुर रैफर किया गया। जयपुर में इलाज के दौरान पुष्पेंद्र ने दम तोड़ दिया। पुष्पेंद्र अपने पिता मनोज और छोटे भाई आर्यन के साथ बाइक पर दुकान पर आया था। तीनों खेत में मजदूरी करने जा रहे थे। दुकान पर सामान लेने रुके थे। लोगों ने आरोप लगाया कि थार गाडी रेंटल है। इसकी नंबर प्लेट, चेसिस नंबर फर्जी हैं और यह बिना रजिस्ट्रेशन घूम रही है। इसके बारे में पुलिस जांच में पता लगाएंगे, सारे रिकॉर्ड चेक करेंगे। इलाके के सीसीटीवी भी खंगाल रहे हैं।

वहीं उचित मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि थार कार इतनी तेज स्पीड से घुसी कि डायरेक्शन बदल गया। नयासर के ग्रामीण इमरान ने बताया कि नयासर गांव के चौक पर देवकरण कस्वां की किराना शॉप पर रणवीर व राकेश नाम के व्यक्ति अखबार पढ़ रहे थे। इसी दौरान खेत पर दो बेटों के साथ जा रहा मनोज दुकान पर सामान लेने रुका। तभी झुंझुनूं की ओर से नयासर गांव की तरफ बहुत तेज रफ्तार से ब्लैक कलर की थार लहराते हुए आई और आकर किराना दुकान की दीवार तोड़ते हुए छह लोगों को चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी तेज थी कि थार गाड़ी का डायरेक्शन बदल गया। हादसे में घायल यहां-वहां बिखर गए। दुकान की एक तरफ की दीवार गिर गई। सामान और शटर टूट गए। मलबा आ गिरा। मौके पर तुरंत लोगों ने थार में सवार ड्राइवर नवीन को पकड़ लिया। इसके बाद सदर थाने को सूचना दी गई। कुछ लोगों ने घायलों को संभाला और निजी वाहनों से उन्हें झुंझुनूं बीडीके हॉस्पिटल लेकर भागे। दुकानदार देवकरण, मनोज और उसके छोटे बेटे आर्यन का इलाज झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में चल रहा है।

घटना के वक्त मौके पर मौजूद चश्मदीद और स्थानीय निवासी पवन ने बताया की तेज स्पीड थार कार से दो लोगों के पैर बुरी तरह कुचल गए। इन गाड़ियों को रेंट पर झुंझुनूं का कोई व्यक्ति चलाता है। इनकी नंबर प्लेट, चेसिस नंबर सब फर्जी हैं। एक्सीडेंट के बाद हमने ड्राइवर को पकड़ लिया तो कुछ देर बाद दूसरी ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो गाड़ी में एक महिला ड्राइवर को छुड़ाने के लिए आ गई। आते ही गाली-गलौज करने लगी। वह ड्राइवर को छुड़ाने की कोशिश करने लगी और महिला बोली यह मेरा बेटा है और दादागिरी करने लगी। मौजूद लोगों ने बताया कि पुलिस ने भी कुछ नहीं किया। आते ही युवक को पुलिस वाहन में बैठा लिया। पुलिस ने एंबुलेंस की जगह पहले क्रेन बुलाई ताकि थार गाड़ी को ले जा सके। ये भी नहीं पूछा कि किसे कहां चोट लगी। घायलों में तो एक व्यक्ति पैरालाइज्ड है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने थार गाड़ी के ऑनर को मौके पर बुलाने, उसे गिरफ्तार करने, उसकी सारी गाड़ियों को जब्त करने, गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने, टूटी दुकान और सामान की क्षति पूर्ति कराने और घायलों को आर्थिक मदद देने की मांग की है।

- लोगों ने आरोप लगाया कि थार गाडी रेंटल है, इसकी नंबर प्लेट, चेसिस नंबर फर्जी है और यह बिना रजिस्ट्रेशन के घूम रही है

हादसे में दुकान की एक तरफ की दीवार गिर गई और सामान और शटर टूट गए।

ग्राम बलेसर में नशेड़ी बेटे ने वृद्ध मां को मौत के घाट उतारा

- रोजाना नशे की हालत में अपनी मां से झगड़ा व मारपीट करता था बेटा
- पुलिस ने एफएसएल व एमओबी टीम की सहायता से साक्ष्य जुटाए

पावटा, (निसं)। विराटनगर की ग्राम पंचायत नवरंगपुरा के ग्राम बलेसर में एक नशेड़ी बेटे ने अपनी मां को पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची विराटनगर थाना पुलिस को अनीता देवी ज्योतिषी (70) अचेत अवस्था में मिली, जिसे विराटनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। विराटनगर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा शव को परिजनों के सुपुर्द किया।

विराटनगर थाना प्रभारी मनोहरलाल के अनुसार विराटनगर की ग्राम पंचायत नवरंगपुरा के ग्राम बलेसर में रहने वाली अनीता देवी ज्योतिषी के पति ओमप्रकाश की कई वर्ष पूर्व बीमारी के चलते मौत हो चुकी थी। अनीता देवी ने मजदूरी कर व परिवार के सहयोग से अपने तीनों बेटों का पालन पोषण किया था। उसके तीन बेटे हैं, जिसमें दो बेटे हनुमान व विनोद मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

वहीं सबसे छोटा बेटा हंसराज कई वर्षों से नशे का आदी है व रोजाना नशे की हालत में अपनी मां से झगड़ा व मारपीट करता है। ग्रामीणों ने बताया कि इसी कारण मृतका अनीता देवी ने घर से निकलना भी बंद कर दिया था। अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसी नशे के कारण सबसे छोटा बेटा इतना शैतान बन गया कि उसने अपनी मां की पीट पीट कर हत्या कर दी। विराटनगर थाना पुलिस ने एफएसएल व एमओबी टीम की सहायता से घटना स्थल व आसपास से घटना के तथ्य व साक्ष्य जुटाए। मृतका के देवर मालीराम ने मृतका के बेटे हंसराज के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

युवक की मौत

मसूदा, (निसं)। कृषि कार्य करते समय युवक की मौत हो गई। रविवार शाम प्रभु पुत्र नंगा रावत निवासी ग्राम रतनपुरा अपने खेत पर परिवार के साथ कार्य कर रहा था। कार्य करते समय अचेत अवस्था में परिजनों ने देखकर होश उड़ गए। परिजनों द्वारा मसूदा चिकित्सालय लाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मसूदा पुलिस को दी गई। पुलिस ने मृतक का शव मसूदा मोर्चरी में रखवाया। सोमवार सुबह शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को दिया गया। मसूदा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की। जानकारी के अनुसार प्रभु अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहा था तभी अचानक उसकी तबियत बिगड़कर अचेत हो गया अचेत अवस्था में मसूदा चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता ओ.एफ.डी. खण्ड प्रथम, सिं.क्षे.वि. इ.गा.न.प. बीकानेर

क्रमांक- 3593-3612 दिनांक-24.11.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 06 वर्ष 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से Construction of Pucca Water Course in Chak 1BGS, 5 BGS, 6 BGS, 11 BGS, 19 PTP, 20 PTP, 28 PTP, 36 PTP, 81 RB, 38 BB (Balance Work) की अनुमानित लागत 623.30 लाख है के कार्य हेतु ऑन-लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन/डाउनलोड की अवधि दिनांक 27.11.2024 प्रात 0.00 बजे से दिनांक 11.12.2024 को दोपहर 02.00 तक होगी। प्राप्त तकनीकी निविदाए इलैक्ट्रोनिक, फोमेंट में http://eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 12.12.2024 को दोपहर 03.00 बजे खोली जायेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://cad.rajasthan.gov.in डीआईपीआर की वेबसाईट www.dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सक्ती है।

1. CDB2425WSOB00054, 2. CDB2425WSOB00055, 3. CDB2425WSOB00056, 4. CDB2425WSOB00057, 5. CDB2425WSOB00058, 6. CDB2425WSOB00059, 7. CDB2425WSOB00060, 8. CDB2425WSOB00061, 9. CDB2425WSOB00062, 10. CDB2425WSOB00063

अधिशाषी अभियन्ता, ओएफडी खण्ड प्रथम
सिंक्षेवि. इंगानप, बीकानेर, मोबाईल-94146-03873

DIPR/C/11865/2024

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता ईसरदा परियोजना वृत्त टोंक

ई-मेल-seisardatonk@gmail.com

क्रमांक :- 1025 दिनांक :- 25-11-2024

ई- निविदा सूचना संख्या 02/2024-25

राजस्थान के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से इस कार्यालय के अधीन, कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता ईसरदा परियोजना खण्ड, जल संसाधन टोंक में 01 कार्य जिसकी अनुमानित लागत रू. 192.43 लाख है, के लिए उपर्युक्त श्रेणी में योग्य पंजीकृत सर्वेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 28.11.2024 प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 07.12.2024 सांय 06.00 बजे तक बेची जाकर दिनांक 09.12.2024 को प्रातः 11.00 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है या सम्पूर्ण निविदाएं नहीं खोली जा सकती हैं तो उसके अगले कार्यदिवस को उसी समय निविदा खोली जावेगी। निविदा से संबंधित कार्यो का विवरण वेबसाईट www.diproline.org,https://eproc.rajasthan.gov.in, www.waterresources.rajasthan.gov.in & http://sppp.raj.nic.in व कार्यालय हाजा के नोटिस बोर्ड पर कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

NIB No. WRD2425A0327
UBN No.-WRD2425 WSOBO1264

(जितेन्द्र लुहाडिया) अधीक्षण अभियन्ता
ईसरदा परियोजना वृत्त, जल संसाधन विभाग टोंक

DIPR/C/11884/2024

वृद्ध ने मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या की

- आरोप है कि कुछ लोगों ने लेनदेन को लेकर जहर दिया, फिर खुद ही अस्पताल में भर्ती करवाया था

जोधपुर, (कासं)। शहर के सांगरिया फांटा स्थित महावीर नगर में रहने वाले एक वृद्ध व्यक्ति को जहरखुरानी में अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल से छुट्टी मिलने के दूसरे दिन ही वृद्ध ने मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या कर ली। पुत्र का आरोप है कि उन्हें कुछ लोगों ने पैसों के लेनदेन को लेकर जहर दिया फिर खुद ही अस्पताल में भर्ती करवाया था। पुत्र ने नामजद लोगों पर अब केस दर्ज कराया है। जिस बारे में कुड़ी पुलिस की तरफ से जांच की जा रही है।

कुड़ी थाने के एसआई रामभरोसी ने बताया कि सांगरिया फांटा स्थित महावीर नगर निवासी सुरजीत सिंह उर्फ लालसिंह की तरफ से केस दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि उसके पिता मदन सिंह ने दो साल पहले बजरंगसिंह और उसके बेटे शक्तिसिंह, पत्नी, पुत्री और दामाद सोहनसिंह को मकान और शादी के लिए आठ लाख रुपए ब्याज पर उधार दिए थे। मूल रकम और ब्याज मांगने पर नहीं दिए। गत 20 नवंबर को पिता को रुपए देने के बहाने दुकान पर बुलाया, जहां सभी लोगों ने उनको जहरीला पदार्थ पिलाया। इसके बाद जब तबीयत बिगड़ने लगी तो वे लोग ही उनको एम्स अस्पताल लेकर आए। साथ में बजरंगसिंह खुद थे। रात को इलाज के बाद सुबह 21 नवंबर को अस्पताल से छुट्टी दे दी। अगले दिन से पिता तनाव में रहने लगे। उनको डर सताने लगा कि वह लोग मुझे जान से मार देंगे। मेरे रुपए नहीं लौटाएंगे। इसके चलते मानसिक तनाव में आकर उन्होंने आत्महत्या कर ली।

एसआई रामभरोसी ने बताया कि शव का कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया था। अब आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित किए जाने का केस दर्ज किया गया है। अग्रिम जांच जारी है।

अलवर के सरकारी कॉलेज में लेपर्ड दिखा

दो महिलाओं के सामने से निकला लेपर्ड, वन विभाग ने पिंजरा लगाया

अलवर, (निसं)। अलवर स्थित कॉलेज में रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे और सोमवार सुबह करीब छह बजे लेपर्ड के पगमार्क दिखे हैं। शाम को आरआर कॉलेज में घूमने आई दो महिलाओं ने लेपर्ड देखा था। उसके बाद वनकर्मियों की टीम यहां पहुंची थी और पगमार्क देखकर लेपर्ड होना कन्फर्म किया था। अगले दिन सोमवार सुबह वनकर्मी पहुंचे और उन्होंने आसपास पगमार्क देखे। तब जंगल के अंदर बने मंदिर परिसर में ताजा पगमार्क दिखे। सुबह छह बजे के आसपास भी लेपर्ड यहीं था। अब उसे पकड़ने के लिए कैमरे और पिंजरे लगाने की तैयारी चल रही है।

प्रत्यक्षदर्शी महिला शकुंतला देवी ने बताया कि लेपर्ड ही था। तेजी से एक गेट से निकल कर दूसरे में चला गया। हम वॉक कर आ रहे थे। तब अचानक लेपर्ड सामने से निकल गया। हमने बाहर एनसीसी के कैडेट्स को बताया। इसके बाद वन कर्मियों की टीम वहां पहुंची थी। दूसरी महिला कुंती चौधरी ने बताया कि हम वॉक कर वापस आ रहे थे। तभी मुख्य गेट के पास से लेपर्ड निकला है। अब वनकर्मियों ने भी पगमार्क देखे हैं। उन्होंने भी लेपर्ड ही बताया है। ये भी कुत्ते से बड़ा था। लेकिन लंबाई काफी थी। अंदर जंगल में ही चला गया। रात को रेंजर शंकर सिंह ने बताया कि लेपर्ड होने की सूचना कॉलेज से मिली थी। हमने पगमार्क देखे हैं। पगमार्क लेपर्ड की लगते हैं। यहां आरआर कॉलेज का जंगल है। सोमवार सुबह वनपाल भीम सिंह पहुंचे, जिन्होंने आरआर कॉलेज के जंगल में बने हनुमानजी मंदिर परिसर में लेपर्ड के ताजा पगमार्क देखे हैं। भीम सिंह ने बताया कि अब कैमरा ट्रैप लगा रहे हैं। पिंजरे भी मंगाए गए हैं।

डीएफओ राजेंद्र हुड्डा ने बताया कि कॉलेज परिसर के चारों तरफ करीब 50 हैक्टेयर का जंगल है। अंदर पानी व वन्यजीव है। यहां लेपर्ड का मूवमेंट है। सरिस्का से टीम बुला ली है। जल्दी हम इसे ट्रंकुलाइज कर जंगल में छोड़ा जाएगा। अभी लेपर्ड को एक बार ही देखा गया है। अब सुबह भी पगमार्क मिले हैं।

Rajasthan Grameen Aajeevika Vikas Parishad
District Project Management Unit (DPMU)
Choupal Grameen Prashikshan Sansthan, Badodiya Basti Near Railway Station, Jaipur-
Phone No.- 0141-2209370

No. :- DPMU/Acct./Raj Sakhi Mela/2024/619 Dated :- 30/11/2024

NOTICE INVITING E-BID

DPMU Rajeevika, Jaipur invites online E-Bids from eligible bidders for all arrangements for RASTRIYA RAJ SAKHI MELA-2024 at Shilpgram, Jawahar kala Kendra & Indira Gandhi Panchayati Raj & Gramin Vikas Sansthan, JLN Marg, Jaipur, viz. fabrication of stalls, VIP room, reception, stage, light, water, generator, sound system, food court, video- photography, cleaning, fire fighting etc. For details please visit website **http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in** and **www.rajeevika.rajasthan.gov.in.** Pre bid conference shall be held on 03.12.2024 (12.00PM) in the office of DPMU, Rajeevika, Choupal Bhawan, Jaipur. Last date for submission of e-bids is 06.12.2024 up to 12:00 PM.

E-Bid Approx Value is 50.00 Lacs.
UBN No. - RGA2425SL0B00158

District Project Manager
Rajeevika, Jaipur

Raj.Samwad/C/24/8538

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त-धौलपुर

क्रमांक: 2092-2109 दिनांक: 26.11.2024

निविदा सूचना संख्या : 04/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला धौलपुर में वर्षा से क्षतिग्रस्त विभिन्न सडकों एवं पुलियाओं का स्थाई पुनरूद्धार कार्य (दोष निवारण अवधि 5 वर्ष सहित) उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता हैं। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" पर रजिस्टर करवाना आवश्यक हैं।

Package No.	NIB NO.	UBN No.
RJ-13-04/SDRF/2024-25/Under Dn. Dholpur	PWD2425A2598	PWD2425WSOB10849
RJ-13-05/SDRF/2024-25/Under Dn. Bari	PWD2425A2598	PWD2425WSOB10851

अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त धौलपुर

DIPR/C/12005/2024

नौकरी का झांसा देकर पांच लाख रुपये हड़पे

भरतपुर, (निसं)। नदबई थाना पुलिस ने नौकरी लगवाने का झांसा देकर पांच लाख रुपये हड़पने के आरोपी कपिल जिंदल को गिरफ्तार किया। आठ अक्टूबर को गांव घरसोनी थाना हलैना निवासी राहुल पुत्र राजकुमार जाटव ने एक रिपोर्ट इस आशय की पेश कि कपिल जिंदल पुत्र धनेश के विरूद्ध उसको रेलवे डी ग्रुप में सरकारी नौकरी लगवाने के लिये पांच लाख रुपये लेने की बात की।

प्रार्थी को फर्जी ज्वॉनिंग लेटर का पता चलने पर इस आरोपी से अपने रुपये मांगने पर उसके साथ मारपीट कर धमकी देने का एक मामला थाना नदबई पर दर्ज कराया गया था। एएसआई सियाराम द्वारा बाद अनुसंधान इस मामले के नामजद आरोपी कपिल जिन्दल पुत्र धनेश वैश्य निवासी रेलवे स्टेशन रोड कस्बा नदबई को प्रोडेक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया है।

मसूदा उपखंड के ग्राम जीवाणा में करीब दस फीट लम्बा अजगर दिखाई देने से ग्रामीणों में हड़कम्प मच गया। जिसको लेकर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम से पहले मौके पर पहुंचे मसूदा की गोरक्षक टीम दिलराज, दीपक योगी, लाल प्रजापति, लोकेश सिमरिया ने अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू कर सुरक्षित हराजपुरा के जंगलों में छोड़ दिया।

गांजा सप्लाई करते एक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर की बासनी पुलिस ने गली नंबर छह में नाकाबंदी करते हुए एक युवक को छह किलो से ज्यादा गांजा बरामद कर एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया है। आरोपी दो पहले भी पकड़ा जा चुका है। वह बिहार से गांजा लाकर यहां आसपास मजदूरों को बेचने का काम करता है। पुलिस अभियुक्त से पूछताछ में जुटी है।

थानाधिकारी शफीक मोहम्मद ने बताया कि बासनी क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करी रोकथाम के लिए पुलिस की एक टीम हैडकांस्टेबल रामलाल, दिनेश, चैनाराम एवं कांस्टेबल रामदीन, शंकरलाल की गठित की गई। पुलिस की टीम ने रविवार रात में बासनी गली नंबर छह में नाकाबंदी करते हुए एक संदिग्ध युवक को पकड़ा और तलाशी लिए जाने पर उसके पास में 06.82 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। इस पर आरोपी युवक बिहार के गोपालगंज शीतल बरदाहा मुझराम यादव पुत्र योगेंद्र कुमार यादव को गिरफ्तार किया गया। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी दो प्रकरण एनडीपीएस एक्ट में दर्ज हो रखे है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड गंगापुर सिटी

क्रमांक- दिनांक-

ई-निविदा सूचना संख्या- 07/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर परिवर्तित बजट घोषणा 17.01/2024-25 के अन्तर्गत जिला गंगापुर सिटी की नगर परिषद गंगापुर सिटी एवं नगर पालिका वजीरपुर एवं बामनवास में सडक निर्माण कार्य हेतु मय पांच वर्ष की मरम्मत एवं संधारण की अवधि के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए" एवं "ए" श्रेणी तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में 3 पैकेजों हेतु जिनकी कुल राशि 293.49 लाख है, प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। कार्यवार UNB संख्या निम्नानुसार है।

(PWD2425WSOB10807), (PWD2425WSOB10809), (PWD2425WSOB10811)

(बदन सिंह)
अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. खण्ड गंगापुर सिटी

DIPR/C/12000/2024

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION BEAWAR

NIB NO. :- PWD2425A2884

Notice Inviting Bid No. 19/2024-25

Bids for 01 No. Works are invited from interested bidders upto 2.00 PM 12 December 2024. Other particular of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the State, and DIPR departmental website. The approximate value of the procurement is Rs.121.04 Lacs.

S.No.	NIB NO	UBIN NO	Amount (Lac)
1	PWD2425A2884	PWD2425WSOB10571	121.04

(V.S. Shekhawat)
Executive Engineer PWD, Division Beawar

DIPR/C/11897/2024

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. MANDRAIL

File No. 821 Date: 25.11.2024

Notice Inviting Bid

Bid (E-NIT No. 04/2024-25) for "Construction of CC Roads in Nager Palika Mandrail Under Package RJ-22-04/LSG-IV/8443/2024-25 Dn. Mandrail in Distt. Karauli" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 09.12.2024. procurement portal (http://eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 34.53 lacs.

NIB CODE: PWD2425A2910
UBN CODE: PWD2425WS0B10656

(Neelam Kumari Meena)
Executive Engineer
PWD Division Mandrail

DIPR/C/11923/2024

कार्यालय नगर परिषद झालावाड़ (राज0)

क्रमांक :- न.परि.झा./लाईट/2024/4972-74 दिनांक :- 28/11/2024

ई-निविदा

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु स्वायत्त शासन विभाग एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो में उचित श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निम्न कार्य हेतु ऑन लाईन निविदाये आमन्त्रित की जाती है :– **UBN No.: DLB2425WSOB12469, 12470**

1. नगरीय क्षैत्र झालावाड़ में वार्ड सं0 1 से 45 में एलईडी स्ट्रीट लाईट मय फेज वायर स्थापन कार्य।
2. नगरीय क्षैत्र झालावाड़ में वार्ड सं0 1 से 45 में फेज वायर स्थापन कार्य।

संवेदक निविदा प्रपत्र को बेवसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी व प्राप्त की जा सकेगें।

राज.संवाद/सी/24/8543 आयुक्त

बालिका स्कूल के व्हाट्सएप ग्रुप में हैकर ने अश्लील फोटो डाली

स्कूल प्रबंधन में मचा बवाल, मामले को लेकर अभिभावक, शिक्षक हतप्रभ

देवली, (निसं)। सोमवार को शहर के सिस लिंक रोड पर स्थित महात्मा गांधी राजकीय बालिका विद्यालय के ऑनलाइन पढ़ाई हेतु संचालित व्हाट्सएप ग्रुप में महिला की अश्लील फोटो डालने का सनसनीखेज मामला उजागर हुआ है। एकाएक हुई इस घटना के बाद स्कूल प्रशासन सहित अभिभावक हतप्रभ हो उठे। गौरतलब है कि इन दिनों सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों में बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई को लेकर व्हाट्सएप ग्रुप बनाए हुए हैं जिससे अनुपस्थित छात्र-छात्राओं को स्कूल में पढ़ाई के सब्जेक्ट की जानकारी घर बैठे ऑनलाइन प्राप्त हो सके। इसी के बीच सोमवार को बालिका विद्यालय के व्हाट्सएप ग्रुप में किसी अज्ञात हैकर ने ग्रुप को हैक कर लिया और ग्रुप में अश्लील फोटो सेंड कर दी। इसकी जानकारी अभिभावकों ने बालिका स्कूल प्रशासन तक पहुंचाई।

अभिभावकों ने बताया कि शनिवार शाम 3:57 पर एक नंबर से महिला की अश्लील चार फोटो स्कूल के व्हाट्सएप ग्रुप में डाले गए। इसके अलावा एक एपीके फाइल भी डाली गई। मामले का पता जब लगा, जब कक्षा 7 व 8 में छात्रों ने मोबाइल लेकर व्हाट्सएप ग्रुप खोला। विद्यार्थियों ने इसकी शिकायत अपने माता-पिता दी। ऐसे में रविवार अवकाश होने की वजह से मामले की घटा से छानबीन नहीं कर सका। लेकिन सोमवार को स्कूल प्रशासन ने इस मामले को गंभीर मानते हुए उक्त घटना की जांच शुरू कर दी। स्कूल प्रशासन ने सर्वप्रथम जिस व्हाट्सएप नंबर से अश्लील पिक्चर्स ग्रुप में उक्त अभिभावक स्कूल में बुलाया गया। इसी दौरान स्कूल प्रशासन ने उक्त मोबाइल नंबर अभिभावक के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

मामले में प्रधानाचार्य सुशीला मीणा बताया कि जिस नंबर से ग्रुप में अश्लील पिक्चर्स सेंड किए गए हैं उक्त नंबर के अभिभावक की यह हरकत बेहद निंदनीय है। इसको लेकर प्रधानाचार्य ने तुरंत प्रभाव से स्कूल प्रशासन की मीटिंग बुलवाई और उक्त नंबर के अभिभावक के विरुद्ध कार्रवाई करने की सहमति बनाई। उक्त अभिभावक ने देवली थाने में अपने मोबाइल नंबर के हैक करने की रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

थाने में पहुंची अभिभावक ने पुलिस को बताया कि शहर की महात्मा गांधी बालिका विद्यालय देवली के संचालित व्हाट्सएप ग्रुप में अश्लील फोटो डालने के मामले में स्कूल प्रबंधन ने उक्त मेरे नंबर के विरुद्ध कदम उठाया है। इस मामले में प्रधानाचार्य सुशीला मीणा ने स्टाफ की मीटिंग लेकर संबंधित अभिभावक के विरुद्ध थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि इस तरह की गंदी तस्वीर और अश्लील सामग्री स्कूल के व्हाट्सएप ग्रुप में भेजी गई है और उक्त मामले में स्कूल ने उक्त मोबाइल नंबर के अभिभावक को नोटिस दिया है। ऐसे में उक्त सामाजिक तत्वों द्वारा कई बार बालिकाओं के साथ छेड़छाड़ किए जाने की शिकायत भी स्कूल प्रशासन को प्राप्त हुई है। इसको लेकर पूर्व में भी पालिका प्रशासन और पुलिस से इस मामले में मदद मांगी गई थी। लेकिन दोनों जिम्मेदार ना विभाग में सुनवाई नहीं होने पर बालिका विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ने फिर से दोबारा 29 नवंबर को पुलिस और पालिका को पत्र लिखकर उक्त मामले में सहयोग एवं कार्रवाई करने की मांग की थी। लेकिन इसे पुलिस और पालिका प्रशासन की तरफ से इस मामले को अब तक गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। अश्लील फोटो मामले में अब यहां आशंकाएं यह भी व्याप्त हो रही है कि कहीं स्कूल के गेट के बाहर लगे गोलगप्पे और फास्ट फूड ठेलों पर आने-जाने वाले किसी असामाजिक तत्व की उक्त हरकत तो नहीं।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड बाडी

क्रमांक :-1284 दिनांक :- 25.11.2024

निविदा सूचना संख्याः 05/2024-25

NIB code PWD2425A2875 and UBN is: PWD2425WSOB10524, PWD2425WSOB10525, PWD2425WSOB10526, PWD2425WSOB10527, PWD2425WSOB10528

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड बाडी जिला धौलपुर में कुल 5 नं. पर भवन कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए."ए"बी"सी" एवं "डी" श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए, "ए"बी"सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट "www.eproc.dipronlineorg" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है।

क्र.सं.	मुख्यालय का नाम	कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड बाडी
1	निविदा का कार्य	भवन मरम्मत कार्य
2	निविदा की कुल लागत	रु. 58.34 लाख
3	निविदा शुल्क, प्रोसेंसिग शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प. (5) / वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास चालान पर ऑनलाइन एक ही चालान द्वारा निम्न बजट मद में जमा करानी है। 1) निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 2) प्रोसेसिंग शुल्क 8658-00-102-(16)-02 (निर्माण विभाग) (RISL Fees) 3) धरोहर राशि 8443-00-108-00-00
4	निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 28.11.2024 प्रातः 11:00 बजे दिनांक 10.12.2024 सायं 6:00 बजे तक
5	निविदा फार्म जमा कराने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 28.11.2024 प्रातः 11:00 बजे दिनांक 10.12.2024 सायं 6:00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तारीख (बेवसाईट पर)	दिनांक 11.12.2024 सायं 03:00 बजे

(सौरभ शर्मा)
अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि.खण्ड बाडी

DIPR/C/11871/2024

सेवा भाव से योजनाओं का लाभ निचले स्तर तक पहुंचाना सुनिश्चित करें : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अंत्योदय के संकल्प के साथ समाज के वंचित वर्ग के कल्याण हेतु समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के कमजोर वर्ग को मिलना सुनिश्चित हो इसके लिए हम प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सेवाभाव से कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागीय बजट घोषणाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे तथा अपात्र व्यक्ति योजना का लाभ न ले पाए, क्योंकि इससे पात्र व्यक्ति के हितों पर कुठाराघात होता है। शर्मा ने कहा कि विभाग द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए संचालित आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता तय कर चरणबद्ध रूप से किया जाए। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पत्थर तोड़ने एवं पीसने के कार्य वाले स्थानों एवं खदानों पर निर्धारित गाईडलाइन की सख्ती से पालना सुनिश्चित कराएं ताकि सिलिकोसिस रोग पर नियंत्रण किया जा सके।

- **राज्य में 90 लाख लोग सामाजिक सुरक्षा पेंशन से लाभान्वित**
- **अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण के लिए 1500 करोड़**
- **मुख्यमंत्री ने की सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की समीक्षा**

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने वंचित वर्ग के उत्थान के लिए कई निर्णय किए हैं। राज्य बजट में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण के लिए एससीएसपी एवं टीएसपी फंड की राशि को 1000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1500 करोड़ रुपये किया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि को भी 1000 रुपये से बढ़ाकर 1150 रुपये किया गया है। राज्य में सभी वर्गों के राजकीय एवं अनुदानित छात्रावासों में छात्र-छात्राओं को देय मेस भत्ता भी 2500 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये कर दिया गया है। शर्मा ने कहा कि आश्रय से वंचित घूमंतू समुदाय के लोगों के लिए घूमंतू आवासीय योजना क्रियान्वित की जा रही है। राज्य के दिव्यांग नागरिकों को कृत्रिम अंग एवं उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही, 2 हजार युवा दिव्यांगों को संबल प्रदान करने के लिए स्कूटी भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बच्चों के लिए शीघ्र ही मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना प्रारंभ कर 5 हजार रुपये की मासिक सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि राज्य सरकार लगभग 90 लाख लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन पाने वाले लाभार्थियों की पात्रता व उनसे जुड़े रिकॉर्ड का नियमित रूप से सत्यापन करें और इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे पेंशनर्स की मृत्यु का पंजीकरण अनिवार्य कर संबंधित कार्मिकों की जिम्मेदारी तय की जाए।

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मुख्यमंत्री को विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं उपलब्धियों की जानकारी दी।

बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, शासन सचिव वित्त (व्यय) नवीन जैन, आयुक्त निशक्तजन एच. गुईटे, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता बचनेश अग्रवाल सहित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप ट्यूरिस्ट सर्किट व ब्रज चौरासी यात्रा पर प्रस्तुतिकरण

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के समक्ष सोमवार को पर्यटन भवन में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत तथा पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में ''महाराणा प्रताप ट्यूरिस्ट सर्किट'' और ''ब्रज चौरासी यात्रा की'' कॉन्सेप्ट प्लान और पार्लियामेंट्री रिपोर्ट बनाने के लिए प्राप्त निविदाओं का कन्सलटेन्टस व आर्किटेक्ट्स ने प्रस्तुतिकरण दिया।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के समक्ष सोमवार को पर्यटन भवन में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत तथा पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में ''महाराणा प्रताप ट्यूरिस्ट सर्किट'' और ''ब्रज चौरासी यात्रा की'' कॉन्सेप्ट प्लान और पार्लियामेंट्री रिपोर्ट बनाने के लिए प्राप्त निविदाओं का कन्सलटेन्टस व आर्किटेक्ट्स ने प्रस्तुतिकरण दिया।

प्रस्तुतिकरण में दोनों जगहों का विकास करने तथा यहां आने वाले पर्यटकों के लिए सुविधाएं देने पर बिंदुवार चर्चा की गई। दिया कुमारी ने प्रस्तुतिकरण के पश्चात पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि आज विभिन्न एजेंसियो की ओर से प्रस्तुतिकरण दिए गए हैं। इस आधार पर बिंदुवार नियोजित रूप से योजना बनाकर काम किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान पर्यटन विभाग की 145 करोड़ की दो बड़ी योजनाओं को मंजूरी पर पत्रकारों के समक्ष केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का आभार जताते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने विभिन्न पर्यटन केन्द्रों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए पूंजीगत व्यय की विशेष योजना के अंतर्गत आमेर और नाहरगढ़ के विकास के लिए 49.31 करोड़ और जल महल क्षेत्र के विकास के लिए 96.61 करोड़ रही परियोजना को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि जयपुर में सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए विश्वस्तरीय पर्यटन सुविधाएं विकसित करने को लक्षित किया गया है। उन्होंने बताया कि बजट में जयपुर के चारदीवारी क्षेत्र के लिए 100 करोड़ की योजना के क्रियान्वयन का काम चल रहा है।

नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने जयपुर फुट की कार्य प्रणाली जानी

जयपुर। जी-20 में भारत सरकार के निजी प्रतिनिधि और नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कान्त ने जयपुर फुट की कार्य प्रणाली का अध्ययन किया।

जी-20 में भारत सरकार के निजी प्रतिनिधि और नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कान्त ने जयपुर फुट की कार्य प्रणाली का अध्ययन किया।

जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस. एस.) के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता, सचिव भूपेन्द्र राज मेहता तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस.एस. बिस्सा ने अमिताभ कान्त का स्वागत किया और जयपुर फुट की निर्माण विधि की जानकारी दी। अमिताभ कान्त ने कहा कि बी.एम.वी.एस.एस. निस्वार्थ भाव से विकलांगों को सेवा कर रही है और यह विश्व में अपनी तरह की अद्वितीय सस्था है, जिसने सारे भारत और विश्व भर में जयपुर फुट प्रचलित कर विकलांगों की सेवा की। उन्होंने कहा कि डी.आर. मेहता ने आई. ए.एस. अधिकारी रहते हुए न सिर्फ बी.एम.वी.एस.एस. की स्थापना कर एक अनुकरणीय संस्था बनाने में योगदान दिया बल्कि इस विश्व भर में ख्याति भी दिलाई।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि जयपुर फुट जैसे गुणवत्ता वाले उपकरण और अधिक प्रचलित हों और अधिक से अधिक विकलांगों द्वारा अपनाये जाये। अमिताभ कान्त ने दस विकलांगों के पुर्नवास और उन्हें जयपुर फुट लगाने के लिए योगदान दिया।

समिट में न्यूनतम होगा प्लास्टिक का उपयोग

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को सफल बनाने के लिए 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नए संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने सोमवार को पांचवा संकल्प लेते हुए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करने का निश्चय किया है।

प्रधानमंत्री विशाल जनसभा में ई.आर.सी.पी. परियोजना का शिलान्यास करेंगे : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नई दिल्ली स्थित आवास पर पत्रकारों के साथ यूसीसी, कृषक मित्र भाजपा सरकार, अवैध धर्मोन्तरण और राजस्थान में भाजपा सरकार के कार्यों पर चर्चा की। राठौड़ ने कहा कि केंद्र और राजस्थान में भाजपा की सरकार लगातार जनहितैषी कार्यों को कर रही है। इसमें केंद्र सरकार द्वारा जहां समान नागरिकता कानून का समर्थन किया जा रहा है, वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा ईआरसीपी योजना को मूर्त रूप देकर लाखों किसानों के लिए सिंचाई

- **परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम में प्रदेशभर से करीबन तीन लाख लोगों की उपस्थिति रहेगी**

साथ आमजन के लिए पेयजल की समस्या का समाधान करने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया है। ईआरसीपी योजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जयपुर के दादिया में किया जाएगा।

राठौड़ ने कहा कि ईआरसीपी परियोजना का प्रारूप 2015-16 में तैयार किया गया, इसके बाद प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को अटकाने का काम किया हालांकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सत्ता में आने के साथ ही मध्यप्रदेश सरकार के साथ मिलकर इस जीवन दायनी परियोजना पर कार्य शुरू किया और अब इसका शिलान्यास होगा। परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम में प्रदेशभर से करीबन तीन लाख लोगों की उपस्थिति रहेगी। इससे जहां पीने के पानी की समस्या का समाधान होगा, वहीं सिंचाई के लिए किसानों को पर्याप्त जल भी मिलेगा। राठौड़ ने विपक्ष के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि विपक्ष को सकारात्मक कार्यों में अड़चन पैदा नहीं करनी चाहिए। हालांकि विपक्ष का कार्य आरोप प्रत्यारोप लगाना ही रह गया है। भाजपा ने प्रदेश की जनता के लिए ईआरसीपी, पीकेसी के साथ जवाई पुर्नभरण योजना पर भी कार्य शुरू किया। इसके साथ प्रदेश के बांध, नहरों के पुर्नभरण सहित अन्य विकास के कार्यों को प्राथमिकता से किया जा रहा है।

'मस्जिदों को मंदिर बता कर झूठे केस दायर किये जा रहे हैं'

जयपुर। राजस्थान के अजमेर और उत्तर प्रदेश के संभल मामले को लेकर आज मुस्लिम संगठनों के पदाधिकारी मीडिया से रूबरू हुए। मुस्लिम संगठनों के पदाधिकारी ने कहा कि धार्मिक स्थलों को क्षति पहुंचाने का घिनौना काम किया जा रहा है। देश के आपसी सद्भाव को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। मस्जिदों को मंदिर बात कर अदालत में झूठे केस दायर किया जा रहे हैं। सर्वे के नाम पर मस्जिदों के स्टेटस को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। ज्ञानवापी मस्जिद के नीचे मंदिर होने के बहाने सर्वे करा कर देश का माहौल खराब किया गया। केंद्र सरकार वक्फ संशोधन बिल लाकर मुस्लिम को जमीनों को हड़पना चाहती है। संबल मामले में जिस तरह से मस्जिद को बचाने अपने हक की आवाज को उठाने को लेकर विरोध प्रदर्शन हुआ इस

- **अजमेर दरगाह और संभल मामले को लेकर मुस्लिम संगठनों की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस**

दौरान पांच युवाओं की हत्या कर दी गई।

उन्होंने कहा कि ख्वाजा साहब की दरगाह इंसानियत और भाईचारे का संदेश देती है, और ऐसे पवित्र स्थलों पर विवाद पैदा करना गलत है। अजमेर ख्वाजा साहब की दरगाह को धार्मिक सहिष्णुता और एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि 1991 के प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट के तहत किसी भी धार्मिक स्थल का स्वरूप बदला नहीं जा सकता। उन्होंने ऐसी याचिकाओं को देश का माहौल खराब करने और सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने की कोशिश बताया। ऐसी याचिकाओं को खारिज किया जाए ताकि देश की गंगा-जमुनी तहज़ीब और सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे।

मुस्लिम संगठनों के पदाधिकारी ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट से यह मांग करेंगे कि जिस तरीके से निचली अदालत सर्वे को लेकर आदेश दे रही है उनको लेकर गाइडलाइन जारी की जाए। संभल मामले की न्यायिक जांच करवाई जाए। जो युवा संभल मामले में मारे गए हैं उनको 50-50 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए साथ ही जिन पुलिस कर्मियों ने उनको मारा है उनके खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए।

नाजीमुद्दीन, अध्यक्ष जमाते इस्लामी हिंद, हाफिज मंजूर, जमीयत उलेमा हिंद, शहाबुद्दीन खान, उपाध्यक्ष, एडवोकेट सहादत अली मौजूद थे।

पुलिस अधिकारी बताए बिना अपराध क्यों की गिरफ्तारी : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक आपराधिक मामले में सरकारी वकील को कहा है कि संबंधित पुलिस अधिकारी का शपथ पत्र पेश कर बताए कि अब अनुसंधान में आईपीसी की धारा 326 के तहत अपराध साबित नहीं हुआ और अन्य अपराध जमानती प्रकृति के हैं तो याचिकाकर्ता को गिरफ्तारी क्यों किया गया। जस्टिस अनिल उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश पूजा शर्मा व सौरभ की याचिका पर दिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता डीके शर्मा ने अदालत को बताया कि सार्थक शर्मा की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में पुलिस ने गलत तरीके से उसके साले याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया था। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि सार्थक के परिजनों ने अपने प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए पुलिस को दबाव में लेकर याचिकाकर्ता को झूठे मामले में गिरफ्तार करवा दिया।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता के पति सार्थक शर्मा ने उसके साथ मारपीट और अभद्रता कर उसे घर से निकाल दिया था। इस पर उसने अपने भाई सौरभ को बुलाया, लेकिन ससुराल पक्ष के लोगों ने उनके खिलाफ ही 8 दिसंबर, 2023 को जवाहर नगर थाने में मारपीट व सशस्त्र हमला सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज करा दिया। वहीं पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जबकि मामले में धारा 326 के तहत अपराध साबित नहीं हुआ और अन्य धाराएं जमानती अपराधों से जुडी हुई थी। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने गिरफ्तार करने वाले अधिकारी का शपथ पत्र पेश करने को कहा है।

बजरी की अवैध सप्लाई के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

जयपुर। प्रदेश में बजरी की बढती दरों के लिए राज्य सरकार की नीतियां जिम्मेदार है। शहर में बजरी मंडियों में अवैध बजरी सप्लाई को लेकर व्यापारी लामबंद हो गए हैं।

नदी क्षेत्र में वैध बजरी खनन के लिए समय पर लीज जारी नहीं की जा रही है जिसके कारण अवैध बजरी खनन को बढावा मिल रहा है। यह बात ऑल राजस्थान बजरी ट्रक ऑपरेटर वैलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष नवीन शर्मा ने आरोप लगाया कि अवैध बजरी खनन को बढावा देने के लिए पुलिस प्रशासन वैध रवन्ना के साथ बजरी परिवहन करने वाले ट्रक ऑपरेटर्स को परेशान कर रही है। इस दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध बजरी खनन व परिवहन बंद नहीं किए जाने पर सभी ट्रक ऑपरेटर्स बजरी परिवहन बंद कर देंगे। नवीन शर्मा ने कहा कि अवैध

- **अगर प्रशासन ने रोक नहीं लगाई तो सप्लाई बंद कर देंगे : नवीन शर्मा**

बजरी परिवहन को बंद करवाने के लिए लाइसेंस धारक व्यापारियों ने इस संबंध में आज खान विभाग के अधिकारियों को पत्र देकर इसे रुकवाने की मांग की है। ऐसा नहीं करने पर वैध बजरी खनन क्षेत्रों से खनन बंद करने और सप्लाई रोकने की चेतावनी दी है। टोंक, सवाई माधोपुर एरिया में कई ब्लॉक में अवैध बजरी का खनन हो रहा है। उन खनन एरिया के आसपास रिमोट एरिया (गांवों में) बजरी के अवैध स्टॉक बनाए जा रहे हैं। इन स्टॉक में अवैध तरीके से खनन करके बजरी एकत्रित किया जा रहा है। उसे जयपुर शहर और जिले के आसपास के कस्बों और गांवों में सप्लाई किया जा रहा है। इससे लाइसेंस धारी बजरी व्यापारियों को न केवल आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि सरकार को भी हर रोज लाखों रुपए की रॉयल्टी का नुकसान हो रहा है।

शर्मा ने बताया कि यूनियन ने खान विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन देकर इन अवैध स्टॉक करने वालों पर कार्यवाही करने की मांग की है। इसके साथ ही हमने प्रशासन ने जल्द ही दूसरे वैध स्टॉक (टोंक, सवाई माधोपुर एरिया में) को भी शुरू की मांग की है। अगर सरकार 10-15 दिवस में इन अवैध बजरी परिवहन और स्टॉक करने वालों पर कोई कार्यवाही नहीं करती तो मजबूरन सभी ट्रक ऑपरेटर्स जो वैध लीज से बजरी लाकर सप्लाई कर रहे है उसे बंद करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने अनुशासनहीन नौ कार्मिकों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी

जयपुर। राज्य सरकार राजकीय कार्यालयों में जवाबदेही एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने पुलिस विभाग के 9 अनुशासनहीन कार्मिकों को अनिवार्य सेवानिवृति देने का निर्णय किया है।

यह निर्णय राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम-1996 के नियम 53 (1) के प्रावधान के तहत पुलिस मुख्यालय स्तर पर गठित रिव्यू कमेटी एवं प्रशासनिक सुधार की आज्ञानुसार गठित उच्च स्तरीय स्थायी समिति की अनुशंसा पर किया गया है। इन कार्मिकों ने घोर लापरवाही करते हुए अनुशासनहीनता एवं अनियमितताएं की थी, जिसके लिए पूर्व में उन्हें कई बार दंडित भी किया गया था।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में गुड गवर्नेंस का बेहतरीन मॉडल स्थापित करने के लिए राज्य सरकार लापरवाह एवं अनुशासनहीन कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई कर रही है। साथ ही, कर्मठ और ईमानदार कर्मचारियों को पुरस्कृत करने के लिए भी दृढ़ता से कार्य कर रही है। हम आमजन को राजकीय कार्यालयों में उत्तम सेवाएं देने के लिए संकल्पित है।

भजनलाल सरकार के एक वर्ष की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करें : डॉ. प्रेमचंद बैरवा

जयपुर (कासं)। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सोमवार को शासन सचिवालय में राजस्थान सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, आयुर्वेद विभाग की तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल के दौरान किए गए महत्वपूर्ण कार्यों, योजनाओं का आमजन तक उचित प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने प्रत्येक विभाग को अपनी एक वर्ष की उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए लघु वृत्तिचत्र (डॉक्यूमेंट्री) का निर्माण करने और इस वृत्तिचत्र को विभागीय वेबसाइटों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तथा प्रमुख चौराहों पर स्थापित डिजिटल एलईडी पैनलों पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय उपलब्धियों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रमुख स्थानों पर विशेष होर्डिंग्स लगाए जाएं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शिक्षा संकुलों के समीप, आयुर्वेद विभाग द्वारा चिकित्सालयों के निकट, परिवहन एवं सडक सुरक्षा विभाग द्वारा परिवहन कार्यालयों के आस-पास तथा राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा प्रमुख बस स्टैंड के समीप एवं विभागीय मुख्य भवनों पर होर्डिंग्स स्थापित किए जाएं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी एक वर्ष की उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए रंगीन सचित्र बुकलेट का मुद्रण एवं जन सामान्य तक वितरण सुनिश्चित करे ताकि अधिकतम जन-जन तक विभागीय उपलब्धियों की जानकारी पहुंच सके।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सोमवार को अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की।

- **उपलब्धियों के शॉर्ट वीडियो सोशल मीडिया और प्रमुख चौराहों पर डिजिटल एलईडी पैनल पर प्रदर्शित होंगे**

डॉ. बैरवा ने कहा कि विभागीय उपलब्धियों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रमुख समाचार पत्रों, ऑडियो एवं वीडियो फिल्म के माध्यम से आमजन को जागरूक किया जाए।

बैठक में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की अध्यक्ष शुभ्रा सिंह, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की शासन सचिव डॉ. आरूषी अजेय मलिक, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की आयुक्त एवं शासन सचिव शुचि त्यागी, रोडवेज प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा, मीडिया सलाहकार आनंद शर्मा सहित अन्य उच्चाधिकारी मौजूद थे।

ट्रक चालकों की कार्य कुशलता बढ़ाने के लिए कैबिन में लगाए जाएंगे ए.सी. : मदन राठौड़

- **'जून 2025 के बाद निर्मित एन-2 और एन-3 श्रेणी के ट्रकों के कैबिन में चालकों की सुविधा के लिए शुरू होगी वातानुकूलन प्रणाली'**
- **राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी ने दी जानकारी**

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि अब माल वाहनों में चालकों की सुविधा के लिए भी नए वाहनों में चालक कैबिन एसी युक्त बनाने की पहल की जा रही है। इतना ही नहीं राजधानी जयपुर से अजमेर की ओर जा रहे नेशनल हाइवे 8 पर बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए इसे 8 लेन का बनाया जाएगा। इसके लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से युद्ध स्तर पर कार्य शुरू कर दिया गया है। राठौड़ ने बताया कि राजस्थान में 6 एवं 8 लेन नेशनल हाइवे और ट्रक चालकों की सुविधा में विस्तार संबंधी सवाल राज्यसभा में लगाया गया था, इसके जवाब में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी ने यह जानकारी दी।

राठौड़ बताया कि केंद्र सरकार देश में निजी ट्रक वाहनों में चालकों की कार्य कुशलता बढ़ाने के साथ चालक की थकान की समस्या का समाधान करने की दिशा में भी कदम बढाया है। राजमार्ग मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक जून 2025 के बाद निर्मित एन-2 और एन-3 श्रेणी के मालवाहक ट्रक के कैबिन में चालकों की सुविधा के लिए वातानुकूलन प्रणाली लगाई जाएगी। इसके लिए इन श्रेणी के वाहनों में चेसिस निर्माताओं द्वारा निर्धारित आईएस के अनुसार वातानुकूलन प्रणाली के लिए एक अनुमोदित किट की आपूर्ति भी की जाएगी, जिससे बॉडी तैयार करने वालों को किट लगाने की सुविधा हो सके। इससे ट्रक चालकों के केबिन में वातानुकूलित सुविधा शुरू हो जाएगी।

निर्माणाधीन स्कूल भवन से 16 लाख के बिजली वायर चुराने का खुलासा

पुलिस ने चार आरोपियों व एक खरीददार को गिरफ्तार किया, एक पिकअप जप्त की

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की भीमगंज थाना पुलिस ने तेजसिंह सर्किल के पास एक निर्माणाधीन स्कूल भवन से 16 लाख रुपये के बिजली वायर चुराने के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने चार आरोपियों व एक खरीददार को गिरफ्तार कर वारदात में काम ली गई पिकअप जप्त की है।

भीमगंज पुलिस के अनुसार, तेजसिंह सर्किल के पास स्थित सेंट्रल अकेडमी स्कूल के निर्माणाधीन भवन से 19 नवंबर की रात चोर लाखों रुपये के बिजली फिटिंग के वायर चुरा ले गये थे। इस संबंध में भीमगंज थाने में धीरज ठाकुर ने चोरी का प्रकरण दर्ज कराया था। पुलिस चोरों की तलाश में थी, इस बीच, रविवार को डीएसटी टीम ने पॉलोटैक्निक कॉलेज के पास संदिग्ध हालत में मिले चार लोगों से पूछताछ की तो उन्होंने निर्माणाधीन स्कूल भवन से तार चोरी करना कबूल कर लिया। इस दौरान एक आरोपी मौके से भाग छूटा, जबकि चोरी के कुछ वायर के साथ डीएसटी ने चारों आरोपियों को दबोचकर मामले की जांच कर रहे एएसआई शंभुलाल के हवाले कर दिया।

पुलिस ने निर्माणाधीन स्कूल भवन से 16 लाख के बिजली वायर चुराने के मामले का खुलासा किया।

जांच अधिकारी ने इन चार आरोपियों नारायण पुत्र शंकर कालबेलिया निवासी आमां, नारायण पुत्र लालू कालबेलिया दांथल हाल बड़ला चौराहा, कैलाश पुत्र मोहन कालबेलिया निवासी बड़ला चौराहा व शंभु पुत्र भंवर बागरिया निवासी जूनावास को गिरफ्तार कर लिया। मौके से भागे आरोपी का नाम धर्मा कालबेलिया बताया गया है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो इन लोगों ने वारदात के तुरंत बाद चोरी किये वायर में से कुछ वायर भीमराज को बेचना कबूल किया। इसके चलते पुलिस ने दादाबाड़ी निवासी भीमराज पुत्र नाथूलाल खटीक को भी चोरी का माल खरीदने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सभी आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर रही है।

- कार्रवाई के दौरान एक आरोपी भाग छूटा, चोरी के कुछ वायर के साथ डीएसटी ने चारों को दबोचा

पाक से आए ड्रोन ने गिराई थी दो पिस्टल और सात कारतूस

30 नवम्बर की रात श्रीकरणपुर इलाके में गश्त के दौरान एक सील्ड पैकेट मिला था

श्रीगंगागनर, (निसं)। राजस्थान के रास्ते पाकिस्तान से भारत में हथियारों की तस्करी हो रही है। 30 नवम्बर की रात श्रीगंगानगर के श्रीकरणपुर इलाके में गश्त के दौरान एक सील्ड पैकेट मिला था। यह पैकेट गांव 11 एफए की रोही में लावारिस पाया गया। वजन करवाकर इसमें 2 किलो 100 ग्राम हेरोइन होने का अंदेशा जताया गया।

बीएसएफ अधिकारियों की मौजूदगी में अब पैकेट को खोला गया तो उसमें हेरोइन नहीं बल्कि हथियार थे। पैकेट में दो पिस्टल और 7 कारतूस निकले। बीएसएफ ने इस संबंध में श्रीकरणपुर थाने में हथियार तस्करी के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया है। डिप्टी कमांडेंट गोपालकृष्ण की ओर से मामला दर्ज करवाया गया है।

- पैकेट का वजन करवाकर इसमें 2 किलो 100 ग्राम हेरोइन होने का अंदेशा जताया था

श्रीकरणपुर पुलिस के अनुसार बीएसएफ की रिपोर्ट में बताया कि पैकेट में दो पिसटल और कारतूस अज्ञात व्यक्ति ने भारतीय सीमा में मंगवाए। पिस्टल में फायरिंग पिन, ट्रिगर, हैमर और नाल लगे हैं और ये चालू हालत में हैं। मैगजीन और इसकी स्प्रिंग सही थे। बीएसएफ का मानना है कि दोनों पिस्टल और कारतूस अज्ञात ने ड्रोन के जरिए भारतीय सीमा में मंगवाए थे। बीएसएफ ने तीस नवंबर को जब बॉर्डर एरिया में पैकेट बरामद किया तो इसका वजन करवाकर इसमें दो किलो एक सौ ग्राम हेरोइन होने की बात कही थी। बाद में पैकेट चैक किया तो इसमें पिस्टल और कारतूस बरामद हुए। इस पर श्रीकरणपुर थाने में मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस को पूरे मामले में किसी लोकल कांटेक्ट के शामिल होने की संभावना है। यह कनेक्शन श्रीकरणपुर इलाके का हो सकता है अथवा इसके पंजाब कनेक्शन की भी आशंका है। पुलिस और बीएसएफ इस लोकल कनेक्शन को तलाशने का प्रयास कर रही है। इलाके में ड्रोन के जरिए हथियारों की तस्करी का यह छठा बड़ा मामला है। इससे पहले 2012 से अब तक पांच बार ड्रोन से हथियार श्रीगंगानगर इलाके में आ चुके हैं।

आबकारी विभाग में साढ़े आठ करोड़ का फ्रॉड

एलडीसी सहित चार गिरफ्तार

चूरू, (कासं)। चूरू आबकारी विभाग में साढ़े आठ करोड़ के फ्रॉड मामले में चूरू की साइबर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विभाग के एक एलडीसी सहित चार जनों को गिरफ्तार किया है। यहां आबकारी विभाग के सॉफ्टवेयर के एडजस्टमेंट हेड में छेड़छाड़ कर सरकार को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा था।

चूरू साइबर थानाधिकारी सुभाष कुमार ने बताया कि अक्टूबर 2024 को आबकारी निरीक्षक विद्याधर ने साहवा थाने में मामला दर्ज करवाया था। मामला ऑनलाइन फ्रॉड का होने की वजह से इसकी जांच चूरू के साइबर थाना को दी गई। साइबर थाना ने आबकारी कार्यालय से रिकॉर्ड लिए और डिजिटल एविडेंस कलेक्ट किया। करीब चार करोड़ आईपी ऐड्रेस खंगाले गए। इसके बाद साइबर थाना पुलिस ने आबकारी विभाग के एलडीसी राजगढ़ के गांव खेमाना निवासी अजय कुमार को गिरफ्तार किया। अजय कुमार साल 2016 से जिले के राजगढ़ सर्किल में कार्यरत है।

इनके द्वारा आबकारी सॉफ्टवेयर में छेड़छाड़ कर जिले की 29 दुकानों के जरिए यह फ्रॉड किया गया। इस फ्रॉड में अभी अन्य लोगों के गिरफ्तार होने की संभावना है। वहीं पुलिस ने इस मामले में करीब साढ़े चार करोड़ भी रिकवर करवाए हैं। फिलहाल साइबर थाना पुलिस ने आबकारी एलडीसी अजय कुमार, सिधमुख के बिरमी गांव निवासी राजकुमार, हमीरवास के विकास यादव और रतनगढ़ के नोसरिया गांव निवासी नरेंद्र को गिरफ्तार किया है।

- सॉफ्टवेयर के एडजस्टमेंट हेड में छेड़छाड़ कर सरकार को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा था
- साइबर थाना ने आबकारी कार्यालय से रिकॉर्ड लिए और डिजिटल एविडेंस कलेक्ट किया

मंदबुद्धि युवती से दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

कोटा, (निसं)। मंदबुद्धि युवती से दुष्कर्म के दो साल पुराने मामले में पॉस्को क्रम-3 न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पॉस्को क्रम-3 के न्यायाधीश ने एक मंदबुद्धि युवती से दुष्कर्म के मामले में पकड़े गए आरोपी शाहिद मोहम्मद को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 35 हजार के जुर्माने से दंडित किया।

विशिष्ट लोक अभियोजक ललित कुमार शर्मा ने बताया कि 25 अक्टूबर 2022 को पीड़िता की मां ने शहर के एक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया कि उसकी एक 30 वर्षीय बेटी है जो मंदबुद्धि है जो बोलती नहीं है और उसके साथ घर में रहती है। रिपोर्ट में कहा कि उसके घर के सामने एक लकड़ी की टाल है जिस पर शाहिद मोहम्मद (50) काम करता है। रिपोर्ट में बताया कि घटना वाले दिन वह घर के ऊपर कमरे में सोने चली गई और बेटी नीचे सो रही थी। शाहिद मोहम्मद घर में घुसा। बेटी की आवाज सुनकर नीचे आई तो शाहिद मोहम्मद उसे धक्का देकर भाग गया। बेटी ने अपने ऊपर हुई आपबीती को इशारे में बताया। पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर 23 नवंबर 2022 को आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया था। पॉस्को क्रम-3 कोर्ट ने मामले में सुनवाई करते हुए युवती से दुष्कर्म के मामले में आरोपी शाहिद मोहम्मद को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई मामले में 15 गवाह और 23 दस्तावेज पेश हुए।

युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती गोरा होटल के पास में ट्रक चालक की लापरवाही से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक का चालक फरार हो गया। कुड़ी थाना पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र की जनता कॉलोनी निवासी महेंद्र सिंह की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई होटल के पास राधे प्रोपर्टी के सामने से निकल रहा था। तब एक ट्रक चालक तेजी से गाड़ी को लेकर आया और उसके भाई को चपेट में ले लिया।

जेवर और नगदी चुराई

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट में एक फार्म हाउस और घर में चोरी हो गई। चोर यहां से इलेक्ट्रानिक सामान के साथ जेवर और नगदी चुरा ले गए। संबंधित थाना पुलिस ने मामले दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि मकराना मोहल्ला निवासी प्रियंका पत्नी रमित मेहता की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वह एमबीएम यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। उनका एक कृषि फार्म हाउस मोकलावास में आया है, जहां पर चोरों ने सैंध लगाकर एयर कंडिशनर, बिजली के डिब्बे, इंवर्टर बैटरियां आदि चोरी कर ले गए। उन्हें घटना का पता 29 अक्टूबर को चला। दूसरी तरफ बनाड़ पुलिस के अनुसार गुजरावास बनाड़ के रहने वाले गुमनाराम पुत्र देदाराम के घर में 30 नवंबर की रात को चोरों ने सैंध लगाकर 40 हजार रूपए, सोने की दो अंगूठियां और चांदी की जोड़ी चोरी कर ले गए।

होटल में 18 लाख का गबन, मैनेजर गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के नया हाइकोर्ट परिसर के पास स्थित होटल के फाइनेंस मैनेजर पर होटल के खाते से 18 लाख रुपए चोरी व हेराफेरी करने का आरोप लगा है। होटल प्रबंधन ने कुड़ी भगतासनी थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज करते हुए होटल मैनेजर को गिरफ्तार कर पूछताछ आरंभ की है। उससे रूपयों की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

हाल ही में जॉइन करने के बाद फाइनेंस डायरेक्टर ने लेनदेन के शक के आधार पर खाते की जांच करवाई, जिसमें रुपए दूसरे खातों में ट्रांसफर करने की बात सामने आई। कुड़ी पुलिस ने बताया कि फलोदी के देचू स्थित सेतराणा हाल झालामंड चौराहा स्थित होटल के रघुवीर सिंह ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि सुजानगढ़ के गोपालपुरा निवासी बलवीर सारण 19 अगस्त 2022 से फाइनेंस विभाग में काम कर रहे हैं। कुछ दिन पहले नए फाइनेंस डायरेक्टर को एक बैंक के लेनदेन पर शक हुआ।

- होटल प्रबंधन ने थाने में मामला दर्ज करवाया

अनुसंधान किया तो पता चला कि करीब 18 लाख से ज्यादा रुपए चोरी हुए हैं। यह आंकड़ा और ज्यादा हो सकता है। जब उससे पूछा तो उसने होटल प्रबंधन के रुपए अपने जानकारों के बैंक खातों में ट्रांसफर करने की बात कबूली। कुड़ी पुलिस के अनुसार आरोपी बलवीर सारण को अब गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे रूपयों की बरामदगी के प्रयास जारी है।

पिस्टल चोरी करने वाली गैंग से कार बरामद

अजमेर, (कासं)। पुष्कर मेले के दौरान गैंगमेन की चोरी की गई पिस्टल के आरोप में गिरफ्तार किए गए आरोपियों से रिमांड अवधि के दौरान वारदात में फरार होने के लिए काम में ली गई कार बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर कार को अपने कब्जे में ले लिया है। आरोपियों से गहनता से पूछताछ जारी है। पुलिस अधीक्षक अजमेर वंदिता राणा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दीपक कुमार व वृताधिकारी वृत (ग्रामीण) रामचन्द्र चौधरी के सुपरवीजन में टीम का गठन किया गया था। पुलिस ने गिरफ्तारशुदा आरोपी सन्नी शर्मा उर्फ रामलाल, ऋषि चौधरी उर्फ राहुल निवासी जिला हरिद्वार उतराखण्ड व कोटा निवासी रणजीत उर्फ सोनू से रिमांड अवधि के दौरान पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं।

शादी से पहले युवती का अश्लील वीडियो ससुराल वालों को भेजा

ससुराल वालों ने ऐन मौके पर शादी से इनकार किया

चूरू, (कासं)। शादी से पहले बिजनेसमैन की बेटी का अश्लील वीडियो सामने आने पर ससुराल वालों ने ऐन मौके पर शादी से इनकार कर दिया। दूल्हे के पिता ने आरोप लगाया कि दुल्हन का किसी और के साथ संबंध है। उन्हें सबूत के तौर पर दुल्हन का एक अश्लील वीडियो मिला है। परिजनों ने युवती से पूछताछ की तो रेप का मामला सामने आया। युवती के दादा की रिपोर्ट पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ जीरो नंबर एफआईआर दर्ज कर सूरत गुजरात भेजी है। मामला 10 नवंबर को चूरू के कोतवाली थाना इलाके में हुआ लेकिन अब सामने आया है।

डीएसपी सुनील कुमार ने बताया कि पीड़ित युवती के दादा ने बताया कि उनका बेटा-बहू और उसके बच्चे गुजरात के सूरत में कपड़े का व्यापार करते हैं। पिछले दिनों उसकी 23 साल की पोती की सगाई सीकर जिले में की गई थी। उसके निकाह की सभी तैयारियां पूरी हो गई थी। उन्होंने बताया कि 10 नवंबर को घर पर बारात का इंतजार हो रहा था। बारात आते ही निकाह किया जाना था, लेकिन बारात नहीं आई। इस पर उन्होंने दूल्हे के पिता को फोन कर इस बारे में पूछा। इस पर उन्होंने कहा कि बारात नहीं आएगी। कारण पूछने पर उन्होंने बताया कि आपकी पोती का एक अश्लील वीडियो उनको भेजा गया है। दूल्हा पक्ष ने आरोप लगाया कि दुल्हन के ओर किसी के साथ संबंध हैं। दादा ने बताया कि दूल्हे के पिता के आरोप लगाने पर उन्होंने अपनी पोती से पूछताछ की। इस पर उसने अपनी आपबीती बताई।

- सूरत में कॉलेज के दौरान युवक पर रेप करने का आरोप, जीरो एफआईआर दर्ज कर सूरत भेजी

पीड़िता ने बताया कि सूरत में जब वह कॉलेज में पढ़ती थी, तब जीशान (25) निवासी सूरत गुजरात उसका पीछा करता था। उसने जबरदस्ती उसके साथ जान पहचान बनाई और उसके कुछ फोटो ले लिए। बाद में उस युवक ने उसकी फोटो को गलत तरीके से मोडिफाई किया और उनको सोशल मीडिया पर शेयर करने की धमकी देकर रेप किया। पीड़ित युवती ने बताया कि उसने रेप के समय भी फोटो ली और बाद में धमकी देकर ब्लैकमेल करता रहा। आरोपी उससे शादी करने का दबाव बनाता था। अब आरोपी युवक ने उसका एक अश्लील वीडियो उसके ससुराल वालों को भेज दिया। वीडियो देखने के बाद दूल्हे के परिवार वालों ने शादी से इनकार कर दिया।

मामले में सूरत की लिंबायत पुलिस का कहना है कि उनको चूरू के कोतवाली पुलिस स्टेशन से जीरो एफआईआर मिली है। इसके आधार पर आरोपी और उसके घरवालों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

नहर में दो युवकों के शव मिले

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में नहर में दो युवकों के शव मिले। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर नगर निगम के गोताखोरों को बुलाकर शवों को बाहर निकलवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों मृतकों की पहचान एमपी मुरेना निवासी मनोज (45) व भिंड निवासी सत्येन्द्र (31) के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि रेलवे कॉलोनी के भदाना चौराहे के समीप नहर में दो शवों के पड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर मौके पर पहुंचे और शवों को बाहर निकलवाया गया। घटनास्थल के पास शराब के दो पव्वे पड़े मिले। संभव है मृतक नहर के किनारे शराब पी रहे होंगे, जिससे दोनों नहर में गिर गये। मृतक रेलवे में केटरिंग का काम करते थे।

रिटायर्ड अधिकारी से ठगी करने वाला कॉलेज छात्र गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में साइबर पुलिस ने रिटायर्ड अधिकारी से सेक्सटॉर्षन कर 64 हजार रूपये की ठगी करने के आरोप में अलवर से कॉलेज छात्र आरोपी अरूण को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि 1930 नेशनल सायबर क्राइम पोर्टल पर 14 जून को भरतपुर शहर निवासी एक रिटायर्ड अधिकारी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 13 जून को अज्ञात साइबर ठगों ने पुलिस अधिकारी बनकर यू-ट्यूब पर उसका पोर्न वीडियो अपलोड करने के नाम पर सेक्सटॉर्षन कर 64 हजार 987 रूपये हड़प लिए हैं। बाद में उसने एक जुलाई को प्रकरण दर्ज कराया।

जिला पुलिस अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सायबर ठगों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल के पर्यवेक्षण एवं उप पुलिस अधीक्षक अनिल जसौरिया के निर्देशन में अनुसंधान अधिकारी जितेन्द्र गंगवानी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने गहन पड़ताल कर सोमवार को रायबका, अलवर निवासी अरूण कुम्हार (21) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अरूण ने अपने साथियों के साथ मिलकर भरतपुर शहर निवासी एक रिटायर्ड अधिकारी को मोबाइल पर सेक्सटॉर्षन में फंसाकर एक दिन में ही तीन अलग-अलग बार ट्रांजेक्शन कराकर 64 हजार रूपये हड़प लिए। सायबर ठगों ने फिर उसी दिन ही एटीएम से ठगी की राशि निकाल ली थी। सभी आरोपी रायबका, अलवर के रहने वाले हैं। अनुसंधान में सामने आया कि ठगी के लिए बैंक खाते कटनी मध्यप्रदेश और ठाणे महाराष्ट्र के लोगों के नाम पर हैं जो ऑनलाइन जॉब के नाम पर जरूरतमंदों को गुमराह कर उनके खाते खुलवाकर उसमें साइबर ठगी की राशि डलवायी गई। अभियुक्त से पूछताछ में जानकारी मिली कि वह पिछले साल बहरोड पुलिस थाने में भी सायबर ठगी के मामले में गिरफ्तार हुआ था।

- आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर मोबाइल पर सेक्सटॉर्शन में फंसाकर रुपये हड़पे

पाक बॉर्डर पर 40 ''ड्रग ड्रॉपिंग जोन'' चिन्हित

ड्रोन से नशा गिरा रहे तस्कर, बीएसएफ तोड़ेगी नेटवर्क

बीकानेर, (निसं)। पाक सीमा पर बीएसएफ ने करीब 40 ड्रापिंग जोन चिन्हित किए हैं। इनमें से करीब 15 ऐसे हैं, जहां पाक तस्कर आए दिन ड्रोन से हेरोइन गिरा रहे हैं। इनके अलावा 25 ऐसे जोन हैं, जहां पर हेरोइन ड्रॉपिंग की संभावना है। इन सभी जोन पर सर्विलांस सिस्टम को मजबूत किया जा रहा है। इसके लिए बीएसएफ ने सीमावर्ती गांवों की सुरक्षा समितियों को एक्टिव किया है। इंटेलीजेंस पेट्रोलिंग बढ़ा दी है। बॉर्डर थाना क्षेत्र की पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर जमानत पर आए तस्करों और आदतन अपराधियों पर नजर रखी जा रही है।

बीएसएफ के 60वें स्थापना दिवस के अवसर पर बीकानेर सेक्टर डीआईजी अजय लूथरा ने बातचीत में बताया कि पड़ौसी मुल्क प्रॉक्सी वार पर उतर आया है। नशे के जरिए भारत के युवाओं को बर्बाद कर रहा है। इसे रोकने के लिए पिछले दिनों राज्य सरकार के उच्च अधिकारियों, जिला प्रशासन और पुलिस साथ मीटिंग में गहन मंथन किया गया था। इसके लिए अत्याधुनिक तकनीक वाले सर्विलांस सिस्टम के उपयोग की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इस साल बार्डर पर 9.7 किग्रा हेरोइन और दो ड्रोन जब्त किए गए हैं। बॉर्डर एरिया में बड़े पैमाने पर जिप्सम का अवैध खनन होता है। दो नंबर में खोदा गया जिप्सम रॉयल्टी के जरिए एक नंबर में बदल दिया जाता है।

डीआईजी ने बताया कि दो किलोमीटर एरिया में लीज की जमीन पर खनन करने के लिए कमांडेंट की अनुमति जरूरी कर दी गई है। जबकि तारबंदी से एक किमी में खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है। पिछले दिनों एक मामला पकड़ा गया था। उससे दस्तावेज मांगे गए हैं। बीएसएफ के जवानों और उनके परिवार को भी साइबर सुरक्षा की ट्रेनिंग दी जा रही है। डीआईजी लूथरा ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट, मोबाइल पर अनजान कॉल, वीडियो, हनी ट्रैप, सोशल मीडिया पर फेक मैसेज से ठगी के विभिन्न तरीकों से निपटना चुनौती बना हुआ है। जवानों को इसके लिए विशेष तौर पर ट्रेनिंग दी जा रही है। वे अपने परिवार को भी सिखा रहे हैं। ताकि फ्रॉड से बच सके।

डीआईजी ने बताया कि बॉर्डर एरिया में खासकर सांचू का सड़क मार्ग उबड़-खाबड़ है। उसे सुधारने के दिशा में काम शुरू हो गया है। पिछले दिनों सीपीडब्ल्यूडी ने सर्वे भी किया था। कुछ हिस्से के लिए राज्य सरकार को लिखा गया है। राज्यपाल सांचू आए थे तो उन्होंने भी इस पॉइंट को नोटिस में लिया था। उम्मीद है जल्दी ही काम शुरू होगा। गौरतलब है कि सांचू को बॉर्डर टूरिज्म के लिए डेवलप किया गया था, लेकिन सड़क मार्ग खराब होने के कारण पर्यटक बहुत ही कम पहुंच पा रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार रोकने की मांग

बिजयनगर, (निसं)। स्व. श्री रामचन्द्र भंवरलाल जांगिड़ चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में सोमवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार रामकिशोर जांगिड़ को बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और इस्कॉन पुजारी चिन्मय कृष्णदास की गिरफ्तारी के खिलाफ ज्ञापन दिया।

चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर प्रसाद जांगिड़ के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि बांग्लादेश में हिंदू अल्प संख्यकों पर बढ़ती हिंसा, भेदभाव और उत्पीड़न को रोके जाने की मांग की है। बाग्लादेश मे हिंदुओं, उनके धार्मिक स्थलों, उनकी संपत्तियों और उनकी गरिमा के खिलाफ सुनियोजित ढंग से हमले किये जा रहे हैं।

हिंसा और मंदगाव के ये कृत्य न केवल बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, बल्कि शाति, सह-अस्तित्व और धार्मिक स्वतत्रता के सिद्धातों को भी कमजोर करते हैं। इस दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर प्रसाद जांगिड़, जीवराज जांगिड़, बद्रीलाल जांगिड़, सिंटू जांगिड़, जमना लाल जांगिड़, दुर्गेश जांगिड़, सुरेश जांगिड़, अशोक शर्मा, रामदेव सावर लाल लोहार उपस्थित रहे।

जमीन के विवाद को लेकर जानलेवा हमला करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

इलाज के दौरान एक जने की ट्रोमा हॉस्पिटल जयपुर में मौत हो गई थी

सांभरझील, (निसं)। ग्राम महलां (दूदू) में जमीन के कब्जे के मामले को लेकर जानलेवा हमला करने के आरोप में पुलिस थाना मोजमाबाद ने तीन जनों को गिरफ्तार किया है।

आनन्द शर्मा जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण दूदू ने बताया है कि 25 नवंबर को परिवादी पूरणमल पुत्र घासीराम रैगर निवासी महलां थाना मौजमाबाद जिला दूदू ने उपस्थित थाना होकर रिपोर्ट पेश की, कि ग्राम महलां में हमारे तीनों भाइयों की खातेदारी भूमि है, जिस पर वर्तमान में फसल बोई हुई है। 24 नवम्बर को हमारे खेत के पड़ौसी व उनके साथ 20-25 अन्य लोग सहित हथियारों से भरी गाड़ी के साथ हमारी खातेदारी जमीन पर दो जे.सी.बी., एक ट्रैक्टर लोडर व एक एल्टो गाड़ी से अवैध कब्जा कर फसल को नष्ट कर रहे थे और पुरानी जमीन की मेड़ व तारबंदी को तोड़कर खेत के अन्दर घुसकर हमारी पूरी फसल को नष्ट कर जमीन पर कब्जा कर लिया। इस पर हमारे घर के दो लड़के व कुछ औरतें हमारी जमीन पर पहुंची तो उनके साथ मारपीट की व औरतों के साथ अभद्र व्यवहार किया। हम तीनों भाई राधामोहन, तुलसीराम व पूरणमल खेत पर गये तो इन्होंने कुल्हाड़ियों व सरियों से जानलेवा हमला किया। हमले में राधामोहन पुत्र घासीराम रैगर निवासी महलां थाना मौजमाबाद की एसएमएस ट्रोमा अस्पताल जयपुर में 27 नवंबर को मौत हो गई।

जानलेवा हमला करने के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

प्रकरण में शिवलाल बैरवा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू व दीपक खण्डेलवाल, वृताधिकारी दूदू के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी मौजमाबाद संजय प्रसाद के नेतृत्व में त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण में वांछित अभियुक्तों में से तीन को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में नामजद आरोपियों से अनुसंधान जारी है। गिरफ्तार किए गए तीन आरोपी राजकुमार जाजोरिया पुत्र नानगराम रैगर निवासी महलां थाना मौजमाबाद, महेन्द्र जाजोरिया पुत्र लालाराम रैगर निवासी महलां थाना मौजमाबाद व बाबूलाल जाजोरिया पुत्र लालाराम निवासी महलां थाना मौजमाबाद जिला दूदू के रहने वाले हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी में दयाचन्द, शिवराम, कमल चौधरी, सुरेश कुमार, श्रवणलाल, रामसुख, भंवरलाल, मुकेश कुमार डागर पुलिस कर्मियों की भूमिका काफी सक्रिय रही।

भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि यह लॉस एंजिल्स में होने वाले अगले ओलंपिक खेलों के लिए उसकी तैयारी की शुरुआत है। **- रानी रामपाल**

पूर्व भारतीय महिला हॉकी कप्तान, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत की तैयारियों के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नोवाक जोकोविच

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि उन्होंने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी एंडी मर्रे को इसलिए अपना कोच नियुक्त किया क्योंकि वह ब्रिटेन के इस पूर्व खिलाड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। पिछले छह महीने से बिना कोच के खेलने वाले जोकोविच अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी जुआन मार्टिन डेल पोत्रो के लिए विदाई मैच खेलने के लिए यहां आए हैं। उन्होंने और मर्रे ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वे जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए एक साथ काम करने की योजना बना रहे हैं। स्पेनिश में कहा, ''जब मैं जूनियर वर्ग में खेला करता था तब से मैंने उनके खिलाफ काफी टेनिस खेली है।''

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

// अगले 3 साल तक भारत और पाकिस्तान मैच दुबई में होने वाले थे //

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर फिर फंसा पेंच! बीसीसीआई ने ठुकराई पीसीबी की मांग

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर पाकिस्तान और भारत एक बार फिर सामने सामने हैं। जहां पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता था कि हाइब्रिड मॉडल स्वीकार करने के बदले में उसका भी फायदा हो बीसीसीआई ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दरअसल, पीसीबी का कहना था कि भारतीय टीम उनके देश नहीं आना चाहती तो आगामी इवेंट्स में पाक टीम भी खेलने के लिए भारत नहीं जाएगी और उसके लिए भी हाइब्रिड मॉडल लागू किया जाना चाहिए। साफ तौर पर समझें तो पाकिस्तान की ओर से भारत-पाक मैचों को दुबई में करवाए जाने की मांग रखी गई थी। वहीं अब एक नए खुलासे में कहा गया कि बीसीसीआी ने पाकिस्तान की इस मांग को खारिज कर दिया है।मांग ये थी कि अगले 3 साल तक किसी भी आईसीसी इवेंट में होने वाले भारत और पाकिस्तान मुकाबले को न्यूट्रल वेन्यू पर करवाया जाए। न्यूट्रल वेन्यू के रूप में दुबई का नाम लिया गया था और इस फॉर्मूला को पहले पार्टनरशिप कहकर संबोधित किया गया। शुरुआत में इसे हरी झंडी दिखाए जाने की खबरें थीं, लेकिन अब पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार भारतीय बोर्ड ने इसे ठुकरा दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने पहले इस पार्टनरशिप फॉर्मूला में दिलचस्पी दिखाई थी, जिसके तहत अगले 3 साल तक भारत और पाकिस्तान मैच दुबई में होने वाले थे। रविवार को छुट्टी का हवाला देते हुए बीसीसीआई ने कोई फैसला नहीं सुनाया। वहीं सोमवार और मंगलवार को यूएई में दफ्तर बंद होते हैं। इसी बीच जय शाह ने 1 दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन का पद संभाल लिया है। इन सभी घटनाओं के बीच चैंपियंस ट्रॉफी मामले का फैसला अब भी अधर में लटका हुआ है। एक पाकिस्तानी मीडिया वेबसाइट के अनुसार पीसीबी के सूत्र ने बताया कि, हमने बिल्कुल उचित समाधान पेश किया था। अब अगर भारत इस फॉर्मूला को स्वीकार नहीं करता है तो वह हमसे ये उम्मीद ना करे कि हम भविष्य में अपनी टीम को उनके देश भेजेंगे। अगर भविष्य में भारत में कोई आईसीसी इवेंट होता है तो उसे हमारे खिलाफ मैच दुबई में खेलना होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर विवाद पर शोएब अख्तर का विवादित बयान

इंडिया को वहीं पर मार के आओ...

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं कई दिनों तक अपनी जिद्द पर डटे रहने के बाद आखिरकार पीसीबी इस वैश्विक टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में कारने में राजी हो गया है। इस बीच पूर्व पाकिस्तान गेंदबाज शोएब अख्तर ने एक पाकिस्तानी चैनल पर विवादित बयान दिया है। दरअसल, अख्तर 2025 चैंपियंस ट्रॉफी पर भारत और आईसीसी के रवैये से खुश नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने एक विवादित बयान दे दिया है। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है। ये वैश्विक टूर्नामेंट अगले साल फरवरी में खेला जाना है। हालांकि, सुरक्षा कारणों का हवाला देकर भारत ने अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया था। ऐसे में अब ये टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला

जाएगा। इसमें भारतीय टीम अपने मैच दुबई में खेलेगी। भारत और पाकिस्तान का मैच भी दुबई में खेला जाएगा। हालांकि, पीसीबी कुछ शर्तों के साथ हाइब्रिड मॉडल पर तैयार हुआ है।

पीसीबी ने आईसीसी से कहा है कि जब भारत में किसी आईसीसी इवेंट का आयोजन होगा तो वो भी अपनी टीम वहां नहीं भेजेगा। ऐसे में तब भी आईसीसी को वो टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में कराना होगा। हालांकि, इस पर शोएब अख्तर का रुख एकदम अलग है।

शोएब अख्तर ने कहा कि, आपको होस्टिंग राइट्स और रेवेन्यू के लिए पेमेंट किया जा रहा है। ये ठीक है हम समझते हैं। पाकिस्तान का स्टांस भी अपनी जगह बिल्कुल ठीक था। ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए था। जब हम अपने देश में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने में सक्षम हैं तो वो आने से मना कर रहे हैं। आईसीसी को हमें हाई रेवेन्यू शेयर करना चाहिए। ये एक अच्छा कॉल है। भविष्य में किसी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान टीम के भारत जाने पर शोएब अख्तर ने कहा कि, जहां तक भारत में खेलने की बात है तो हमें दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहिए। हमारी टीम को वहां जाना चाहिए मेरा हमेशा से मानना है कि इंडिया जाओ और उन्हें वहीं मारो हराओ। भारत में खेलो और उन्हें वहीं हरा के आओ।

अंडर-19 एशिया कप: भारत ने जापान को 211 रनों से दी शिकस्त

शारजाह, 2 दिसंबर। कप्तान मोहम्मद अमान (नाबाद 122) की शतकीय, आयुष म्हात्रे (54) और केपी कार्तिकेय (57) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने सोमवार को अंडर-10 एशिया कप के आठवें मुकाबले में जापान को 211 रनों से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारत के दो मैचों में एक हार और एक जीत के साथ दो अंक हो गये और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।

340 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापान की टीम की शुरुआत धीमी रही। ह्युगो केली और निहार परमार की सलामी जोड़ी ने संभल कर खेलते हुए पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 14वें ओवर में हार्दिक राज ने निहार परमार (14) को आउट भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद कप्तान कोजी आबे (शून्य) को केपी कार्तिकेय ने बोल्ड कर भारत के लिए दूसरा विकेट झटका। काज़ुमा काटो-स्टैफ़र्ड (आठ) पर रनआउट हुये। 33वें ओवर में हार्दिक राज ने ह्युगो केली को आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। केली ने 111 गेंदों में छह चौके लगाते हुये (50) रनों की पारी खेली। इसके बाद चार्ल्स हिंजे को छोड़कर जापान का कोई भी

बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सका। चार्ल्स हिंजे ने 68 गेंदों में (नाबाद 35) रन बनाये। तिमुती मूरे (एक), आदित्य फाड़के (नौ) और केवाई लेक (एक) रन बनाकर आउट हुये।

राष्ट्रीय अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी (मल्टी डेज) हेतु राजस्थान अंडर 16 टीम घोषित

जयपुर 2 दिसंबर। आगामी 6 दिसंबर से खेली जाने वाली राष्ट्रियअंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी (मल्टी डेज) में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 16 टीम का चयन राजस्थान जूनियर चयन समिति ने किया।राजस्थान का पहला मैच दिनांक 6 दिसंबर से 2024 को विजयवाड़ा में खेला जायेगा। राजस्थान अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी टीम :-रजत बघेल (कप्तान), आदित्य वाधवा (उपकप्तान), राहुल, यथार्थ भारद्वाज, शिफॉन खान, शुभांग सिंह भाटी, अलोक गुर्जर, शरद सुथार,,आराध्य अग्रवाल, गुरमान सिंह, पुरु देवद्राल, सुजल परमार, अक्षय वैष्णव, मिरान खान, हर्ष सिंह, हितार्थ सोलंकी, तरुण कुमार, यश चौधरी, कुणाल राजपुरोहित, योजित चौधरी, आशीष, टीम दिनांक 3 दिसंबर को विजयवाड़ा के लिए प्रस्थान करेगी। **राज्य स्तरीय अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता (कोटा चैंपियन)** कोटा ने उदयपुर को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराया। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता के आज कोटा - उदयपुर टीमों के मध्य खेले जा रहे 2 दिवसीय फाइनल मैच के अंतिम दिन कोटा ने उदयपुर को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराकर प्रतियोगिता की चैंपियन बनी। प्रतियोगिता के समापन की प्रेजेंटेशन सेरेमनीमें आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावतने प्रतियोगिता की विजेता , उपविजेताटीमों को ट्रॉफी व सभी खिलाडियों , मैच ऑफिशियल को मोमेंटो प्रदान किये।

ऑस्ट्रेलिया टीम दो गुटों में बंटी?

एडिलेड, 2 दिसम्बर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला टेस्ट पर्थ में खेला गया था जिसे भारत ने जीत लिया। वहीं अब दोनों टीमों के बीच 6 दिसंबर से एडिलेड में पिंक बॉल टेस्ट खेला जाएगा। लेकिन उससे पहले मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम में फूट की खबरें सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि, ऑस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम बैटर्स और बॉलर्स के ग्रुप में बंट गया है और टीम में मतभेद चल रहे हैं। कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने भी इसको लेकर अपनी बात रखी है। हालांकि, अब ट्रेविस हेड ने इस पर बयान दिया है।बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट से पहले ट्रेविस हेड ने खुलकर अपनी बात रखी और कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम में किसी तरह का मतभेद नहीं है। हेड ने पर्थ टेस्ट को याद करते हुए कहा कि, मुझे याद है कि वह मैच जल्दी खत्म हो गया था। हमने उस मैच का भरपूर आनंद लिया था। फिर से ऐसा करना अच्छा होगा लेकिन मुझे नहीं लगता कि अगले

मैच में ऐसा होगा। हेड ने इसके साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया की आउट ऑफ फॉर्म बैटिंग और बॉलिंग यूनिट के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है। पहले टेस्ट के दौरान जोश हेजलवुड के एक बयान के बाद टीम के अंदर मतभेद की आशंका व्यक्त की जाने लगी थी।

उन्होंने कहा कि, हमें दोनों डिपार्टमेंट यानी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से काफी उम्मीदे हैं। ये एक बहुत ही पर्सनल गेम है। बल्लेबाजी में हम मजबूत पकड़ बनाना चाहते हैं।

एसएफए चैंपियनशिप 2024

स्क्वैश खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीता

जयपुर, 2 दिसंबर। एसएफए चैंपियनशिप 2024 जयपुर के चौथे दिन स्क्वैश खिलाड़ियों ने एक्शन में मुख्य भूमिका निभाई। इसमें नीरज मोदी स्कूल, मानसरोवर की गौरवी अजमेरा ने स्वर्ण पदक जीता और महाराजा सवाई मान सिंह विद्यालय, रामबघल की लक्ष्य्या राजवत ने लड़कियों के अंडर-9 एकल वर्ग में दबदबा बनाया। ख़ास बात यह रही की चैंपियनशिप का आधिकारिक रूप से सोमवार को शुभारंभ हुआ, जिससे आगे रोमांचक प्रतियोगिताओं के लिए मंच तैयार हो गया। दूसरी ओर, सेंट एन्सलम्स स्कूल, मानसरोवर के कविश चौधरी ने लड़कों की अंडर-10 टेनिस स्पर्धा के फाइनल में सिरसी रोड स्थित तेओलर अनबाउंडेड के साहिल खान को हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। शहर में चैंपियनशिप के चौथे दिन सोमवार को एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, खो-खो और अन्य टूर्नामेंट भी शुरू हुए, जिसमें आने वाले दिनों में पदक स्पर्धाएँ निर्धारित हैं। इसके अलावा, लड़कों की अंडर-9 शतरंज स्पर्धा में, कैम्ब्रिज कोर्ट वर्ल्ड स्कूल ने श्लोक मेहता और शौर्य शर्मा के शानदार प्रदर्शन की बदौलत स्वर्ण और रजत पदक जीता, जो क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे।

शाम के समय गुलाबी गेंद से खेलना चुनौतीपूर्ण होता है : पुजारा

एडिलेड, 2 दिसंबर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दूसरे दिन रात्रि टेस्ट मैच को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि लाल और गुलाबी गेंद में अंतर होता और शाम के समय गुलाबी गेंद से खेलना चुनौतीपूर्ण होता है।

पुजारा ने कहा, जिसने भी गुलाबी गेंद से टेस्ट खेला है वह आपको बताएगा कि शाम के समय बल्लेबाजी करना सबसे मुश्किल होता है। उस समय रोशनी पूरी तरह से नहीं होती है, ना ही पूरा अंधेरा होता है उस समय स्टेडियम की लाइट जलाई जाती है और तब आपको थोड़ा कम दिखता है। उस समय बल्लेबाजों के लिए गुलाबी गेंद खेलना अधिक चुनौतीपूर्ण होता है।

उन्होंने, आपने देखा होगा कि लाल गेंद अधिक चमकती नहीं होती है। इसमें पेंट की कुछ अधिक लेयर होती हैं, जो जल्दी से नहीं जाती है। जब आप लाल गेंद का सामना कर रहे हो तो यह आम लेदर गेंद है जो जल्दी से पुरानी हो जाती है।

जबकि गुलाबी गेंद में अधिक समय तक चमक बनी रहती है।

उन्होंने कहा, गुलाबी गेंद पर पेंट की अधिक लेयर होती हैं और जब यह पिच पर पड़ती है, सीम पर गिरती है या चमकीले हिस्से पर भी गिरती है तो इसमें थोड़ा अधिक जोखिम होता है। ऐसे समय में बल्लेबाज के तौर पर आपके पास कम समय होता है। आपके पास लाल गेंद खेलने जितना समय नहीं होता है और यही बड़ा अंतर है जिसमें ढलना होगा।

अंडर-19 एशियाकप: पाकिस्तान ने यूएई को 69 रनों से हराया

दुबई, 2 दिसंबर। शाहजेब खान (132) और मुहम्मद रियाजुल्लाह (106) रनों की बेहतरीन शतकीय पारियों के बाद अब्दुल सुभान (छह विकेट) की दमदार गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने सोमवार को अंडर-19 एशियाकप के ग्रुप ए के सातवें मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 69 रनों से हरा दिया है। 315 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 57 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये थे। यायिन राय (18), आर्यन सक्सेना (24) और अक्षत राय (पांच) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद एथन डिसूजा, मुहम्मद रेयान ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिय 113 रनों की साझेदारी हुई। मुहम्मद रेयान ने 66 गेंदों में एक चौके और तीन छक्के लगाते हुए (50) रन बनाये। नूरुल्लाह अयोबी (एक), अयान अफजल खान (15), अब्दुल्ला तारिक (एक) रन बनाकर आउट हुये।एथन डिसूजा ने 102 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए (84)रनों की पारी खेली। यूएई की टीम निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 245 रन ही बना सकी और 59 रनों से मुकाबला हार गई।

महिला वर्ग में सम्भव डायग्नोस्टिक विजेता और शुभम केअर हॉस्पिटल उपविजेता

जयपुर, 2 दिसम्बर। डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग का छठा संस्करण 22 नवंबर से स्पोफिट अकादमी में चल रहा था जो कि 1 दिसंबर को सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ राजवेंद्र चौधरी आज फाइनल मुकाबलों को देखने के लिए उपस्थित थे। मुकाबलों की समाप्ति के बाद उन्होंने विभिन्न वर्गों के विजेता, उपविजेता तथा तृतीय स्थान पर रहे खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया और उनका हौसला बढ़ाया।

लीग संयोजक डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया कि 1/12/2024 को सभी वर्गों के फाइनल मैचेज हुए। बॉयज वर्ग में फाइनल में केडिया होटशॉट्स ने शॉल्डर एंड नी सर्जरी क्लीनिक को हराया और विजेता बनी। तृतीय स्थान पर लिपि लेजेंड्स और आँच टाइटन्स रहे।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया प्राइम मिनिस्टर 11 को दी मात

कैनबरा, 2 दिसम्बर। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया प्राइम मिनिस्टर 11 को कैनबरा के मनुका ओवर में 2 दिवसीय अभ्यास मैच में 6 विकेट से मात दी। इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा का प्रदर्शन अच्छा नहीं था। वह मिडिल ऑर्डर में खेले। वहीं शुभमन गिल ने अपना फिफ्टी जड़ा। वॉशिंगटन सुंदर, केएल राहुल, नितीश रेड्डी और रविंद्र जडेजा ने अच्छी बल्लेबाजी की।

हालांकि, इस दौरान विराट कोहली और ऋषभ पंत ने बल्लेबाजी नहीं की। जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन ने गेंदबाजी नहीं की। ऑस्ट्रेलिया की बात करें तो सैम कोनस्टास ने शतक जड़कर प्रभावित किया। पहला दिन शनिवार को बारिश के कारण बाधित रहा। टॉस तक नहीं हो सका। दूसरे और अंतिम दिन रविवार को भारत ने टॉस

जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

50-50 ओवर का मैच बारिश के कारण 46-46 ओवर का हुआ। ऑस्ट्रेलिया प्राइम मिनिस्टर 11 ने 43.2 ओवर में 240 रन बनाए। सैम कोनस्टास ने 97 गेंद पर 107 रन बनाए। हेन्नो जैकब्स ने 59 गेंद पर 61 रन ठोके। जैक क्लेटन ने 40 रन की पारी खेली। तो भारत की तरफ से हर्षित राणा ने 4, आकाशदीप ने 2, मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा ने 1-1 विकेट की सफलता हासिल की।

वहीं भारत की पारी की बात करें तो, टीम इंडिया ने 5 विकेट पर 256 रन बनाए। 17 रन की बढ़त हासिल की। भारतीय टीम की बल्लेबाजी की बात करें तो यशस्वी जायसवाल 45 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल 27 और शुभमन गिल 50 रन बनाकर रिटायर हर्ट हुए। रोहित शर्मा का बल्ला नहीं चला। उन्होंने 3 रन बनाए। नितीश रेड्डी 42 और रविंद्र जडेजा 27 रन बनाकर आउट हुए। सरफराज खान 1 रन बनाकर आउट हुए। वॉशिंगटन सुंदर 43 और देवदत्त पडिक्कल 3 रन बनाकर नाबाद रहे। चार्ली एंडरसन ने 2, लॉयड पोप, मैट रेनशॉ और जैक क्लेटन को 1-1 विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में 6 दिसंबर से दूसरा टेस्ट डे नाइट होगा।

भुवनेश्वर ने जीता पहला मुकाबला

अखिल भारतीय एस.बी.आई. इंटर सर्किल बैडमिंटन टूर्नामेंट शुरू

पटना पर की 2-0 से एकतरफा जीत दर्ज

जयपुर, 2 दिसम्बर। भुवनेश्वर ने सोमवार से शुरू हुई अखिल भारतीय एस.बी.आई. इंटर सर्किल बैडमिंटन टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच जीत लिया। भुवनेश्वर ने पटना पर 2-0 से एकतरफा जीत दर्ज की।

पहले एकल मुकाबले में भुवनेश्वर के अभिलाश पाण्डा ने पटना के के.चटर्जी को 21-17, 21-14 से हराया। युगल में जी.प्रसाद और सत्या की जोड़ी ने गौतम वर्मा और मोरीय की जोड़ी को 21-7, 21-11 से शिकस्त दी। प्रतियोगिता में एस.बी.आई. के सभी 17 सर्किलों टीमें भाग ले रही हैं। टीमों में राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर के 175 खिलाड़ी शामिल हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन उप-प्रबंध निदेशक एवं कॉर्पोरेट विकास अधिकारी बिनोद कुमार मिश्रा ने किया। इस मौके पर सर्किल वेलफेयर कमेटी के सचिव के विनोद तंवर, सी.एम.जी. (एचआर) राजीव कुमार, एसबीआई ओ.ऐ. के अध्यक्ष रामावतार सिंह जाखड़ और एस.बी.आई. ओ.ऐ. के महासचिव विनय कुमार, एस.ई.डब्ल्यू.ए. के अध्यक्ष अशोक कुमार मीणा, एस.आई.एस.बी.आई. एस.पी. के महासचिव एल. चन्द्र शेखर, ए.आई.एस.बी.आई. के वर्किंग प्रेसिडेंट पंकज कौशिक व एस.बी.आई. एस.एफ. के प्रेसिडेंट आर श्रीराम, टूर्नामेंट के चीफ रेफरी जगदीश खत्री और डिप्टी रेफरी विकास माथुर भी मौजूद थे। इससे पूर्व बिनोद कुमार मिश्रा और राजीव कुमार ने बैडमिंटन खेलकर मैचों की विधिवत शुरूआत करवाई। उद्घाटन समारोह में मिश्रा ने कहा कि बैंक शीघ्र ही खिलाड़ियों की भर्ती करेगा, उन्होंने कहा कि बैंक सदैव खिलाड़ियों का सदैव सम्मान करता है और खेल एवं खिलाड़ियों को सदैव प्रोत्साहित करता हैं।

फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024

टीम इंडिया-सीनियर व इंडिया-बी में फाइनल

जयपुर, 2 दिसंबर। फिजिकल डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 का तीसरा दिन काफी रोमांच से भरा हुआ था। टीम इंडिया-ए के फाइनल में प्रवेश करने पर मैदान और दर्शकों में काफी उत्साह और जुनून देखने को मिला। यह ट्रॉफी राजस्थान डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) द्वारा पैट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी में आयोजित की जा रही है। इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच 3 दिसंबर को सुबह 10 बजे खेला जाएगा।

फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 के तीसरे दिन का पहला नॉक आउट मैच इंडिया-ए और इंडिया-सी के बीच खेला गया। पहले खेलते हुए इंडिया-ए ने एक विशाल स्कोर 173/7 खड़ा किया। टीम इंडिया-ए ने शुरुआती तीन विकेट्स बहुत ही कम स्कोर (20/3) पर खोये, जिसके बाद टीम के कप्तान रविन्द्र शांते ने 36 गेंदों का सामना करते हुए 56 रन और दीपेश भारती ने 27 गेंदों में 46 रन की एक महत्वपूर्ण साझेदारी करते हुए टीम को एक मजबूत स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। टीम इंडिया-सी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अपना पहला विकेट दूसरे ही ओवर में खो दिया। जसवंत सिंह ने टीम के लिए एक संघर्षपूर्ण पारी का प्रदर्शन करते हुए 34 गेंदों में 29 रन की नाबाद पारी खेली। टीम इंडिया-ए ने 46 रन से यह मैच जीता। इंडिया-ए के कप्तान रविन्द्र शांते को प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया।

निशानेबाज तनुज राज सिंह ने राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

जयपुर, 2 दिसंबर। स्पोर्ट्स फॉर आल चैंपियनशिप जयपुर 2024-25 सत्र-02 में राजस्थान राज्य के 17 वर्षीया युवा निशानेबाज तनुज राज सिंह ने असाधारण कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए पीप साइट राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। उनका प्रदर्शन न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा को उजागर करता है बल्कि राजस्थान को सम्मान भी दिलाता है और राज्य भर के आगामी निशानेबाजों को प्रेरित करता है। उनकी सफलता वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण को दर्शाती है, जो उन्हें क्षेत्र में महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए एक आदर्श बनाती है। युवा निशानेबाज तनुज राज सिंह ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया है, जिससे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर शूटिंग खेलों में राजस्थान की बढ़ती प्रतिष्ठा में योगदान मिला है। राजस्थान राइफल एसोसिएशन, राज्य सरकार, खेल संघ और प्रशंसक तनुज राज सिंह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई देते हैं। उनकी उपलब्धियाँ राजस्थान के एथलीटों की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

// राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ //

जयपुर दोनों वर्गों में चैंपियन

जयपुर, 2 दिसंबर। चित्तौड़गढ़ में सोमवार को संपन्न चार दिवसीय 41वी राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका)-2024-25 में जयपुर ने अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए बालक एवं बालिका वर्ग के ख़िताब अपने नाम किये। बालक के खिताबी मुक़ाबले में जयपुर ने जहां आएसएससी अकादमी-जैसलमेर को संघर्षपूर्ण मुक़ाबले में 26-24 से हराया। मध्यांतर तक दोनों टीमे 12-12 से बराबरी पर थी। वही बालिका वर्ग के फाइनल में जयपुर ने दुलमाना हैंडबॉल अकादमी-हनुमानगढ़ को 21-11 से हराया। मध्यांतर तक विजेता टीम 11-05 से आगे थी।

इससे पहले तीसरे स्थान के लिये खेले गये मैचों में दोनों वर्गों में श्रीगंगानगर ने जीत दर्ज की। बालक वर्ग में श्रीगंगानगर ने चित्तौड़गढ़ को 28-18 (10-06) से तथा बालिका वर्ग में श्रीगंगानगर ने सीकर को 15-13 (07-07) से हराया।

राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के बालक वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी आएसएससी अकादमी-जैसलमेर के आशीष को स्व. लोकेंद्र सिंह गौड़ तथा बालिका वर्ग की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जयपुर की टीना को स्व. तनेराम मेघवाल की स्मृति में 1500-1500 रू. का नक़द पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वही चित्तौड़गढ़ ज़िला हैंडबॉल संघ की ओर से सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर की ट्रॉफी बालक वर्ग में जयपुर के विकास को तथा बालिका वर्ग में दुलमाना हैंडबॉल अकादमी की निकिता को प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उनसे चर्चा की। राज्यपाल से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यह शिष्टाचार भेंट थी।

33 प्रतिशत महिला आरक्षण पर बार काउन्सिल को पक्षकार बनाया

जयपुर, 2 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर व जोधपुर, द बार एसोसिएशन जयपुर सहित प्रदेश की बार एसोसिएशन चुनाव में महिला अधिवक्ताओं को 33 फीसदी आरक्षण नहीं देने के मामले में बार काउन्सिल ऑफ इंडिया को पक्षकार बनाने को कहा है। राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता हेमा तिवाड़ी की जनहित याचिका पर दिए। अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट बार और द बार एसोसिएशन को नोटिस तामील होने के बाद भी, उनकी ओर से कोई पेश नहीं हुआ है। ऐसे में लगता है कि उन्हें महिला आरक्षण पर कोई आपत्ति नहीं है।

सुनवाई के दौरान, बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान की ओर से अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने याचिका पर प्रारंभिक आपत्तियां उठाईं। बार

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने जनहित याचिका में यह आदेश दिये।**

काउन्सिल ऑफ राजस्थान (बी.सी.आर.) की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता स्वयं बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान का चुनाव लड़ना चाहती हैं। ऐसे में व्यक्तिगत हितों को लेकर जनहित याचिका पेश नहीं हो सकती। वहीं, महिला आरक्षण को लेकर नियम बनाने का अधिकार बार काउन्सिल ऑफ इंडिया को है और याचिका में बार काउन्सिल ऑफ इण्डिया (बी.सी.आई.) को पक्षकार नहीं बनाया गया है। इस पर कोर्ट ने बी.सी.आई. को पक्षकार बनाने के आदेश देते हुए मामले की सुनवाई 10 दिसंबर को रखी है।

जनहित याचिका में कहा गया कि नारी शक्ति वंदन अभियान-2023 के तहत, महिला आरक्षण अधिनियम लाया गया, जिसके तहत महिलाओं को संसद में 33 फीसदी आरक्षण का लाभ दिया गया। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने 26 सितंबर 2024 को अदिति चौधरी बनाम बार काउन्सिल ऑफ दिल्ली व अन्य के मामले में बार काउन्सिल ऑफ दिल्ली को निर्देश दिया है कि वह बार काउन्सिल के चुनावों में महिला अधिवक्ताओं के लिए भी 33 फीसदी सीट आरक्षित रखे। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने भी बी.सी.आर. को महिला अधिवक्ताओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के लिए 28 अगस्त को प्रतिवेदन दिया था, लेकिन उसके प्रतिवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। देश में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के पद पर महिला नियुक्त हो चुकी हैं, लेकिन बी.सी.आर. में चेयरमैन व वाइस चेयरमैन के पद पर कभी भी कोई महिला नियुक्त नहीं हुई। इसलिए बी.सी.आर., हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर व जोधपुर सहित अन्य जिला बार एसोसिएशनों में भी महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देते हुए 33 फीसदी आरक्षण का लाभ दिया जाए।

'केन्द्र सरकार बंगलादेश में संयुक्त राष्ट्र सेना तैनात कराये'

कोलकाता, 02 दिसंबर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को बंगलादेश में मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की और संकटग्रस्त देश में संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना की तैनाती के लिए केंद्र सरकार से पहल करने का आग्रह किया।

बनर्जी ने विधानसभा में कहा, हम बंगलादेश के मामलों पर कुछ नहीं कह सकते, लेकिन हमारा रुख स्पष्ट है कि बंगलादेश पर केंद्र जो भी फैसला करेगा, हम सरकार के साथ हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई आना चाहे और साथ में खाना

- **ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा, केन्द्र बंगलादेश पर जो भी फैसला करेगा, हम उसका साथ देंगे।**

खाए, तो हम उसे समायोजित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर स्थिति की मांग हो, तो राज्य विधानसभा सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय शांति मिशन की तैनाती के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेज सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बंगलादेश में सताए गए भारतीयों को बचाने और उनके पुनर्वास के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया।

बनर्जी ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से संसद सत्र के दौरान बंगलादेश की स्थिति के बारे में भारत के रुख पर बयान देने की भी मांग की।

'पहले साल में 47 प्रधान खनिज ब्लॉक नीलाम कर देश में पहला स्थान'

मुख्यमंत्री ने खान विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को लक्ष्य बनाकर काम करने को कहा

- **मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली सरकार ने 5 साल में 34 प्रधान खनिज ब्लॉक नीलाम किये थे, यह सरकार एक वर्ष में 47 ब्लॉक नीलाम कर चुकी है। इसी प्रकार पिछली सरकार ने अप्रधान, खनिज के 5 साल में 286 प्लॉट नीलाम किये, जबकि, यह सरकार एक वर्ष में 426 प्लॉट्स नीलाम कर चुकी है।**
- **समीक्षा बैठक में प्रमुख शासन सचिव खान व पेट्रोलियम टी. रविकांत ने प्रस्तुतिकरण देकर विभाग के कार्यक्रमों, नवाचारों व योजनाओं की जानकारी दी।**

जयपुर, 2 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में खनिज संसाधनों की अपार संभावनाएं हैं तथा लगभग 30 लाख लोगों को खनन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। राज्य के राजस्व में भी खनन क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि खनिज सम्पदा का समुचित दोहन हो तथा इस क्षेत्र में राजस्व में बढ़ोतरी की जाए। उन्होंने अधिकारियों को लक्ष्य निर्धारित कर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग खनन खोज कार्य में तेजी लाते हुए, नये खनन क्षेत्रों की पहचान करे तथा नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में खान एवं पेट्रोलियम विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह बेहद हर्ष का विषय है कि वर्तमान सरकार ने अपने प्रथम वर्ष के कार्यकाल में ही 47 प्रधान खनिज ब्लॉक्स नीलाम कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जबकि गत सरकार ने अपने पूरे 5 साल के कार्यकाल में केवल 34 ब्लॉक ही नीलाम किये थे। उन्होंने कहा कि इसी तरह, वर्तमान सरकार ने प्रथम वर्ष में अप्रधान खनिज के खनन पट्टे हेतु 426 प्लॉट्स की नीलामी की है, जबकि पिछली सरकार के कार्यकाल में मात्र 282 प्लॉट्स ही नीलाम हुए थे। यह दर्शाता है कि हमारी सरकार खनन से राज्य के राजस्व को बढ़ाने एवं भ्रष्टाचार को रोकने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

शर्मा ने कहा कि हाल ही में कैबिनेट ने नई खनिज नीति 2024 तथा नई एम-सैण्ड नीति 2024 को मंजूरी दी है। नई खनन नीति से प्रदेश में खनन आधारित उद्योगों, औद्योगिक निवेश, युवाओं व स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा एवं राजस्व में बढ़ोतरी होगी। साथ ही, अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाने में भी यह नीति महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि नई एम-सैण्ड नीति से प्रदेश में एम-सैण्ड इकाइयों की स्थापना और बजरी के सस्ते विकल्प के रुप में एम-सैण्ड के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में खनिज ब्लॉक्स की नीलामी की प्रगति, डी.एम.एफ.टी. मद से प्राप्त राशि के सही उपयोग की गाइडलाइन, विभागीय भर्तियां, सिरैमिक एवं रेयर मैटल्स के सेन्टर ऑफ एक्सलैंस की प्रगति, भारत सरकार के स्तर पर लंबित मुद्दे सहित, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव खान एवं पेट्रोलियम टी. रविकांत ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से खान विभाग के कार्यक्रमों, नवाचारों एवं योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित, विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

पहली बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिन्दुओं पर हो रहे हमले का विरोध किया। उन्हें भय है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हिंसा जारी रही तो भारत में उसकी गंभीर प्रतिक्रिया हो सकती है।

हिंदुओं पर हमले से बांग्लादेश के हिंदू समुदाय के समक्ष भारी अनिश्चितता है। वे खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। बांग्लादेश की आज़ादी से पहले, पाकिस्तान और पाकिस्तानी सेना ही हिंदुओं को निशाना बनाती थी।

आज़ादी के बाद, हिंदुओं पर हमले कम होने की बजाय बढ़ गए। बदले माहौल में, जब बंगाली सत्ता में आए, तब उन्होंने ही हिन्दुओं के खिलाफ साम्प्रदायिक हिंसा की। यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश में बांग्ला पहचान, मुस्लिम पहचान में कहीं खो गई है और कट्टरपंथी लोग हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने इन कट्टरपंथियों को काफी हद तक नियंत्रण में रखा था। पर अब शेख हसीना नहीं हैं तथा सब कुछ कट्टरपंथियों के हाथ में है। अंतरिम सरकार कट्टरपंथियों पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। देश में ये ताकतें लगातार हिंसा कर रही हैं और इससे भारत में भी नई ताकतें उभर रही हैं, खासकर पूर्व और पूर्वोत्तर क्षेत्र में।

अडानी की मुश्किलें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चलना कठिन हो रहा है। प्रवक्ता ने कहा, "हम बाँग्लादेश पावर डिपार्टमेन्ट के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही, सरकारी अधिकारियों के साथ निरन्तर संवाद बनाये हुये हैं। उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि हमारी बकाया राशि का मुद्दा जल्दी निबट जायेगा।"

रिपोर्टों के अनुसार, अडानी पावर की बाँग्लादेश की तरफ बकाया राशि 650 मिलियन डॉलर से बढ़कर 900 मिलियन डॉलर हो गई है। पिछले दो महीनों में, बाँग्लादेश ने 182 मिलियन डॉलर का भुगतान कर दिया है।

रिपोर्ट कहती हैं कि बाँग्लादेश चाहता है कि अडानी पावर कीमतों में काफी कमी करे। लेकिन अडानी पावर के प्रवक्ता का कहना है कि उनके पास ऐसा कोई संकेत नहीं है कि बाँग्लादेश अपने बिजली-खरीद-समझौते पर पुनर्विचार कर रहा है।

रिपोर्टों के अनुसार, बाँग्लादेश को बिजली सप्लाई करने वाले सप्लायरों की तुलना में, अडानी पावर की दरें सबसे अधिक हैं। कम्पनी की प्रति यूनिट लागत 14.87 टका है, जबकि अन्य भारतीय सप्लायरों के लिये यह लागत औसतन 9.57 टका प्रति यूनिट है।

मोदी सरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ हंगामा कर रहा था क्योंकि आसन विपक्ष को उसके स्थगन प्रस्तावों की अनुमति नहीं दे रहे थे। जयराम रमेश ने यह संकेत दे दिया है कि दोनों पीठासीन अधिकारी सरकार के दबाव में किसी स्थगन प्रस्ताव की अनुमति नहीं दे रहे थे।

अनूप बरतरिया का गिरफ्तारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बदलने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने पूर्व में जारी गिरफ्तारी वारंट की तामील स्पेशल मैसेन्जर से कराने को कहा है। अदालत ने यह आदेश अनूप बरतरिया व अन्य की ओर से दायर प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ 23 मई, 2024 को प्रसंज्ञान लेकर समन जारी किए थे। वहीं, 2 फरवरी, 2018 को इनके जमानती वारंट जारी किए गए। आरोपियों को अदालती आदेश की जानकारी होने के बावजूद, वे अदालत में पेश नहीं हुए। ऐसे में उन्हे विधि सम्मत तरीके से गिरफ्तारी वारंट के जरिए तलब किया है।

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि उनका परिवादी से राजीनामा हो गया है और विवादित चेक राशि भी जमा कराई जा चुकी है।

एन.आई. एक्ट की धारा 138 जमानतीय अपराध है। उन पर जमानती वारंट की तालीम नहीं हुई है और सीधे गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं किए जा सकते। ऐसे में गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में बदला जाए, जिसका विरोध करते हुए परिवादी यूको बैंक की ओर से अधिवक्ता दिनेश गर्ग ने कहा कि आरोपियों को प्रकरण की पूरी जानकारी होने के बावजूद, वे अदालत में हाजिर नहीं हो रहे हैं। ऐसे में उनके प्रार्थना पत्र को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में बदलने से इनकार कर दिया है।

सरकारी कर्मचारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत राज्य सरकार के दिन-प्रतिदिन के तबादला आदेश में दखल देगी तो जनहित में होने वाले काम अटक जाएंगे। इसके साथ ही, अदालत ने राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसरों की ओर से तबादला आदेश के खिलाफ पेश याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को नए पदों पर कार्यभार ग्रहण करने को कहा गया है। अदालत ने कहा कि यदि वे इन पदों पर कार्यग्रहण ग्रहण नहीं करते हैं तो कृषि विवि उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकता है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश राजेन्द्र सिंह व अन्य की याचिकाओं पर दिए। अदालत ने कहा कि स्वायत्तशासी संस्था होने के चलते कृषि विश्वविद्यालय के कर्मचारी राज्य सरकार के कर्मचारियों की परिभाषा में नहीं आते हैं। राज्य सरकार इनके वित्त मामलों में ही सीमित भूमिका रखती है। ऐसे में राज्य सरकार के तबादला संबंधी आदेश उन पर लागू नहीं होते हैं।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में कीट विज्ञान के सहायक प्रोफेसर पद पर अक्टूबर, 2020 से काम कर रहे हैं। राज्य सरकार ने 4 जनवरी, 2023 को अधिसूचना जारी कर सभी विभागों, निगमों और स्वायत्तशासी संस्थाओं के कर्मचारियों का तबादला करने पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद, याचिकाकर्ताओं का यहां से तबादला कर दिया। इसके अलावा, नियमानुसार पांच साल के कार्यकाल से पहले उनका तबादला नहीं किया जा सकता। इसका विरोध करते हुए, कृषि विवि के अधिवक्ता हिमांशु ठोलिया ने बताया कि विवि स्वायत्तशासी संस्था है और राज्य सरकार हाल ही में पत्र जारी कर स्पष्ट कर चुकी है कि तबादलों पर रोक का आदेश विवि पर लागू नहीं होता। इसके अलावा, याचिकाकर्ता विवि में विभिन्न पदों पर करीब तीन दशकों से काम कर रहे हैं। ऐसे में कुलपति को उनका तबादला करने का पूरा अधिकार है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

अकाल तख्त ने प्रकाश सिंह बादल को दोषी माना, खिताब रद्द

चंडीगढ़ , 02 दिसंबर। सर्वोच्च सिख धार्मिक संस्था अकाल तख्त ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं शिरोमणि अकाली दल के संरक्षक रहे दिवंगत प्रकाश सिंह बादल का 'फख्र-ए-कौम पंथ रत्न' खिताब रद्द करने की घोषणा की। संस्था का कहना था कि बादल सिरसा डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को माफी देने के प्रकरण में भी संलिप्त रहे थे। अकाल तख्त जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह और अन्य ने इसी के साथ शिरोमणि अकाली दल की कोर कमेटी को पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के इस्तीफे को स्वीकार करने का निर्देश दिया। अकाल तख्त सुखबीर सिंह बादल को तनखैया घोषित कर चुका था और सोमवार को अकाली नेताओं को सज़ा सुनाई जा रही थी। अकाल तख्त ने अकाली नेताओं को दरबार साहिब परिसर में बाथरूम सफाई, बर्तन साफ करने और श्रद्धालुओं के जूते साफ करने व गुरद्वारे में कीर्तन में मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

'हर मतदान केन्द्र पर वोटर्स की संख्या कैसे बढ़ी?'

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा कि हर बूथ पर वोटर्स की संख्या 1200 से बढ़कर 1500 कैसे हो गई

- **चीफ जस्टिस संजीव खन्ना एवं जस्टिस संजय कुमार की बैंच ने चुनाव आयोग को इस पर एक लघु शपथ पत्र दायर करने का निर्देश दिया।**
- **सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका में मांग की गई है कि 1957 से 2016 तक सभी पोलिंग बूथ पर 1200 वोटर्स की संख्या का नियम पालन हो रहा था पर एकाएक यह संख्या बढ़ा दी गई।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सुनवाई के लिए 17 जनवरी 2025 की तारीख दी है।**

नयी दिल्ली, 02 दिसंबर। उच्चतम न्यायालय ने मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या 1200 से बढ़ाकर 1500 करने के चुनाव आयोग के फैसले पर उससे सोमवार को स्पष्टीकरण मांगा। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और संजय कुमार की पीठ ने इंदु प्रकाश सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका पर चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह से कई सवाल पूछे।

पीठ ने मनिंदर सिंह से पूछा कि अगर किसी मतदान केंद्र पर 1500 से अधिक मतदाता पहुंच जाएं तो स्थिति से कैसे निपटा जाएगा।इस पर सिंह ने कहा कि ऐसा निर्णय लेने से पहले सभी राजनीतिक दलों से परामर्श किया जाता है। पीठ ने यह भी पूछा कि एक मतदान केंद्र में कई मतदान केंद्र हो सकते हैं, इसलिए क्या यह नीति एक मतदान केंद्र पर भी लागू होगी।

शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से एक संक्षिप्त हलफनामा दाखिल करने के निर्देश देते हुए याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 17 जनवरी 2025 की तारीख मुकर्रर कर दी।

इससे पहले 27 अक्टूबर को याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने तर्क दिया था कि मतदाताओं की संख्या 1,200 से बढ़ाकर 1,500 करने से वंचित समूह चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे, क्योंकि किसी व्यक्ति को वोट डालने में अधिक समय लगेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि मतदान केंद्र पर लंबी कतारें और लंबी प्रतीक्षा अवधि मतदाताओं को वोट डालने से रोकेंगी।उन्होंने दावा किया कि यह निर्णय(मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या बढ़ ाने का) मनमाना था और आंकड़ों पर आधारित नहीं था।

जनहित याचिका में चुनाव आयोग द्वारा देशभर में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या बढ़ ाने संबंधी प्रस्ताव को चुनौती दी गई है।

सन् 2000 के मालपुरा दंगों में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक जवाहर सिंह ने अदालत को बताया कि मामले में मृतक की विधवा धन्नी देवी ने 10 जुलाई, 2000 को मालपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि वह अपने पति हरिराम के साथ खेत पर जा रही थी। इस दौरान अभियुक्तों ने धारदार हथियार से उसके पति पर हमला बोल दिया और उसके शरीर पर कई जगह वार किए, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने अभियुक्तों को समय-समय पर गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान, मृतक की विधवा की ओर से अधिवक्ता वी.के. बाली और अधिवक्ता सोनल दाधीच ने अदालत को बताया कि घटना के समय मालपुरा में दो संप्रदायों के बीच दंगा हुआ था। वहीं, हरिराम और धन्नी देवी अपने खेत पर जा रहे थे। इस दौरान, अभियुक्तों ने अचानक आकर हरिराम की हत्या कर दी। मृतक की अभियुक्तों के साथ कोई रंजिश भी नहीं थी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

किसानों ने दिल्ली मार्च एक सप्ताह स्थगित किया

केन्द्र सरकार को सात दिन में मांगें मानने का अल्टीमेटम

- **किसानों द्वारा दिल्ली मार्च स्थगित करने व दलित प्रेरणा स्थल पर रुकने की घोषणा के बाद नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे से जाम समाप्त हुआ।**

नोएडा, 02 दिसंबर। किसानों के दिल्ली मार्च को लेकर सोमवार को दिनभर पुलिस प्रशासन की सांसें अटकी रहीं। किसान दादरी-नोएडा लिंक रोड पर महामाया फ्लाईओवर पर एकत्र हुए और सुबह करीब 11.30 बजे अपना मार्च शुरू किया। पुलिस ने कई जगहों पर बैरिकेड लगाए और भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई। इसके कारण दिल्ली-नोएडा सीमा पर भारी जाम लग गया।

हालांकि किसानों ने एक हफ्ते के लिए अपना आंदोलन टाल दिया है, लेकिन इस दौरान किसान दलित प्रेरणा स्थल के अंदर ही रुकेंगे। यह फैसला किसान नेताओं की ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस-वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही शुरू हो गई है।

किसानों ने अपनी मांगों पर फैसला लेने के लिए केंद्र सरकार को एक हफ्ते का समय दिया है। इस दौरान किसान दलित प्रेरणा स्थल पर आंदोलन करेंगे। अगर एक हफ्ते में मांगे नहीं मानी गईं, तो किसान फिर से दिल्ली कूच करेंगे। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर यातायात सुचारू होने से पहले करीब चार-पांच घंटे तक लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझना पड़ा।

किसानों की मांगें इस प्रकार हैं: पुराने भूमि अधिग्रहण कानून के तहत प्रभावित किसानों को 10 प्रतिशत प्लॉट और 64.7 प्रतिशत बढ़ ा हुआ मुआवजा दिया जाए। 1 जनवरी 2014 के बाद अधिग्रहित भूमि पर बाजार दर का चार गुना मुआवजा और 20 प्रतिशत प्लॉट दिया जाएं। भूमिहीन किसानों के बच्चों को रोजगार और पुनर्वास का लाभ दिया जाए। हाई पावर कमेटी द्वारा पास किए गए मुद्दों पर सरकारी आदेश जारी किया जाए और आबादी क्षेत्र का उचित निस्तारण किया जाए।

'पूर्व सी.जे.आई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने शुक्रवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में पूजा स्थल अधिनियम-1991 के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई है। यही हमारी स्थिति है। हम इस मुद्दे को उठाएंगे। मगर इसके लिए सबसे जरूरी है कि संसद को काम करने दिया जाना चाहिए।

आज होगी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री के रूप में ढाई साल का कार्यकाल और दिया जाये। उन्होंने कहा कि शिन्दे ने प्रधानमंत्री तथा भाजपा के अन्य शीर्ष नेताओं को आश्वस्त कर दिया है कि भाजपा नये मुख्यमंत्री के रूप में जिसका भी चयन करती है, शिव सेना उसका समर्थन करेगी।

वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने ढील देने से इंकार किया

नयी दिल्ली, 02 दिसंबर। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लागू प्रतिबंधों में ढ ील देने से इनकार करते हुए, सोमवार को कहा कि संबंधित आंकड़ों की समीक्षा के बाद ही वह पांच दिसंबर को कोई छूट देने पर विचार करेगा।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सी.ए.क्यू.एम.) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी की ढ ील देने की गुहार अस्वीकार करते हुए कहा कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली में लगाए गए ग्रेडेड एक्शन रिस्पांस प्लान (जी.आर.ए.पी.) स्टेज-4 के तहत, तमाम प्रतिबंध फिलहाल लागू रहेंगे।

पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को भी संभल जाने से रोका

कांग्रेस नेताओं ने कहा, उन्हें रोककर लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया गया है

लखनऊ, 02 दिसंबर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने सोमवार को संभल जाने का प्रयास किया, मगर पुलिस ने जिला प्रशासन द्वारा दस दिसंबर तक लगायी गयी रोक का हवाला देते हुये उन्हे जाने की अनुमति नहीं दी।

गौरतलब है कि अदालत के आदेश पर जामा मस्जिद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) के सर्वे के दौरान पिछले दिनों संभल में भड़की हिंसा में पांच लोगों की मौत हो गयी थी। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि वह मृतक के परिजनों को ढ ाढ स बंधाने के लिये जा रहे थे, मगर तानाशाही सरकार के इशारे पर पुलिस ने उन्हे जाने की अनुमति नहीं देकर उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि एक तरफ सरकार अपने दायित्वों का निर्वहन करने में असफल रही और दूसरी तरफ तानाशाही रवैया अपनाते हुए कांग्रेस नेताओं को मृतकों के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त करने जाने से रोकने के लिए हर आलोकतांत्रिक हथकंडा अपना रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का संवैधानिक अधिकार है कि वह जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं और मुद्दों को सुने और सदन में उठाये। मगर योगी सरकार को इस बात का भय है कि कांग्रेस नेताओं के संभल जाने से सच बाहर आ जायेगा और वह बेनकाब हो जायेगी। राय ने कहा कि 24 नवंबर की घटना के बाद कांग्रेस ने यह एलान किया था कि हम पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए आगामी दो दिसंबर को संभल जायेंगे, क्योंकि सरकार द्वारा 30 नवंबर तक विपक्षी नेताओं के संभल जाने पर रोक लगा दी थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908